{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 20 मई 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 04 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 235
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	75,315.04
निफ्टी	-	23,649.95
सोना	-	1,56,220
चांदी	-	2,90,000
डॉलर	-	96.32

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

देश के 18 शहरों में शुरू होगी वाटर मेट्रो

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में जल-आधारित सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय जल मेट्रो नीति तैयार की है। इस योजना के तहत देश के 18 शहरों में चरणबद्ध तरीके से वाटर मेट्रो सेवा शुरू किए जाने के लिए योजना तैयार की जा रही है। इसका उद्देश्य सड़क यातायात पर दबाव कम करना, प्रदूषण घटाना, पर्यावरण-अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देना है। नीति में इलेक्ट्रिक या हाइब्रिड नौकाओं के उपयोग, आधुनिक टर्मिनल, सुरक्षा व्यवस्था और डिजिटल टिकटिंग जैसी सुविधाओं पर जोर दिया गया है। कोची की वाटर मेट्रो परियोजना की सफलता को मॉडल बनाकर अन्य शहरों में भी इस योजना को लागू किया जाएगा। इससे पर्यटन, रोजगार और शहरी कनेक्टिविटी को नई गति मिलने की उम्मीद है।

दामाद के लिए डेढ़ किलो चांदी की कोल्हापुरी चप्पल

कोल्हापुर । महाराष्ट्र के कोल्हापुर में एक ससुर ने अपने दामाद के स्वागत के लिए खास 'कोल्हापुरी चप्पल' बनवाई है। डेढ़ किलो चांदी से तैयार इस अनोखी चप्पल की कीमत करीब 4 लाख रुपये बताई जा रही है। इसे बनाने में कोल्हापुर के एक कारीगर को करीब 8 दिन लगे। जानकारी के मुताबिक, इस काम के लिए कारीगर को 22 हजार रुपये मजदूरी दी गई। यह चप्पल अपनी अनोखी डिजाइन और महंगी कीमत के कारण चर्चा का विषय बनी हुई है।

उमर खालिद की अंतरिम जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली दंगे षड्यंत्र मामले में आरोपी उमर खालिद को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया। खालिद ने 15 दिन की अंतरिम जमानत मांगी थी ताकि वे अपनी बीमार मां की सर्जरी के दौरान उनकी देखभाल कर सकें और पिछले महीने गुजर गए चाचा के चहलुम (चालीसवें दिन) के रस्म में शामिल हो सकें। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी की अदालत ने दिल्ली पुलिस के विरोध पर यह फैसला सुनाया। पुलिस ने कहा कि मां की सर्जरी इमरजेंसी नहीं है और खालिद के चाचा दूर के रिश्तेदार हैं। अदालत ने पुलिस की दलीलों से सहमति जताते हुए कहा कि खालिद की बहनें और पिता मां की देखभाल कर सकते हैं। अदालत ने आदेश में कहा, आवेदन में दिए गए कारण उचित नहीं पाए गए, इसलिए आवेदक को वांछित राहत देना उचित नहीं है। आवेदन खारिज किया जाता है।

आम आदमी पर महंगाई की डबल मार

पेट्रोल-डीजल फिर हुआ महंगा

तेल कंपनियों ने करीब 90 पैसे प्रति लीटर बढ़ाए दाम

नई दिल्ली। देश में महंगाई के बीच आम लोगों को एक और बड़ा झटका लगा है। तेल कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फिर बढ़ोतरी कर दी। नई दरों के मुताबिक पेट्रोल और डीजल दोनों के दाम में करीब 90 पैसे प्रति लीटर तक इजाफा किया गया है। पांच दिनों के भीतर ईंधन कीमतों में यह दूसरी बढ़ोतरी है, जिससे आम जनता की चिंता और बढ़ गई है।

इससे पहले पिछले शुक्रवार को भी पेट्रोल और डीजल के दाम में करीब 3 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ोतरी की गई थी। लगातार बढ़ती कीमतों का असर अब सीधे लोगों की जेब पर दिखाई देने लगा है। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रांसपोर्टेशन लागत बढ़ने से आने वाले दिनों में सब्जियों, दूध, राशन और अन्य जरूरी सामानों के दाम भी बढ़ सकते हैं।

महानगरों में पेट्रोल-डीजल के नए दाम

नई कीमतों के बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 98.64 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.58 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं मुंबई में पेट्रोल 107.59 रुपये और डीजल 94.08 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 109.70 रुपये और डीजल 96.07 रुपये प्रति लीटर पहुंच गई है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 104.49 रुपये और डीजल 96.11 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

होर्मुज संकट का असर - सुजाता

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी की वजह पश्चिम एशिया में जारी संकट और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की स्थिति को बताया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय तनाव को ढाई महीने से ज्यादा समय हो चुका है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल, नेचुरल गैस और एलपीजी की कीमतों में लगातार उछाल बना हुआ है। सरकार के मुताबिक इसका असर भारत के क्रूड ऑयल, एलपीजी और नेचुरल गैस आयात पर भी पड़ा है। हालांकि सरकार ने साफ किया है कि देश में ईंधन की सप्लाई पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। सुजाता शर्मा ने कहा कि सभी रिफाइनरियां सामान्य रूप से काम कर रही हैं तथा पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और नेचुरल गैस का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। सरकार ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील भी की है।

जनता पर किल्लत और महंगाई की मार

यूएस और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का असर वैश्विक स्तर पर देखने को मिल रहा है, जिसके चलते होर्मुज ब्लॉक है और कच्चे तेल का आयात इससे प्रभावित हो रहा है। दो महीनों से भारत में भी तेल और गैस की किल्लत देखने को मिल रही है। ना केवल किल्लत बल्कि हाल ही में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कीमतों में भी वृद्धि हुई है। साल 2026 की शुरुआत ही मिडिल ईस्ट के तनाव के साथ हुई है। जिसके बाद से ही आम जनता समेत हर शख्स ही इस भय में था कि ये युद्ध इसी तरह जारी रहा तो तमाम देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी गड़बड़ा जाएंगी। ऐसा ही देखने को भी मिल रहा है। 15 मई को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में करीब 3 रुपये का इजाफा हुआ है। जिसमें पेट्रोल की कीमत 3 रुपये 14 पैसे बढ़ी है, तो वहीं डीजल की कीमत 3 रुपये 11 पैसे बढ़ी है। जिसके चार दिन बाद यानी 19 मई को ही एक बार फिर से पेट्रोल- डीजल की कीमतों में करीब 90 पैसे प्रति लीटर के हिसाब से वृद्धि हुई है। वहीं 15 मार्च 2024 में सरकार की तरफ से पेट्रोल- डीजल की कीमतो में 2 रुपये की कटौती की गई थी।

आवारा कुत्तों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपने पुराने आदेश को बदलने से किया इनकार, दिया निर्देश

गंभीर रूप से बीमार कुत्तों को दें मौत का इंजेक्शन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के पुनर्वास और नसबंदी से जुड़े 7 नवंबर 2025 के अपने आदेश में बदलाव और उसे वापस लेने की मांग वाली सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। शीर्ष अदालत ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड द्वारा आवारा जानवरों को लेकर जारी मानक संचालन प्रक्रिया की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाएं भी खारिज कर दीं। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम आदेश देते हुए रेबीज और गंभीर रूप से बीमार कुत्तों को, जो इंसानी जीवन के लिए खतरनाक हैं, उन्हें मारने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि वह जमीनी हकीकत से आंखें नहीं मूंद सकती, जहां बच्चे, यात्री और बुजुर्ग लगातार डॉग बाइट की घटनाओं के शिकार हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि वे आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या से निपटने के लिए मिलजुलकर प्रयास करते हुए जरूरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करें।

अदालत ने कहा कि पशु जन्म नियंत्रण नियमों और अन्य लागू वैधानिक प्रोटोकॉल के अनुसार लाइलाज बीमारी से ग्रस्त, रेबीज से संक्रमित और किसी भी तरह से मानव जीवन के लिए खतरनाक कुत्तों को मारने के उपाय अधिकारी कर सकते हैं। अदालत ने शैक्षणिक संस्थानों, बस स्टैंडों, रेलवे स्टेशनों, खेल परिसरों, अस्पतालों आदि जगहों से आवारा कुत्तों को हटाने के अपने पूर्व के निर्देशों को बदलने से इनकार कर दिया और कुत्तों को नसबंदी के बाद वापस पुरानी जगहों पर छोड़ने का निर्देश देने से इनकार कर दिया। डॉग लवर्स ने अपनी याचिका में तर्क दिया था कि आवारा कुत्तों को सार्वजनिक स्थानों से हटाने का आदेश बहुत कठोर है और इससे कुत्तों के अधिकारों का हनन हो रहा है। उन्होंने पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इन दलीलों को खारिज करते हुए जनहित और सार्वजनिक सुरक्षा को प्राथमिकता दी।

सडकों पर प्रदर्शन करने वाले युवाओं को सीजेआई सूर्यकांत की नसीहत

आंदोलन से उनका करियर हो सकता है बर्बाद

नई दिल्ली। सीजेआई सूर्यकांत ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में एक बार फिर देश के युवाओं को लेकर टिप्पणी की है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने कहा कि किसी को भी धमकी नहीं देनी चाहिए और ना ही कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगाड़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है लेकिन आम लोगों के लिए परेशानी पैदा करना उचित नहीं है। कोर्ट ने यह टिप्पणी नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नामकरण से जुड़ी एक याचिका की सुनवाई के दौरान की।

एक सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने इस दावे पर प्रतिक्रिया दी कि सडकों पर प्रदर्शन करने वाले युवाओं के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं और इससे उनका करियर बर्बाद हो सकता है। सीजेआई ने कहा कि उन्हें धमकी नहीं देनी चाहिए और कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा नहीं करनी चाहिए। हर व्यक्ति को शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है, कानून के तहत जो अनुमति है, वह किया जा सकता है। लेकिन सडकों पर आकर आम लोगों के लिए परेशानी पैदा नहीं करनी चाहिए।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बोले- एक्शन लेने के बजाए मोदीजी विदेश चले गए

आने वाला है आर्थिक तूफान, आम जनता होगी तबाह

रायबरेली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी दो दिन के यूपी दौरे पर हैं। मंगलवार को रायबरेली में उन्होंने कहा कि आर्थिक तूफान अब आने वाला है। पीएम मोदी ने अदाणी और अंबानी वाला जो आर्थिक ढांचा बनाया है, वह खड़ा नहीं हो पाएगा, बल्कि पूरा टूटेगा। दुख की बात है कि इसका नुकसान आम जनता को होगा। राहुल गांधी ने कहा कि यूपी की जनता को शॉक लगेगा। आर्थिक शॉक आ रहा है। वह अदाणी, अंबानी या पीएम मोदी को नहीं लगेगा। वह यूपी के युवाओं, किसानों और छोटे व्यापारियों को लगेगा। बहुत कठिन समय आ रहा है। एक्शन लेने की बजाए प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि विदेश यात्रा पर मत जाइए, जबकि प्रधानमंत्री मोदी खुद दुनिया के चक्कर काट रहे हैं।

राहुल ने कहा कि हम आपके साथ खड़े हैं। जहां भी आप जाएंगे, मुझे बुला लीजिए, मैं आपके साथ रहूंगा। मैं जनता के साथ खड़ा हूं, जनता के साथ दिखाई देता हूं और जनता से प्यार करता हूं। आप देख लीजिए, देश के तमाम बड़े नेता मोदी जी, अमित शाह जी, गडकरी सभी अंबानी जी की के घर शादी में गए थे। राहुल गांधी वहां कभी नहीं जाएंगे। मैं यह संदेश दे रहा था कि मैं भी आप लोगों के बीच आना चाहता हूं, आपके घरों में आना चाहता हूं। आपने मेरा समर्थन किया, आपने बारात घर की मांग की थी, हमने आपको बारात घर भी दे दिया। अगली बार जब यहां शादी होगी तो मुझे जरूर बुलाइए, मैं जरूर आऊंगा। हमारा रिश्ता प्यार का है, दिल का रिश्ता है, परिवार जैसा रिश्ता है। जनता मेरे लिए माता-पिता, दादी, बहन और भाई जैसी है।

...और खुद विदेश चले गए

राहुल ने कहा- नरेंद्र मोदी कहते है कि सोना मत खरीदो, इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदो, विदेश मत जाओ। इतना कहने के बाद नरेंद्र मोदी विदेश चले जाते हैं। दुख की बात है कि अब जबरदस्त आर्थिक तूफान आने वाला है, जिसको कोई रोक नहीं सकता। ऐसा आर्थिक तूफान आने वाला है, जो आपने हमने कभी जिंदगी में नहीं देखा होगा। इसकी चोट किसको लगेगी। अंबानी-अदाणी अपने महलों में बैठे रहेंगे। उनके महलों में चारों ओर सिक्योरिटी होगी। हिंदुस्तान के मजदूर, युवाओं, छोटे व्यापारियों को चोट लगेगी। राहुल गांधी ने कहा कि मैंने आपसे जो वादा किया था, वह पूरा किया। देश की बात करते हुए राहुल ने कहा कि जनता का पैसा, मजदूरों का पैसा, किसानों का पैसा, पीएम नरेंद्र मोदी ने अंबानी और अदाणी को दे दिया।

उज्जैनी एक्सप्रेस के 3 कोच पटरी से उतरे

ऋषिकेश। ऋषिकेश में सोमवार रात शंटिंग के दौरान उज्जैनी एक्सप्रेस के तीन कोच पटरी से उतर गए। रेलवे सूत्रों के मुताबिक शंटिंग लाइन के अंत में लगे बफर (डेड एंड) से इंजन टकरा गया, जिसके बाद डिब्बों पर दबाव बढ़ गया। इससे एक बोगी ट्रैक से पूरी तरह बाहर निकल गई, जबकि दूसरी बीच से मुड़ गई। जानकारी के मुताबिक उज्जैनी एक्सप्रेस सोमवार शाम करीब 6 बजे योगनगरी रेलवे स्टेशन पहुंची थी। ट्रेन को मंगलवार सुबह 6ः15 बजे वापस रवाना होना था। इसी वजह से रात करीब 9ः42 बजे ट्रेन को प्लेटफॉर्म से खांड गांव स्थित शंटिंग लाइन पर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान हादसा हो गया। हादसे में ट्रेन की तीन बोगियां क्षतिग्रस्त हुई हैं। हादसे के दौरान जोरदार आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों और दुकानों से बाहर निकल आए। घटना के बाद रेलवे अधिकारी, इंजीनियरिंग टीम और पुलिस मौके पर पहुंची। देर रात तक ट्रैक दुरुस्त करने और क्षतिग्रस्त डिब्बों को हटाने का काम चलता रहा। गनीमत रही कि हादसे के वक्त ट्रेन खाली थी, इसलिए कोई जनहानि नहीं हुई।

अभिषेक बनर्जी अपने खिलाफ एफआईआर रद्द कराने हाईकोर्ट पहुंचे

कोलकाता। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द कराने के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंचे है। उन पर बंगाल चुनाव प्रचार के दौरान भड़काऊ भाषण देने और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ धमकी भरा बयान देने का आरोप है।

टीएमसी सांसद और वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी ने कहा कि मामला 21 मई को जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की बेंच के सामने सुनवाई के लिए आ सकता है। याचिका में एफआईआर रद्द करने की मांग हुई है। यह मामला सामाजिक कार्यकर्ता राजीब सरकार की शिकायत पर दर्ज हुआ। उन्होंने चुनाव नतीजे घोषित होने के एक दिन बाद 5 मई को बागुईआटी पुलिस स्टेशन में शिकायत दी थी। बाद में उन्हें साइबर क्राइम शाखा भेजा गया। इसके बाद 15 मई को उत्तर 24 परगना के बिधाननगर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज हुई।

जस्टिस स्वर्णकांता पर पोस्ट मामले में फंसे केजरीवाल, सिसोदिया सहित आप नेताओं को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने आबकारी नीति मामले में न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा के खिलाफ कथित रूप से मानहानिकारक और अपमानजनक टिप्पणियों के संबंध में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और अन्य आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं को नोटिस जारी किया है। 19 मई को जारी इन नोटिसों में, खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि यह कार्यवाही इस न्यायालय के एकल न्यायाधीश द्वारा 14 मई को दिए गए फैसले के आधार पर शुरू की गई है। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की खंडपीठ ने अवमानना ??के सभी आरोपियों को अपना जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। मामले की अगली सुनवाई 4 अगस्त, 2026 को निर्धारित की गई है।

दरअसल, न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने 14 मई को केजरीवाल, सिसोदिया, संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज, विनय मिश्रा और अन्य के खिलाफ आपराधिक अवमानना ??कार्यवाही शुरू की थी। यह कार्रवाई न्यायाधीश और न्यायपालिका को निशाना बनाने वाले कथित सोशल मीडिया अभियानों, सार्वजनिक बयानों, संपादित वीडियो और ऑनलाइन सामग्री के संबंध में की गई थी। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा था कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कानूनी उपायों का सहारा लेने के बजाय सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ सोची-समझी साजिश के तहत बदनामी का अभियान चलाया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि सभी आरोपियों को बरी किए जाने के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर अब दूसरी बेंच सुनवाई करेगी। न्यायाधीश शर्मा ने आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट पर गौर किया, जिसमें उन्हें राजनीतिक निष्ठा और संबद्धता से जोड़ा गया था। इसके साथ ही, वाराणसी में दिए गए उनके भाषण के भ्रामक संपादित वीडियो पोस्ट करके उन्हें कथित तौर पर निशाना बनाया गया था। न्यायमूर्ति शर्मा ने अदालती कार्यवाही के क्लिपों के व्यापक प्रसार पर भी चिंता व्यक्त कर कहा कि प्रस्तावित अवमानना ??करने वाले एक समानांतर कथा बना रहे थे। उन्होंने कहा था कि इस स्थिति में चुप रहना न्यायिक संयम नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली वादी के सामने आत्मसमर्पण होगा।

अखिलेश का ऐलान, यूपी में कांग्रेस के साथ गठबंधन जारी रहेगा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भविष्य के चुनावों में सहयोगी दलों के साथ गठबंधन जारी रहेगा और पार्टी का मूल मंत्र 'सीटें नहीं, जीत' होगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ संयुक्त प्रचार के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी गठबंधन धर्म निभाने में अनुभवी है और सहयोगियों के हित का ध्यान रखती है। सपा मुखिया ने कहा कि हमारी पार्टी ने कई गठबंधन किए हैं। हमारे पास गठबंधन का अनुभव है। समाजवादी पार्टी ने हमेशा अपने सहयोगियों के लिए लाभ सुनिश्चित किया है। हम लोगों ने कभी किसी को धोखा नहीं दिया है। आज जो गठबंधन है, वहां आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में गठबंधन की चर्चा सीटों के लिए सौदेबाजी के इर्द-गिर्द नहीं बल्कि चुनावी सफलता सुनिश्चित करने के इर्द-गिर्द घूमेगी। अखिलेश ने कहा, गठबंधन में सीटों का सवाल नहीं होगा। लोकसभा चुनाव के दौरान भी मैंने कहा था कि मुद्दा सीटों का नहीं है, मुद्दा जीत का है। यही फॉर्मूला फिर काम करेगा। सवाल सीटों का नहीं होगा, सवाल जीत का होगा।

कुछ ना कहना

20 मई को देशभर में मेडिकल स्टोर बंद, ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ 15 लाख से ज्यादा केमिस्ट बंद में हिस्सा लेंगे

ठाणे। अखिल भारतीय केमिस्ट और दवा विक्रेता ने 20 मई को देशभर में मेडिकल स्टोर बंद रखने का ऐलान किया है। संगठन के अनुसार, अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री और कॉरपोरेट कंपनियों की 'अनुचित प्रतिस्पर्धा' के विरोध में यह राष्ट्रव्यापी बंद बुलाया गया है। संगठन के अध्यक्ष जगन्नाथ शिंदे ने कहा कि देशभर के 15 लाख से अधिक केमिस्ट और ड्रगिस्ट इस बंद में हिस्सा लेंगे। उन्होंने मांग की कि कोविड-19 महामारी के दौरान जारी किए गए उन नोटिफिकेशनों को वापस लिया जाए, जिनका कथित तौर पर ऑनलाइन दवा बिक्री में दुरुपयोग हो रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अस्पतालों से जुड़े मेडिकल स्टोर खुले रहेंगे और इमरजेंसी दवा सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। जगन्नाथ शिंदे ने आरोप लगाया कि ऑनलाइन दवा बिक्री के कारण नकली दवाएं, एंटीबायोटिक्स और प्रिस्क्रिप्शन वाली दवाएं बिना डॉक्टर की सलाह के बेची जा रही हैं, जो खासकर युवाओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन रही हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन कंपनियां 20 से 50 प्रतिशत तक की भारी छूट देकर छोटे केमिस्ट और रिटेल दुकानदारों के कारोबार को नुकसान पहुंचा रही हैं। कोविड काल में होम डिलीवरी के लिए दी गई विशेष छूट अब महामारी खत्म होने के बाद भी जारी है, जिसका ऑनलाइन कंपनियां फायदा उठा रही हैं।

पश्चिम बंगाल : क्या शुभेंदु की ललकार से डरे पुष्पा ने छोड़ा चुनावी मैदान

जहांगीर खान के हटने से बीजेपी की राह हुई आसान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी के सत्ता में आते ही एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। चुनावी धांधली के आरोपों के बाद फलता विधानसभा सीट पर होने वाले पुनर्मतदान से ठीक पहले, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवार और भतीजे अभिषेक बनर्जी के करीबी जहांगीर खान ने चुनावी मैदान से अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। 29 अप्रैल को हुए मतदान को रद्द करने के बाद अब 21 मई को फिर मतदान होगा। इस बीच, प्रचार थमने से कुछ समय पहले मंगलवार दोपहर को जहांगीर ने बड़ा ऐलान किया कि वह अब चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा नहीं ले रहे हैं।

उनके फैसले से फलता सीट पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के उम्मीदवार देवांग्शु पांडा की सियासी राहें आसान हुई हैं, हालांकि अंतिम हार-जीत का फैसला 21 मई को होने वाले पुनर्मतदान से ही तय होगा। यह कदम तब आया है जब फलता सीट, जो बीते 15 सालों से टीएमसी का मजबूत गढ़ मानी जाती थी, अब एक नए राजनीतिक समीकरण का सामना कर रही है। जहांगीर के इस अप्रत्याशित फैसले के पीछे पश्चिम बंगाल में हुए सत्ता परिवर्तन को मुख्य वजह बताया जा रहा है। 4 मई को आए नतीजों में ममता बनर्जी की सरकार की विदाई और बीजेपी के सत्ता में आने से फलता का राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल गया। इन नई राजनीतिक परिस्थितियों ने जहांगीर के लिए भारी मुश्किलें खड़ी हुई थीं।

हालांकि जहांगीर के चुनाव लड़ने से पीछे हटने के बावजूद 21 मई को पुनर्मतदान में किसी तरह का बदलाव नहीं होगा। इसकी वजह यह है कि मैदान में सीपीएम से शंभू कुर्मी और कांग्रेस से अब्दुर रज्जाक जैसे अन्य उम्मीदवार भी मौजूद हैं। इसलिए, खान के हटने से बीजेपी को बढ़त मिलेगी, लेकिन मुकाबला अभी भी पूरी तरह एकतरफा नहीं होगा।

सत्ता बदलते ही फलता का सियासी खेल पूरी तरह बदल चुका है। बीजेपी सरकार बनने के बाद खुद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने फलता सीट की कमान अपने हाथों में ले ली थी।

बैहर में वन और राजस्व विभाग की विसंगति बनी आम लोगों की मुसीबत

कान्हा से लगे क्षेत्र में जमीन विवाद गहराया, राजस्व विभाग बता रहा निजी भूमि तो वन विभाग जता रहा अधिकार

जनसुनवाई में पहुंचे भूमि स्वामी बोले- नियम से खरीदी जमीन पर वन विभाग ने कर दी फेंसिंग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बैहर क्षेत्र में इन दिनों वन विभाग और राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में विसंगति के कारण आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भूमि स्वामित्व को लेकर उत्पन्न हुए विवाद का एक मामला अब कलेक्टर कार्यालय की जनसुनवाई तक पहुंच गया है, जहां प्रभावित लोगों ने प्रशासन से हस्तक्षेप कर न्यायपूर्ण कार्रवाई की मांग की है। आरोप है कि वन विभाग द्वारा कुछ निजी भू-स्वामियों की जमीनों पर फेंसिंग कर उन्हें वन भूमि के अधिकार क्षेत्र में शामिल किया जा रहा है, जबकि राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में संबंधित जमीनें निजी स्वामित्व की दर्ज हैं। प्रभावित लोगों का कहना है कि उनके पास जमीन की वैध रजिस्ट्री और अन्य दस्तावेज मौजूद हैं, इसके बावजूद जमीन पर कब्जे जैसी स्थिति बन रही है। इसी समस्या को लेकर योगेश डोहरे , प्रकाश पालेवार और राजेश खजारे कलेक्टर जनसुनवाई में पहुंचे। उन्होंने प्रशासन को आवेदन सौंपते हुए बताया कि विभागीय रिकॉर्ड में अंतर होने के कारण उन्हें लगातार परेशानी उठानी पड़ रही है। आवेदकों ने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और वास्तविक रिकॉर्ड के आधार पर उचित निर्णय लिया जाए। उन्होंने कहा की यदि समय रहते इस मामले का समाधान नहीं किया गया तो क्षेत्र में अन्य भू-स्वामियों को भी इसी तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

कान्हा नेशनल पार्क से सटे बैहर क्षेत्र में जमीनों की बढ़ती कीमतों के बीच अब वन विभाग और राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में मौजूद विसंगतियां आम नागरिकों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनती जा रही हैं। हालत यह है कि एक विभाग जिस जमीन को निजी और वैध राजस्व भूमि बता रहा है, वहीं दूसरा विभाग उसी जमीन पर वन विभाग का अधिकार जता रहा है। दोनों विभागों के अलग-अलग दावों के चलते जमीन मालिकों को लगातार सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं और अब यह मामला जिला मुख्यालय की जनसुनवाई तक पहुंच गया है। दरअसल बैहर क्षेत्र कान्हा नेशनल पार्क से जुड़ा हुआ है और पर्यटन तथा प्राकृतिक महत्व के कारण यहां जमीनों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। इसी वजह से भूमि खरीद-फरोख्त के मामले भी तेजी से बढ़े हैं। लेकिन अब वन और राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में अंतर होने के कारण जमीन मालिकों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई जगहों पर राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज निजी भूमि पर वन विभाग अपना दावा प्रस्तुत कर रहा है, जिससे आम लोगों में असमंजस और भय का माहौल बन गया है। इस मुद्दे को लेकर कुछ महीने पहले बैहर विधायक संजय उईके ने भी जिला मुख्यालय पहुंचकर प्रेस वार्ता की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि बैहर विधानसभा क्षेत्र में वन विभाग और राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में भारी विसंगतियां हैं। विधायक का कहना था कि कई स्थानों पर राजस्व विभाग जिन जमीनों को निजी स्वामित्व वाली भूमि बता रहा है, उन्हीं जमीनों पर वन विभाग अपना अधिकार जता रहा है। इससे वैधानिक रूप से जमीन खरीदने वाले लोगों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। इसी विवाद से जुड़ा एक नया मामला मंगलवार 19 मई को आयोजित जनसुनवाई में सामने आया। बैहर निवासी योगेश डोंगरे, प्रकाश पालेवार और राजेश खजरे जिला मुख्यालय पहुंचे और कलेक्टर को आवेदन सौंपकर पूरे मामले में हस्तक्षेप की मांग की। पीड़ितों ने बताया कि उन्होंने कुछ वर्ष पहले बैहर क्षेत्र में जमीन खरीदी थी। जमीन खरीदने के दौरान सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया था। रजिस्ट्री कराने से लेकर सीमांकन तक हर प्रक्रिया राजस्व विभाग की मौजूदगी और स्वीकृति के साथ पूरी हुई थी। सीमांकन के दौरान राजस्व विभाग ने संबंधित भूमि को स्पष्ट रूप से निजी भूमि बताते हुए उन्हें वैध भूमि स्वामी माना था। भूमि स्वामियों का आरोप है कि हाल ही में वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और उनकी जमीन के आधे हिस्से पर फेंसिंग कर दी। साथ ही उस हिस्से को वन विभाग की भूमि बताया जाने लगा। उनका कहना है कि जिस जमीन को उन्होंने लाखों रुपए खर्च कर खरीदा, उसी पर अब वन विभाग दावा कर रहा है। इससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाने की आशंका है। पीड़ितों ने कहा कि उन्होंने अपनी जीवनभर की जमा पूंजी लगाकर जमीन खरीदी थी। यदि जमीन वास्तव में वन भूमि थी तो फिर उसकी रजिस्ट्री कैसे हुई, सीमांकन कैसे किया गया और राजस्व रिकॉर्ड में उसे निजी भूमि के रूप में दर्ज क्यों किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि दो विभागों की आपसी विसंगति और समन्वय की कमी का खामियाजा अब आम नागरिक भुगत रहे हैं। भूमि स्वामियों का कहना है कि अब वे समझ नहीं पा रहे कि आखिर किस विभाग की बात को सही माना जाए। एक ओर राजस्व विभाग उन्हें वैध भूमि स्वामी बता रहा है तो दूसरी ओर वन विभाग उसी जमीन पर अपना कब्जा जता रहा है। इस स्थिति में वे मानसिक तनाव और आर्थिक असुरक्षा के दौर से गुजर रहे हैं। जनसुनवाई में उन्होंने जिला कलेक्टर से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोनों विभागों के रिकॉर्ड का मिलान करने और स्थायी समाधान निकालने की मांग की। उनका कहना है कि यदि जल्द स्पष्ट निर्णय नहीं लिया गया तो भविष्य में बैहर क्षेत्र में ऐसे विवाद और बढ़ सकते हैं तथा जमीन खरीदने वाले आम लोग ठगी और विवाद की स्थिति में फंसते रहेंगे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों की बैठक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार वर्ष 2026 की नगरीय निकाय मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को लेकर 19 मई को स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जीएस धुर्वे की उपस्थिति में संपन्न हुई, जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर मतदाता सूची पुनरीक्षण संबंधी विषयों पर चर्चा की। बैठक में मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने तथा पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने एवं त्रुटियों के निराकरण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देशों पर चर्चा की गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री धुर्वे ने सभी दलों से मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में सहयोग की अपील की और कहा कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सभी पात्र मतदाताओं के नाम सूची में जोड़ना सुनिश्चित करें। साथ ही मृत, स्थानांतरित एवं दोहरे नामों को विलोपित करने के निर्देश दिए गए।

न्यायालय तहसीलदार तहसील किरनापुर, जिला बालाघाट

रा0प्र0क0.../ब-154/ वर्ष 2025-26
साकिन सारद प0ह0न0 22
रा0नि0मं0 रजेगांव तहसील किरनापुर

इश्तेहार समाचार प्रकाशन

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदक गुलचंद पिता ढाढु जाति मरार निवासी ग्राम सारद तहसील किरनापुर जिला बालाघाट म.प्र. के द्वारा अपने मां हिरकनी पति ढाढु की मृत्यु दिनांक 02/02/2019 को हुई, किन्तु जन्म/ मृत्यु पंजीयन कार्यालय सारद में जानकारी के अभाव में दर्ज नही कराये जाने के कारण जन्म / मृत्यु के 1 वर्ष के पश्चात पंजीयन के लिए अनुमति मिलने हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।अतः उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 28/05/2026 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।
जारी दिनांक -13/05/2025

तहसीलदार किरनापुर

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0012/ब-154/2026-27
मौजा बरघाट, रा.नि.मं. खमरिया

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक गनपत पिता तेजराम जाति पंवार, निवासी ग्राम बरघाट, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा बरघाट, रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी भाभी कौतिका पति बंशीलाल का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 18.01.1989 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम बरघाट के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 27.05.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 19.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।
स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 20.05.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0011/ब-154/2026-27
मौजा मोहगांव बोरी, रा.नि.मं. खमरिया

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेश पंचेश्वर पिता स्व0 साहेबलाल पंचेश्वर जाति मरार, निवासी ग्राम मानपुर, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा मोहगांव बोरी, रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने दादा कारू पिता कंकर का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 12.06.1994 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम मोहगांव बोरी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 27.05.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 19.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।
स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 20.05.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

बालाघाट रेलवे स्टेशन पर चलाया गया 'अभिमन्यु अभियान',

रेलवे पुलिस ने यात्रियों को साइबर अपराधों से किया जागरूक साईबर फ्रॉड से सतर्क रहने की दी सलाह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मंगलवार की सुबह बालाघाट रेलवे स्टेशन परिसर में रेलवे पुलिस द्वारा विशेष जागरूकता अभियान मैं हूं अभिमन्यु चलाया गया। अभियान का उद्देश्य रेल यात्रियों को बढ़ते साइबर अपराधों, ऑनलाइन ठगी और डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करना

रहा।इसके तहत रेलवे स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों को पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सीधे संवाद कर सतर्क रहने की सलाह दी।जानकारी के अनुसार यह अभियान पुलिस मुख्यालय के आदेश एवं पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर के निर्देश पर संचालित किया गया।अभियान के दौरान रेलवे पुलिस ने यात्रियों को मोबाइल पर आने वाले फर्जी कॉल, लिंक, ओटीपी शेयर करने के खतरे, ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया फ्रॉड तथा बैंकिंग धोखाधड़ी जैसी घटनाओं से बचने के उपाय बताए। साथ ही मैं हूं अभिमन्यु अभियान के तहत लोगों को यह संदेश दिया गया कि जागरूक नागरिक ही साइबर अपराधियों के चक्रव्यूह को तोड़ सकता है।

सावधानी ही बचाव

उक्त अभियान के तहत रेलवे स्टेशन परिसर में पुलिस टीम ने यात्रियों को पंपलेट वितरित किए और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा संबंधी जानकारी देकर सतर्क रहने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि थोड़ी सी सावधानी से बड़ी आर्थिक हानि से बचा जा सकता है। यात्रियों को यह भी बताया गया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या ठगी की स्थिति में तुरंत पुलिस हेल्पलाइन एवं साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं।अभियान में चौकी प्रभारी के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक श्याम सिंह, आरक्षक राकेश कुमार गढ़पाल, हनमत सैयाम सहित रेलवे पुलिस स्टाफ एवं रेलवे कर्मचारी मौजूद रहे। अभियान के दौरान यात्रियों ने भी पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए इसे समय की आवश्यकता बताया।रेलवे पुलिस ने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता अभियान लगातार चलाए जाएंगे, ताकि आम नागरिकों को साइबर अपराधों के प्रति सजग बनाया जा सके और सुरक्षित यात्रा का वातावरण सुनिश्चित हो सके।

दलदली नाले पर पुल नहीं बनने से ग्रामीण परेशान, स्कूली बच्चों के साथ जनसुनवाई पहुंचे परिजन

बरसात में चार महीने गांव का संपर्क टूटने का आरोप, स्वास्थ्य सेवाएं और बच्चों की पढ़ाई होती है प्रभावित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्राम पंचायत आमगांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम सोनपुरी से लगभग एक दर्जन से अधिक स्कूली बच्चे अपने परिजनों के साथ कलेक्टर जनसुनवाई में पहुंचे और गांव की वर्षों पुरानी समस्या को प्रशासन के सामने रखा। ग्रामीणों ने बताया कि सोनपुरी और आमगांव के बीच स्थित दलदली नाले पर आज तक पुल का निर्माण नहीं हो पाया है, जिसके कारण हर वर्ष बरसात के दिनों में गांव का संपर्क पूरी तरह टूट जाता है। परिजनों का कहना है कि बारिश शुरू होते ही नाले में पानी भर जाता है और रास्ता पूरी तरह बंद हो जाता है। ऐसी स्थिति में स्कूली बच्चों का करीब चार महीने तक स्कूल आना-जाना बंद हो जाता है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। वहीं गंभीर स्थिति में स्वास्थ्य सेवाएं भी गांव तक नहीं पहुंच पातीं और ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बरसात के चार महीनों में उन्हें गांव में ही कैद होकर रहने जैसी स्थिति बन जाती है। कई बार जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से पुल निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन केवल आश्वासन ही मिलते रहे हैं। समस्या का समाधान नहीं होने से नाराज ग्रामीण इस बार स्कूली बच्चों को साथ लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और जल्द पुल निर्माण की मांग की।

जिले के कई ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्र आज भी मूलभूत सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं। आजादी के वर्षों बाद भी अनेक गांवों में पक्की सड़क, पुल-पुलिया, स्वास्थ्य सुविधाएं और सुगम आवागमन जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं नहीं पहुंच सकी हैं। इसका ताजा उदाहरण जिला मुख्यालय से लगे समनापुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत आमगांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम सोनपुरी में देखने को मिला, जहां के ग्रामीण और स्कूली बच्चे अपनी समस्याएं लेकर मंगलवार 19 मई को जिला मुख्यालय पहुंचे। लगभग एक दर्जन से अधिक स्कूली बच्चों और ग्रामीणों ने प्रशासन के सामने अपनी पीड़ा रखते हुए बताया कि ग्राम सोनपुरी और आमगांव के बीच आज तक पक्का पुल निर्माण नहीं हो पाया है। ग्रामीणों का कहना है कि दोनों गांवों के बीच महज दो किलोमीटर की दूरी है, लेकिन बीच में पड़ने वाले दलदली नाले पर पुल नहीं होने के कारण बरसात के दिनों में पूरा संपर्क टूट जाता है।

ग्रामीण मनोहर और सत्येंद्र इनवाती ने बताया कि बारिश शुरू होते ही नाले का जलस्तर बढ़ जाता है, जिससे गांव का संपर्क पूरी तरह कट जाता है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ती है। बरसात के लगभग चार महीने तक बच्चे स्कूल नहीं जा पाते, जिससे उनकी पढ़ाई पूरी तरह प्रभावित होती है। कई बच्चे मजबूरी में लंबे समय तक स्कूल से दूर रहते हैं और शिक्षा बाधित हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि सिर्फ शिक्षा ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सुविधाएं भी इस समस्या से गंभीर रूप से प्रभावित होती हैं। गांव में यदि कोई बीमार पड़ जाए या अचानक कोई आपात स्थिति बन जाए तो मरीज को समय पर अस्पताल तक पहुंचाना संभव नहीं हो पाता। उन्होंने बताया कि बीते वर्ष गांव में एक व्यक्ति को सर्पदंश हो गया था, लेकिन समय पर स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिलने के कारण उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पुल और सड़क की सुविधा होती तो शायद उसकी जान बचाई जा सकती थी। सोनपुरी के ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के चार महीनों में पूरा गांव मानो कैद होकर रह जाता है। नाले में पानी भर जाने के बाद न तो लोग बाजार जा पाते हैं और न ही आवश्यक सामान गांव तक पहुंच पाता है। कई बार गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और बीमार लोगों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से पुल निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। स्कूली बच्चों के साथ जिला मुख्यालय पहुंचे ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि दलदली नाले पर शीघ्र पक्का पुल निर्माण कराया जाए, ताकि गांव का संपर्क पूरे वर्ष बना रहे। उन्होंने कहा कि पुल बनने से न केवल बच्चों की शिक्षा प्रभावित होने से बचेगी, बल्कि ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं, बाजार और अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ भी समय पर मिल सकेगा। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि शासन गांवों के विकास और ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने के बड़े-बड़े दावे करता है, लेकिन सोनपुरी जैसे कई गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। लोगों ने उम्मीद जताई है कि इस बार प्रशासन उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए स्थायी समाधान की दिशा में कदम उठाएगा।

शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म, युवक राजा उर्फ संदीप गिरफ्तार -जेल भेजा गया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक 19 वर्षीय युवती ने अपने ही मोहल्ले के युवक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज होने के तुरंत बाद ही त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक राजा उर्फ संदीप पिता ललित गौतम 25 वर्ष को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। आप जानकारी के अनुसार युवती अपने परिवार के साथ रहकर घरेलू काम करती है। उसकी जान-पहचान मोहल्ले में ही रहने वाले राजा उर्फ संदीप से पिछले 2 साल से थी। दोनों के बीच बातचीत होती रहती थी। युवती का आरोप है कि 12 मार्च 2025 से संदीप ने शादी का वादा कर उसका शारीरिक शोषण शुरू कर दिया। संदीप ने उसे अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर संबंध बनाता रहा। जिससे युवती गर्भवती हो गई। जब युवती ने गर्भवती होने की बात संदीप को बताई तो पहले उसने शादी का भरोसा दिलाया। लेकिन बाद में वह शादी से मुकर गया और युवती को गालियां देकर जान से मारने की धमकी देने लगा। परिजनों को जानकारी मिलने पर युवती ने पूरी बात बताई। इसके बाद 18 मई को युवती अपने परिवार के साथ महिला थाना पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कराई। महिला थाना पुलिस ने युवती की शिकायत पर आरोपी राजा उर्फ संदीप गौतम के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 69, 296(बी), 351(3) के तहत अपराध दर्ज किया। मामला दर्ज होते ही सहायक उप निरीक्षक दिनेश पंचेश्वर ने आरक्षक योगेश्वर चौहान और आरक्षक तरुण टेम्भरे के साथ रात में ही दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। 19 मई को आरोपी राजा उर्फ संदीप को बालाघाट की न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

आवश्यकता है

10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।

-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
बुधवार 20 मई 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

खैरलांजी के पिंडकेपार में घरेलू विवाद बना हिंसक-पोते ने 80 वर्षीय दादा पर ईंट से किया हमला, दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के खैरलांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पिंडकेपार में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। घरेलू विवाद के चलते एक पोते ने अपने 80 वर्षीय दादा के साथ मारपीट की और ईंट से हमला कर उसे घायल कर दिया। आरोपी ने बुजुर्ग को घर से नही निकलने पर जान से खत्म करने की धमकी भी दी। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सीताराम दमाहे के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम पिंडकेपार निवासी छगनलाल दमाहे अपने पोते सीताराम दमाहे के साथ घरेलू मामलों को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। 18 मई को रात्रि करीब 10:30 बजे छगनलाल अपने घर के आंगन में खटिया पर बैठे हुए थे। इसी दौरान उनका पोता सीताराम वहां पहुंचा और मकान को लेकर विवाद करने लगा। आरोपी सीताराम ने दादा छगनलाल से कहा कि यह मकान मेरा है,तुम यहां से निकल जाओऔर उन्हें अश्लील गालियां देने लगा। जब छगनलाल ने गाली देने का कारण पूछा तो सीताराम आग बबूला हो गया। उसने बुजुर्ग के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। इतने से भी मन नहीं भरा तो आरोपी सीताराम ने पास में रखी ईंट उठाकर छगनलाल पर दे मारी। ईंट बुजुर्ग के बाएं हाथ और जांघ में लगी, जिससे वे घायल हो गए।झगड़े और चीख-पुकार की आवाज सुनकर छगनलाल का छोटा बेटा टेकराम दमाहे मौके पर पहुंचा। उसने बीच-बचाव कर अपने पिता को आरोपी सीताराम से छुड़ाया। इसके बाद आरोपी सीताराम ने जाते-जाते छगनलाल को घर से नहीं निकलने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी।घटना के बाद घायल छगनलाल अपने बेटे टेकराम के साथ खैरलांजी पुलिस थाना पहुंचे और पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए बुजुर्ग का स्थानीय अस्पताल में इलाज करवाया। छगनलाल की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी पोता सीताराम दमाहे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है।

भीषण गर्मी असर..जहा तहा जल रहे ट्रासफार्मर

दोपहर में हनुमान चौक के बाद, रात में जामा मस्जिद परिसर के ट्रांसफार्मर में लगी आग

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और ओवरलोड के बीच सोमवार रात नगर के वार्ड नं 9 स्थित जामा मस्जिद चौक क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब रात्रि करीब 11:30 बजे वहां लगे एक बिजली ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई।जहा देखते ही देखते ट्रांसफार्मर से तेज लपटें और धुआं उठने लगा, जिससे आसपास के राहगीरों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।उधर घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, विद्युत विभाग और दमकल अमला मौके पर पहुंचा और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।तब कही जाकर स्थानीय लोगो ने राहत की सास ली।

दोपहर में हनुमान चौक में भी ट्रांसफार्मर में लगी थी आग

आपको बताए कि यह कोई पहला मौका नही है कि जब ट्रांसफार्मर में आग लगी हो बल्कि इसके पूर्व भी समय समय पर ऐसी ही घटना नगर में सामने आती रही है।जहां भीषण गर्मी और ओवरलोड के चलते विघुत ट्रांसफार्मर में आग लगी है।सोमवार की रात हुई इस घटना के पूर्व सोमवार की दोपहर नगर के हनुमान चौक परिसर स्थित ट्रांसफार्मर में भी इसी तरह आग लगी थी।

अचानक आग की लपटों में घिर गया ट्रांसफार्मर

स्थानियजनो के अनुसार सोमवार रात बैहर रोड़ जामा मस्जिद चौक के समीप अचानक ट्रांसफार्मर से चिंगारियां निकलनी शुरू हुईं। कुछ ही पलों में ट्रांसफार्मर आग की लपटों से घिर गया। जहा आग तेजी से फैलती दिखाई दी, जिससे आसपास मौजूद लोगों में भय का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस, बिजली विभाग और फायर ब्रिगेड को सूचना दी।सूचना मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और सुरक्षा व्यवस्था के बीच आग बुझाने का कार्य शुरू किया गया। बिजली सप्लाई तत्काल बंद कर क्षेत्र को सुरक्षित किया गया, जिसके बाद दमकल कर्मियों ने करीब आधे घंटे की मशक्कत कर उक्त आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन ट्रांसफार्मर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

विघुत सप्लाई रही बाधित

उधर घटना के बाद क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।भीषण गर्मी के बीच रात में बिजली बंद होने से स्थानिय रहवासियों को काफी दिक्कतें झेलनी पड़ीं। लोग उमस और गर्मी से देर रात तक परेशान होते नजर आए।

भीषण गर्मी व ओवर लोड बताई जा रही वजह

बताया गया कि इन दिनों लगातार बढ़ते तापमान के कारण बिजली की खपत काफी बढ़ गई है। एयर कूलर, एसी और अन्य विद्युत उपकरणों के अधिक उपयोग से ट्रांसफार्मरों पर अतिरिक्त लोड पड़ रहा है, जिसके चलते इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं। नागरिकों ने विद्युत विभाग से पुराने और क्षमता से कम ट्रांसफार्मरों को बदलने तथा नियमित मेंटेनेंस कराने की मांग की है।उधर विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने प्राथमिक जांच में ओवरलोड और अत्यधिक गर्मी से आग लगने का संभावित कारण बताया है। विभाग द्वारा क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर को बदलकर बिजली व्यवस्था बहाल किया गया है।

टला बड़ा हादसा

घटना के वक्त लगातार आग फैलने का खतरा बना हुआ था, ऊंची ऊंची आग की लपटों ने ट्रांसफार्मर में अपनी चपेट में ले लिया जिससे आसपास की दुकानों ,मकानों एवं क्षेत्र में बड़ा हादसा होने की आशंका थी, किंतु फायर ब्रिगेड टीम की तत्परता एवं बहादुरी के चलते समय रहते स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और एक बड़ा हादसा टल गया।इस रेस्क्यू ऑपरेशन में फायर मैन राहुल वैद्य एवं प्रशांत मेश्राम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए आग बुझाने का कार्य किया। वहीं वाहन चालक ओमकार उके ने भीड़भाड़ के बीच फायर वाहन को तेजी एवं सूझबूझ से घटनास्थल तक पहुंचाकर टीम को भरपूर सहयोग प्रदान किया।स्थानीय नागरिकों ने फायर ब्रिगेड टीम की सराहना करते हुए कहा कि यदि समय पर टीम मौके पर नहीं पहुंचती तो आग आसपास के क्षेत्र को भी अपनी चपेट में ले सकती थी। लेकिन दमकल कर्मचारियों ने समय रहते बड़ी अनहोनी को टाल दिया।

लड़की भगाने की रंजिश में दुकान में घुसकर युवक पर चाकू से हमला

आधा दर्जन लोगों ने भी बेरहमी से की मारपीट, घायल युवक शुभम जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली क्षेत्र के भटेरा चौकी वार्ड-2 पंप हाउस गली में उस समय सनसनी फैल गई।जब आधा दर्जन से अधिक लोगों ने ऑनलाइन दुकान में घुसकर एक युवक पर प्राण घातक हमला कर दिया। हाथ-मुक्कों से मारपीट के बाद चाकू से कनपटी पर वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिये। हमलावर मौके से फरार हो गए। यह वारदात लड़की को भगाने में सहयोग करने की रंजिश को लेकर की गई। घायल शुभम पिता शरद मेहरवान 29 वर्ष वार्ड नंबर 11 श्रीवास्तव गली बूढ़ी बालाघाट निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

क्या है पूरा मामला

वार्ड नंबर 11 श्रीवास्तव गली, बूढ़ी बालाघाट निवासी शुभम मेहरबान अपने माता-पिता का इकलौता बेटा है। उसकी भटेरा चौकी पंप हाउस गली में ग्राहक सेवा केंद्र नाम से ऑनलाइन दुकान है।शुभम के परिवार के युवक अमन मेहरबान का किरनापुर क्षेत्र के ग्राम पीपरटोला निवासी हिरवाने परिवार की एक लड़की से पिछले 3 साल से प्रेम संबंध था। परिजनों ने लड़की की शादी पिछले सप्ताह बीजाटोला(परसवाड़ा) में उसकी मर्जी के खिलाफ कर दी थी।

लड़की भगाने के बाद बनी रंजिश

हाल ही में लड़की मायके पीपरटोला आई थी। दो दिन पहले अमन उसे भगा ले गया। इसके बाद हिरवाने परिवार को शक हुआ कि लड़की को भगाने में शुभम मेहरबान ने सहयोग किया है। इसी रंजिश में हिरवाने परिवार मेहरबान परिवार को परेशान करने लगा।18 मई की रात 6-7 लोगों ने शुभम के घर के सामने गाली-गलौज कर मारपीट की धमकी दी थी।

ऐसे हुई वारदात

19 मई को सुबह करीब 11 बजे शुभम अपने ममेरे भाई आशीष सोनबिरसे बम्हनी(लालबर्रा)निवासी के साथ दुकान खोलने गया था। दोनों दुकान में बैठे थे। तभी पीपरटोला निवासी लड़की का भाई राजा हिरवाने और जीजा कपिल साहू आए। दोनों ने दुकान का शटर बाहर से गिराया और अंदर घुसकर शुभम से मारपीट कर चले गए। जिसके कुछ देर बाद राजा हिरवाने और कपिल साहू आधा दर्जन से अधिक साथियों के साथ दोबारा आए और दुकान के अंदर घुसकर दो लोगों ने आशीष को पकड़ लिये। कपिल, राजा और उनके साथियों ने शुभम को हाथ-मुक्कों से बेरहमी से मारपीट किये। इसी दौरान कपिल साहू ने चाकू से शुभम की कनपटी पर वार कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी हमलावर वहा से फरार हो गए। इस वारदात में शुभम गंभीर रूप से घायल हो गया था।सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल शुभम को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती कराये। जिला अस्पताल पुलिस चौकी प्रभारी शिवदयाल पटले ने घायल शुभम और प्रत्यक्षदर्शी आशीष के बयान लिए। कोतवाली पुलिस ने इस मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

पुरुषोत्तम मास पर शंकरघाट शिव मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर मंगलवार को स्थानीय शंकरघाट स्थित शिव मंदिर में धार्मिक आस्था और सेवा भाव का अनूठा संगम देखने को मिला। इस अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और भक्तजन शामिल हुए। भंडारे का आयोजन दोपहर 1 बजे से शाम 6 बजे तक किया गया। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं और बच्चों सहित सभी वर्गों के लोगों की उपस्थिति देखने को मिली।

विशेष महत्व वाला है पुरुषोत्तम मास

ज्ञात हो कि पुरुषोत्तम मास को हिंदू धर्म में अत्यंत पुण्यदायी और विशेष महत्व का माना जाता है। इस माह में दान-पुण्य, भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजनों का विशेष महत्व होता है। इसी भावना श्रद्धा और सेवा भाव से यहां भंडारे का आयोजन किया गया।उधर मंदिर परिसर में भक्तों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बैठने, प्रसाद वितरण और पेयजल की समुचित व्यवस्था की गई थी। आयोजन में सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र से जुड़े कई लोगों ने भी अपनी सहभागिता निभाई।श्रद्धालुओं ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में आपसी सद्भाव, सेवा और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा देते हैं।

गर्रा के वार्ड क्रमांक 8 में डेरी का गंदा पानी बना परेशानी का कारण

जनसुनवाई में पहुंचे वार्डवासी बोले- अपशिष्ट पदार्थ से फैल रही बदबू, खेतों की फसल भी हो रही प्रभावित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गर्रा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 8 में संचालित एक दूध डेरी अब स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। डेरी से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थ और गंदे पानी के उचित निष्पादन की व्यवस्था नहीं होने से वार्डवासी लंबे समय से परेशान हैं। इसी समस्या को लेकर सोमवार को वार्ड के लगभग आधा दर्जन से अधिक महिला और पुरुष जिला मुख्यालय पहुंचे और जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। जनसुनवाई में पहुंचे वार्डवासियों ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि वार्ड क्रमांक 8 में पिछले कई महीनों से दुध डेरी संचालित हो रही है, लेकिन डेरी से निकलने वाले गंदे पानी और अपशिष्ट पदार्थ का सही तरीके से निस्तारण नहीं किया जा रहा है। इसके कारण पूरे क्षेत्र में गंदगी और दुर्गंध का माहौल बना हुआ है। वार्ड निवासी रामेश्वरी बिसेन और तरुणकुमार ने बताया कि वार्ड का अधिकांश हिस्सा रहवासी क्षेत्र है, जहां बड़ी संख्या में परिवार निवास करते हैं। लेकिन पानी निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने से डेरी से निकलने वाला गंदा और बदबूदार पानी गलियों और सड़कों पर बहता रहता है। इससे लोगों को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि स्थिति कई बार इतनी खराब हो जाती है कि डेरी का अपशिष्ट युक्त पानी आसपास के खेतों तक पहुंच जाता है। इससे किसानों की फसलें भी प्रभावित हो रही हैं। किसानों का आरोप है कि लगातार गंदा पानी खेतों में जमा रहने से भूमि की गुणवत्ता खराब हो रही है और फसलों को नुकसान पहुंच रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस समस्या को लेकर पहले भी संबंधित जिम्मेदारों को मौखिक रूप से अवगत कराया गया था, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। इसके चलते वार्डवासियों में नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। जनसुनवाई में पहुंचे लोगों ने प्रशासन से मांग की कि या तो डेरी को रहवासी क्षेत्र से हटाकर किसी उचित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए या फिर अपशिष्ट पदार्थ और गंदे पानी के निस्तारण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि वार्डवासियों को राहत मिल सके। वार्डवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले समय में वे बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। उनका कहना है कि डेरी संचालन के कारण क्षेत्र का वातावरण दूषित हो रहा है और लोगों के स्वास्थ्य पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

केन-बेतवा परियोजना के प्रभावितों को दिया जाए उचित मुआवजा, आदिवासी कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

जनप्रतिनिधियों पर दर्ज एफआईआर का भी किया विरोध

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। छतरपुर और पन्ना जिलों में प्रस्तावित केन-बेतवा लिंक परियोजना के तहत प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, मुआवजा और कानूनी प्रक्रियाओं को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। वहीं, आंदोलन में शामिल नेताओं पर दर्ज एफआईआर और ओंकारेश्वर क्षेत्र में की जा रही कार्रवाई ने मामले को और तूल दे दिया है। बालाघाट में आदिवासी कांग्रेस जिला अध्यक्ष धरम सिंह मरकाम के नेतृत्व में अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।आदिवासी कांग्रेस जिला अध्यक्ष धरम सिंह मरकाम ने ज्ञापन में बताया कि मध्य प्रदेश के छतरपुर और पन्ना जिलों में प्रस्तावित केन-बेतवा लिंक परियोजना के चलते कई गांवों के लोगों को विस्थापन का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, छतरपुर जिले के 22 और पन्ना जिले के 12 गांवों के निवासियों को बेदखली के आदेश जारी किए गए हैं। प्रभावित ग्रामीणों का आरोप है कि पुनर्वास की वैधानिक प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया और ग्राम सभाओं को नजरअंदाज किया गया।

12 दिनों तक अनशन कर चुके है ग्रामीण

संगठन पदाधिकारियो ने बताया कि भूमि अधिग्रहण के नियमों का पालन नहीं हुआ और उन्हें पर्याप्त मुआवजा भी नहीं दिया गया। इन मुद्दों को लेकर प्रभावित परिवारों में प्रशासन के प्रति भारी नाराजगी देखी जा रही है। पूर्व में ग्रामीणों ने 12 दिनों तक अनशन कर अपनी मांगें रखीं थीं, जिस पर प्रशासन ने दोबारा सर्वे और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अखिल आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और पन्ना में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन के माध्यम से समाधान की मांग की। इसके बाद मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी भी परियोजना क्षेत्र पहुंचे और पीड़ितों से संवाद कर प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करते हुए न्याय दिलाने का आश्वासन दिया।

जनप्रतिनिधियों पर एफआईआर का जताया विरोध

इस आंदोलन में शामिल जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज किए जाने से विवाद और बढ़ गया है।समर्थकों का आरोप है कि यह कार्रवाई लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन है और सरकार विरोध की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है।

बिना सुनवाई के चला दिया बुलडोजर

इधर, खंडवा जिले के मांधाता विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ओंकारेश्वर और नर्मदा तट के आसपास भी प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय आदिवासी परिवारों और रहवासियों के मकानों पर बिना विधिसम्मत नोटिस और बिना सुनवाई का अवसर दिए बुल्डोजर चलाए जाने आरोप लग रहे हैं। इसे अमानवीय और अन्यायपूर्ण बताते हुए प्रशासन पर प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के उल्लंघन का आरोप लगाया है।

आस-पास की खबरें

क्षीरधारा ग्राम खैरगोंदी में ग्राम सभा एवं पशु चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 9 किमी दूर स्थित क्षीरधारा ग्राम खैरगोंदी में 19 मई को संयुक्त विभाग के तत्वाधान में एक दिवसीय ग्राम सभा एवं विशाल पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह विशेष कार्यक्रम पशु चिकित्सा विभाग के उपसंचालक डॉ. जी.एस. परते एवं नोडल अधिकारी

डॉ. राकेश शील के कुशल मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशों के अनुसार सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। वहीं शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे क्षेत्रीय ग्रामीणों के पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें नि:शुल्क दवाइयां, कृमिनाशक दवाएं और आवश्यक पोषक तत्व वितरित किये गये। इसके साथ ही आजीविका मिशन और सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों को सामूहिक रूप से दुग्ध उत्पादन कर डेयरी व्यवसाय से जुड़ने और सरकारी अनुदान व ऋण योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही शिविर के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को उन्नत बनाकर दुग्ध उत्पादन क्षमता को दोगुना करना है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विशेषज्ञों ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक और वैज्ञानिक तरीकों से पशुपालन कर न केवल दूध का उत्पादन बढ़ाया जा सकता है, बल्कि इससे पशुपालकों की आर्थिक स्थिति में भी व्यापक सुधार आयेगा। आत्मनिर्भर पशुपालक न केवल अपने परिवार को समृध्द बनायेगें, बल्कि श्वेत क्रांति के माध्यम से राष्ट्रहित में भी अपनी अमूल्य भूमिका निभायेगें। इस संयुक्त शिविर में पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर पशुपालन विभाग से डॉ. प्रतिभा पड़वार, राजेश कुशरे पशु चिकित्सा अधिकारी, कृषि विभाग से प्रतिभा रंगारे, वन विभाग से अतुल सिंह, आजीविका मिशन से सुनील सिंह, सहकारिता विभाग से भागचंद कटरे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। शिविर के सफल आयोजन पर ग्राम खैरगोंदी के किसानों और पशुपालकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए विभागीय अधिकारियों का आभार जताया।

तेंदूपत्ता तोड़ने गये व्यक्ति पर बाघ का जानलेवा हमला, मौके पर ही दर्दनाक मौत

लामता प्रोजेक्ट के चमरवाही बीट की घटना, आक्रोशित ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, समझाइश के बाद शांत हुआ मामला

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

मध्यप्रदेश वन विकास निगम के लामता प्रोजेक्ट के अंतर्गत आने वाले चमरवाही बीट के कक्ष क्रमांक 418 में मंगलवार की सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां तेंदूपत्ता तोड़ने जंगल गये 43 वर्षीय व्यक्ति पर हिंसक वन्य प्राणी बाघ ने जानलेवा हमला कर दिया। बाघ के इस अचानक और घातक हमले में एक व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा गया। वही मृतक की पहचान इंद्रकुमार पिता हीरेसिंह परते चमरवाही (आष्टा) के नाम से हुई है। पुलिस ने लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सुबह-सुबह हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार चमरवाही (आष्टा) निवासी 43 वर्षीय इंद्रकुमार परते रोज़ की तरह मंगलवार की सुबह क्षेत्र के अन्य ग्रामीणों के साथ तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए जंगल गया हुआ था। सुबह करीब साढे सात बजे जब वह लामता प्रोजेक्ट वन क्षेत्र के कक्ष क्रमांक 418 में पत्तियां तोड़ रहा था, तभी झाड़ियों में घात लगाकर बैठे बाघ ने उस पर अचानक हमला कर दिया। इंद्रकुमार को संभलने का मौका ही नहीं मिला और बाघ ने उसे अपना शिकार बना लिया। पास ही मौजूद अन्य ग्रामीणों के शोर मचाने पर बाघ शव को छोड़कर जंगल की ओर भाग निकला। जिसके बाद वन विभाग एवं ग्रामीणजनों को घटना की सूचना दी गई। वहीं बाघ के हमले से तेंदुपत्ता तोड़ने गये व्यक्ति की मौत हो जाने की घटना की खबर जैसे ही आस-पास के गांवों में फैली तो बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गये। वन विभाग की कथित लापरवाही और क्षेत्र में वन्य प्राणियों के बढ़ते मूवमेंट को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फुट पड़ा। वहीं आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को उठाने से इंकार करते हुए धरना प्रदर्शन और आंदोलन शुरू कर दिया। ग्रामीणों की मांग थी कि पीड़ित परिवार को तत्काल उचित मुआवजा दिया जाये और क्षेत्र में ग्रामीणों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये जाने एवं बाघ को पकड़कर सुरक्षित घने जंगल में छोड़ने की मांग पर अड़े रहे। इस दौरान घटना स्थल में काफी गहमागहमी का माहौल बना रहा। वहीं वर्तमान में जंगल क्षेत्र में तेंदुपत्ता तोड़ने का कार्य वन विभाग के माध्यम से जारी है और जंगल से लगे ग्रामों के ग्रामीणजन सुबह के समय जंगल पहुंचकर तेंदुपत्ता तोड़ते है। लेकिन मंगलवार को तेंदुपत्ता तोड़ने गये एक व्यक्ति पर बाघ ने हमला कर दिया, जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद से ग्रामीणजन दहशत में है और तेंदुपत्ता तोड़ने का कार्य भी प्रभावित हो रहा है। वहीं ग्रामीणजन डर के साये में अब तेंदुपत्ता तोड़ने जायेगें जिनके मन में हर समय यह डर बना रहेगा कि किसी भी से बाघ उन पर हमला कर सकता है। जिन्होंने वन विभाग से सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

वरिष्ठ अधिकारियों की समझाइश से शांत हुआ मामला

बाघ के हमले से तेंदुपत्ता तोड़ने गये इन्द्रकुमार परते की जंगल में बाघ के हमले से मौत हो जाने की घटना के बाद ग्रामीणजनों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया और मृत युवक के परिजनों को उचित मुआवजा दिलवाने की मांग को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन एवं चक्काजाम कर दिया। वहीं तनाव की स्थिति को देखते हुए वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और स्थानीय पुलिस प्रशासन तुरंत दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आक्रोशित ग्रामीणों से लंबी चर्चा की और शासन के नियमानुसार पीड़ित परिवार को त्वरित आर्थिक सहायता राशि (मुआवजा) दिलाने और क्षेत्र में गश्त बढ़ाने का आश्वासन दिया। वहीं वरिष्ठ अधिकारियों की काफी समझाइश और त्वरित कार्यवाही के भरोसे के बाद ग्रामीणजनों का आक्रोश शांत हुआ और धरना समाप्त किया। जिसके बाद शव को लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया जहां चिकित्सक के द्वारा पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सुपुर्द कर दिया है। 43 वर्षीय व्यक्ति की असमय मौत से परिवार और पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

शासन की योजना के तहत दिलाया जायेगा लाभ-विजय कुमरे

दूरभाष से चर्चा में मध्यप्रदेश वन विकास निगम लामता प्रोजेक्ट वन परिक्षेत्र अधिकारी विजय कुमरे ने बताया कि मृतक अपने साथियों के साथ प्रात: 6 बजे तेंदुपत्ता तोड़ने जंगल गया हुआ था, तभी बाघ ने अचानक उस पर प्राणघातक हमला कर दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना चमरवाही बीट के कक्ष क्रमांक 418 की है, हमारे द्वारा मृतक के परिजनों को 20 हजार रूपये की आर्थिक सहायता राशि नगद प्रदान की गई है और शासन की योजना के तहत जो मुआवजा राशि दिया जाना चाहिये वह दिलाया जायेगा। श्री कुमरे ने बताया कि ग्रामीणजन के द्वारा धरना प्रदर्शन कर मृतक के परिवार को मुख्यमंत्री के द्वारा की गई घोषणा के अनुसार 25 लाख रूपये की राशि व परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी दिये जाने की मांग की गई थी, जिन्हे समझाईश देने के बाद मामला शांत हुआ। साथ ही यह भी बताया कि हमारे द्वारा गांव गांव में जाकर जनजागरूकता के माध्यम से ग्रामीणों को घने जंगलों में जाने से बचने की जानकारी दी जा रही है, जिससे जंगली जानवरों के हमले से बचा जा सके।

आदमखोर हो चुका है बाघ - किशोर

जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने बताया कि बाघ के द्वारा इसके पूर्व में भी अनेक बार स्थानीयजनों पर प्राण घातक हमला किया है, जिससे कई लोग घायल हुये है और चमरवाही की यह जो घटना घटी है उसमें भी उसी बाघ के द्वारा हमला करने की जानकारी प्राप्त हुई है और इस बार उस बाघ ने इंद्रकुमार परते को अपना शिकार बनाया है। यदि बाघ के द्वारा इस तरह से मानव पर आक्रमण किया जा रहा है तो वह निश्चित रूप से आदमखोर हो चुका है उसे मानव खुन की लत लग चुकी है, उसे अन्य स्थान पर छोड़ा जाना अत्यंत आवश्यकहै ताकि इस तरह की घटना की दोबारा घटित ना हो सके, क्योंकि हमारे आदिवासियों की आय का मुख्य स्त्रोत वनसंपदा ही है। जिससे वह अपनी आजीविका चलाते है। साथ ही यह भी कहा कि मृतक के परिजनों को आर्थिक सहयोग के रूप से 50 लाख रूपये दिये जाने चाहिये जिससे उनकी मदद हो सके।

खेल के साथ सेहत का पाठ आरोह '2026' खेल शिविर में खिलाड़ियों को बांटे गये तरबूज

औल्याकन्हार फिजिकल क्लब में चल रहा ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिला खेल और युवा कल्याण विभाग के तत्वाधान में आयोजित आरोह 2026 के अंतर्गत लालबर्रा विकासखंड के औल्याकन्हार फिजिकल क्लब में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन किया जा रहा है। शिविर के 18 वें दिन शुक्रवार को युवा खिलाड़ियों को न केवल खेल की बारीकियां सिखाई गई। बल्कि उन्हें उत्तम स्वास्थ्य और पोषण का पाठ भी पढ़ाया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए शिविर में शामिल सभी बच्चों को पौष्टिक आहार के रूप में ठंडे व रसीले तरबूज का वितरण किया गया, जिसे पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा के कुशल निर्देशन में चल रहे इस शिविर के संबंध में जानकारी देते हुए ब्लॉक समन्वयक लव पटेल ने बताया कि ब%चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिदिन सुबह कड़ी मेहनत कराई जा रही है। शिविर में खिलाड़ियों को व्हालीबॉल, कबड्डी और एथलेटिक्स जैसे खेलों के बुनियादी नियम व तकनीक सिखाई जा रही है। इसके साथ ही खेल से पहले 'वार्म-अप' और खेल के बाद 'स्ट्रेचिंग व कूल-डाउन' की सही पध्दतियों का अभ्यास करवाया जा रहा है। खेल तकनीकों के अलावा प्रशिक्षकों द्वारा ब%चों में अनुशासन, टीम वर्क (सामूहिक भावना) और मानसिक मजबूती (मेंटल टफनेस) विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिविर के दौरान मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित ग्राम के जन स्वास्थ्य रक्षक रामप्रसाद राणा ने खिलाड़ियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि भीषण गर्मी के इस मौसम में मौसमी फल हमारे शरीर के लिए अमृत समान हैं। ये विटामिन और खनिजों से भरपूर होते हैं, जो हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को बढ़ाते हैं। तरबूज जैसे फलों में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो चिलचिलाती धूप में खेल रहे ब%चों के शरीर को हाइड्रेट रखने और ऊर्जा देने में बेहद मददगार है। उन्होंने बच्चों को विशेष सलाह दी कि वे हमेशा फलों को अच्छी तरह धोकर ही खायेऔर बाजार के रेडीमेड जूस पीने के बजाय साबुत फल खाने की आदत डालें, ताकि शरीर को पूरा फाइबर मिल सके। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें गर्मी से राहत देने के लिए ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि एवं फिजिकल क्लब के अध्यक्ष ओपी बिसेन द्वारा सभी बच्चों के लिए तरबूज की विशेष व्यवस्था करवाई गई। इस सराहनीय पहल पर श्री बिसेन ने कहा कि इस भीषण गर्मी में मैदान पर पसीना बहाने वाले नन्हे खिलाड़ियों की सेहत का ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी है। तरबूज इस मौसम में ब%चों को लू और डिहाइड्रेशन से बचाये रखेगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से खेल प्रशिक्षक राधिका नायक, शुभम बिसेन, ब्लॉक समन्वयक लव पटेल सहित फिजिकल क्लब की पूरी टीम और बड़ी संख्या में नगर व ग्रामीण अंचल के उभरते हुए खिलाड़ी उपस्थित रहे।

बस स्टैंड से मजार तक सड़क बदहाल, राहगीर परेशान, जिम्मेदार मौन

बार-बार मरम्मत के बाद भी उखड़ी गिट्टी, हादसों को दावत दे रहे गड्ढे, निर्माण या फिर गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग के लालबर्रा बस स्टैंड से लेकर मजार तक की सड़क इन दिनों अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही है। क्षेत्र का यह सबसे प्रमुख और व्यस्ततम आवागमन मार्ग होने के कारण यहां चौबीसों घंटे छोटे-बड़े वाहनों का भारी दबाव रहता है। इसके बावजूद लंबे समय से सड़क की मरम्मत न होने और जगह-जगह गहरे गड्ढे उभर आने से यह मार्ग अब हादसों का सबब बन चुका है। स्थिति यह है कि बस स्टैण्ड के सामने, सैंट्रल बैंक के समीप सहित अन्य स्थानों पर जानलेवा गड्ढे बन गये है। वहीं बस स्टैण्ड से लेकर सिवनी मार्ग मजार तक ट्राफिक भी अधिक रहता है। लेकिन इन स्थानों पर बने गड्ढों के कारण सभी को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं आये-दिन दुपहिया वाहन चालक अनियंत्रत होकर गिर रहे हैं, जिससे लोग चोटिल भी हो रहे हैं। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे सभी में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

बारिश होने पर गड्ढों में भरेगा पानी, राहगीरों की बढ़ेगी मुश्किलें

आपको बता दे कि लालबर्रा बस स्टैण्ड से सिवनी मार्ग मजार के बीच में जगह-जगह से सड़क खराब होने के साथ ही कुछ स्थानों पर जानलेवा गड्ढे बन गये है। ऐसी स्थिति में आवागमन करने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि इस व्यस्त मार्ग के कायाकल्प के लिए फोरलेन सड़क निर्माण की स्वीकृति पहले ही मिल चुकी है। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर काम शुरू नहीं हो सका है। जिसके कारण सड़क का खस्ताहाल हो चुका है और निर्माण कार्य होने वाली है यह समझकर सड़क विभाग के द्वारा गड्ढों का मरम्मत कार्य भी नही करवाया जा रहा है। साथ ही कुछ दिनों बाद बरसात का मौसम आने वाला है, अगर बरसात के पूर्व सड़क में बने गड्ढों का मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो बारिश होने पर गड्ढों में पानी जमा हो जायेगा। ऐसी स्थिति में राहगीरों एवं स्थानीयजनों को आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है और बड़ी दुर्घटना होने की संभावना भी बनी रहेगी। स्थानीय निवासियों और राहगीरों का कहना है कि सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों के कारण वाहनों के कल-पुर्जे तो खराब हो ही रहे हैं। साथ ही मामूली बारिश या नालियों का पानी जमा होने से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं गंदे पानी से भरे इन गड्ढों की गहराई का अंदाजा वाहन चालकों को नहीं मिल पाता, जिससे खासकर रात के समय गंभीर दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

आवागमन में होती है परेशानी - फिरोज

आम आदमी पार्टी जिला उपाध्यक्ष फिरोज नियाजी ने बताया कि यह एक व्यस्तम मार्ग है जो मजार से लेकर सर्राटी नदी तक बेहद खराब हो चुका है, जगह-जगह बड़े बड़े गड्ढे बन चुके है जिसमें बारिश का पानी जमा होता है जिससे आमजनों व राहगीरों को आवागमन में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

पांच दिन में दूसरी बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

भोपाल। मप्र समेत पूरे देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। मंगलवार से पेट्रोल और डीजल 90 पैसे प्रति लीटर महंगे हो गए हैं। खास बात यह है कि महज पांच दिन के भीतर ईंधन की कीमतों में दूसरी बार इजाफा हुआ है। इससे पहले 15 मई को तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दामों में 3-3 रुपए प्रति लीटर की बड़ी बढ़ोतरी की थी। नई कीमतों के बाद भोपाल में पेट्रोल 110.75 रुपए और डीजल 95.91 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। इंदौर में पेट्रोल 110.79 रुपए, ग्वालियर में 110.69 रुपए और उज्जैन में 111.27 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। डीजल के दाम भी सभी बड़े शहरों में बढ़ गए हैं। ईंधन महंगा होने का सीधा असर रोजमर्रा की जिंदगी पर दिखाई देगा। ट्रांसपोर्ट लागत बढ़ने से दूसरे राज्यों से आने वाली सब्जियां, फल, राशन और अन्य जरूरी सामान महंगे हो सकते हैं। ट्रक और मालवाहक वाहनों का किराया बढ़ने से बाजार में वस्तुओं की कीमतों पर दबाव बढ़ेगा। खेती-किसानी पर भी इसका असर पड़ेगा। किसानों को ट्रैक्टर, सिंचाई पंप और अन्य मशीनें चलाने में ज्यादा खर्च उठाना पड़ेगा, जिससे उत्पादन लागत बढ़ेगी। इसका असर आने वाले समय में अनाज और खाद्य पदार्थों की कीमतों पर भी दिखाई दे सकता है।

भीषण सड़क हादसा, अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई जननी एक्सप्रेस

जलकर खाक हुई एंबुलेंस, बाल-बाल बचा चालक

पद्मेश न्यूज़। वारासिवनी।

मध्य प्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी जननी सुरक्षा योजना और जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत संचालित एक जननी एक्सप्रेस वाहन देर रात भीषण हादसे का शिकार हो गया। वारासिवनी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत भांडी से दिनी मार्ग पर रात करीब 1.30 बजे एक तेज रफ्तार जननी एक्सप्रेस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे टेमरुन प्रजाति के एक विशालकाय पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन में अचानक भीषण आग भड़क उठी और देखते ही देखते पूरी एंबुलेंस जलकर खाक हो गई। राहत की बात यह रही कि हादसे के वक्त वाहन में कोई मरीज मौजूद नहीं था और चालक ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचा ली जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

मवेशी को बचाने के चक्कर में हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार उकवा क्षेत्र में मैपिंग की गई जननी एक्सप्रेस वाहन क्रमांक सीजी 04 एन यू 7431 जो एक निजी वेंडर की गाड़ी है। बालाघाट जिला अस्पताल में कार्य के अत्यधिक दबाव के चलते तैनात थी। जिला अस्पताल से केस मिलने पर यह वाहन एक नवजात शिशु और उसकी माता को वारासिवनी क्षेत्र के ग्रामीण अंचल में स्थित उनके घर सुरक्षित छोड़कर वापस लौट रहा था। रात्रि करीब 1.30 बजे जब वाहन दीनी से भांडी मार्ग पर था तभी अचानक सड़क पर एक आवारा मवेशी सामने आ गया। मवेशी को बचाने के प्रयास में चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और गाड़ी सीधे जाकर एक विशाल पेड़ से टकरा गई।

धूं-धूं कर जला वाहन जीवन रक्षक सामग्रीयां खाक

पेड़ से टकराते ही एंबुलेंस के अगले हिस्से में स्पार्किंग हुई और अचानक आग की ऊंची लपटें उठने लगीं। चालक जिसका नाम मोनू बताया जा रहा है ने सूझबूझ और फुर्ती दिखाते हुए आनन.फ ानन में गाड़ी का दरवाजा खोला और बाहर कूद गया। इसके बाद आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। कुछ ही मिनटों में पूरी गाड़ी धूं.धूं कर जलने लगी। इस अग्निकांड में वाहन के भीतर रखीं सभी महत्वपूर्ण जीवन रक्षक सामग्रीयां और मेडिकल किट पूरी तरह जलकर राख हो गईं। देर रात राह गुजर रहे कुछ राहगीरों ने इस खौफनाक मंजर को देखा। जिसके बाद मौके पर स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ जुटना शुरू हो गई।

सुबह लगी ग्रामीणों की भारी भीड़ जांच जारी

घटना की भनक सुबह होते होते आसपास के ग्रामीण इलाकों में फैल गई जिसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण और राहगीर दुर्घटना स्थल पर एकत्रित हो गए। जले हुए वाहन को देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। यह पूरा घटनाक्रम रामपायली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। हालांकि सुबह तक इस मामले को लेकर थाने में किसी भी पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी। प्रारंभिक तौर पर यह वाहन किस वेंडर का है और घटना के तकनीकी कारण क्या रहे इसकी विस्तृत जांच होना अभी बाकी है। इस पूरी घटना ने एक बार फि र ग्रामीण सड़कों पर आवारा मवेशियों की समस्या और रात के समय एंबुलेंस चालकों की सुरक्षा को लेकर एक गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है। बहरहाल किसी भी प्रकार की जनहानि ना होना इस पूरे हादसे में सबसे बड़ी राहत की बात रही।

इनका कहना हैं

भांडी से दिनी के बीच में जननी वाहन के साथ आगजनी की घटना हो गई है यह वेंडर व्हीकल था। जो पेशेंट को छोड़कर वापस आ रहा था उस दौरान हादसा हुआ है इसमें व्हीकल और इक्विपमेंट जलकर राख हो गए हैं। मुझे प्रभार संभाले दो दिवस हुआ है इस बारे में विस्तृत रूप से जानकारी पता की जा रही है ,हालांकि मवेशी को बचाने के दौरान वाहन अनियंत्रित होना अभी तक बताया गया है।

पवन जैतवार
डिस्ट्रिक्ट मैनेजर जननी सुरक्षा बालाघाट

प्रतिभाशाली छात्र मयंक मात्रे के नासा फ्री एजुकेशन टूर की सफलता पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने किया सम्मान

अब इसरो में भविष्य संवारने की दिशा में कडी मेहनत के दिखायें संकेत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। इंटरनेशनल स्पेस साइंस कॉम्पिटिशन 2026 में सम्मिलित होकर आल इंडिया प्रथम रैंक हासिल कर फ्री नासा एजुकेशन टूर हासिल करने वाले नगर के छात्र मयंक मात्रे का पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने भाजपा कार्यालय में सम्मान किया। शाल श्रीफल से सम्मान के साथ स्मार्ट वॉच को पाकर प्रतिभाशाली सांदीपनि विद्यालय के कक्षा 12 वीं के छात्र के चेहरे पर प्रसन्नता भी देखी गयी। मयंक मात्रे ने बताया की अमेरिका जाकर नासा का अध्ययन करना एक नया अनुभव साबित होगा। उसकी सफलता में शिक्षकों का विशेष योगदान रहा है। अब उसका प्रयास भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो में मेहनत के साथ कैरियर के रूप में भविष्य संवारना है। मयंक ने कहा की प्रथम परिक्षा में उसे पांचवी रैंक हासिल हुयी थी। वहीं द्वितीय परिक्षा में 15 मई 2026 में सम्मिलीत होने पर प्रथम रैंक के साथ फ्री नासा एजूकेशन टूर प्राप्त किया है। इस सफलता में माता पिता, समाज, शिक्षक व विद्यालय का समान रूप से योगदान भी रहा है। गौरतलब है की अब छात्र मयंक ने सम्मानित होने के बाद पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल से वादा किया है की नासा फ्री टूर के बाद इसरो में भविष्य संवारने की दिशा में उसके द्वारा कडी मेहनत अवश्य की जायेगी। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने होनहार छात्र मयंक के साथ उसके पापा योगेंद्र मात्रे, दादा भूरेलाल मात्रे का भी शाल श्रीफ ल से सम्मान कर उन्हें हर्षित कर दिया। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज दादरे,अमित एरपुड़े, मोनु लिमजे,अनीश मिश्रा उपस्थित रहे।

मवेशी बाजार के ठेकेदार के द्वारा निर्धारित से अधिक टेक्स लेने पर होगी कार्यवाही - सरिता दांदरे

जनता दरबार में समस्याओं के समाधान कारगर साबित हो रहा

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। नगर पालिका परिषद के द्वारा जनता दरबार में नागरिको ने अपनी व वार्डों की समस्याओं के समाधान के लिये तत्परता दिखायी। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल व नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने अधिकारियो की टीम के साथ जनमानस की विभिन्न तरह की समस्याओं के समाधान के संदर्भ में गंभीरता दिखाकर त्वरित में समाधान की दिशा में कारगर प्रयास भी किया। मिश्रा नगर वार्ड नं. 1 के निवासीयो ने शिकायत पत्र में कहा की गली नं. एक की लगभग 150 मीटर कॉं ची सड़क को पक्की सड़क में परिवर्तित कराने का कार्य प्राथमिकता के साथ होना चाहिये। इसी तरह मवेशी बाजार के ठेकेदार की पूरी टीम को बुलवाकर अधिक टेक्स राशि लेने की शिकायत पर हिदायत देकर उनकी समस्याओं की ओर भी ध्यान दिया गया। वार्ड नं. 7 लालबर्रा रोड़ के निवासी विजय सिंह बिसेन, विक्की दलवानी,जगदीश सावलानी, संजय सहजवानी ने शिकायत में बताया की उनके वार्ड में बरसात का पानी 12 फीट के नाले से होकर आगे की ओर निकल जाता था। किंतु अब यह नाला ही गुम हो गया है। अगर बरसात के पूर्व इस समस्या का समाधान नही किया गया तो जल भराव की स्थिति का पुन सामना करना पडेगा। और वार्डो के घरो के भीतर पानी का फिर से आने का सिलसिला शुरू हो जायेगा। इस समस्या के समाधान के लिये नाले की तलाशी के विषय में नपा के रिकार्ड व राजस्व विभाग तक जाकर समाधान के कदम भी बढा दिये गये है। सबसे 'यादा शिकायते बरसात को देखते हुये वार्डो में नाली की सफाई और नाली निर्माण के विषय में आयी। जिसमें विजय सिंह बिसेन ने बताया की एमपीआरडीसी की बनी हुयी नाली उनके घर के पास से हनीकुंभ की तरह है। यह नाली क्वालिटी की नही होने के कारण सीपेज होने से उनके घर के दोनो कुंओ का पानी जंहा खराब हो गया है वहीं घर मे शीत का प्रकोप भी बना रहता है। जनता दरबार में मुख्य नपा अधिकारी सूर्यप्रकाश उके, उपयंत्री सुमीत मोटवानी, वंशिका चौहान,संदीप मिश्रा, धर्मू जोशी, मोनू लिमजे, प्रवीण डोंगरे, प्रतिनिधि समीर बिसेन, मनोज दांदरे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अकेलेपन से टूटी सांस, 42 वर्षीय व्यक्ति ने लगाई फांसी

ग्राम लालपुर में पुश्तैनी मकान के भीतर इलेक्ट्रिक वायर से झूला युवक

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। रामपायली थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम लालपुर से एक बेहद दुखद और सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहाँ एक 42 वर्षीय व्यक्ति ने अपने ही सूने मकान में छत की बांस की पाटन से इलेक्ट्रिक वायर का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद से पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। सूचना मिलने पर रामपायली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से नीचे उतारा और मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

तलाक के बाद अकेले रह रहा था मृतक

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम लालपुर निवासी आनंद पिता नारायण लांजेवार 42 वर्ष गांव में स्थित अपने पुश्तैनी मकान में अकेला रहता था। बताया जा रहा है कि आनंद का विवाह हुआ था लेकिन कुछ समय बाद उसकी पत्नी से उसका तलाक हो गया। वैवाहिक जीवन टूटने के बाद से वह अकेले ही अपना जीवन बसर कर रहा था। रोज़ाना की तरह वह सुबह उठकर अपनी दिनचर्या के कार्यों में जुट जाता था लेकिन किसी को अंदाज़ा नहीं था कि वह ऐसा आत्मघाती कदम उठा लेगा। घटना का खुलासा 19 मई की सुबह करीब 6.30 बजे हुआ। ग्राम का ही एक व्यक्ति अपने किसी निजी काम के सिलसिले में आनंद के घर गया था। जैसे ही उसने घर के भीतर प्रवेश किया वहां का नजारा देखकर उसके होश उड़ गए। आनंद का शव कमरे के भीतर फंदे पर लटक रहा था प्रत्यक्षदर्शी ने तुरंत चिल्लाकर इस बात की जानकारी आस पड़ोस और ग्रामीणों को दी। देखते ही देखते आनंद के घर के सामने ग्रामीणों का हुजूम इकट्ठा हो गया। ग्रामीणों ने बिना वक्त गंवाए तत्काल आपातकालीन सेवा डायल 112 को घटना की सूचना दी। डायल 112 की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति की तस्दीक की और तुरंत रामपायली थाने को अवगत कराया। थाने से पुलिस अधिकारी आरक्षक के साथ तुरंत घटना स्थल पर पहुंचे। पुलिस टीम ने जब बारीकी से मौका मुआयना किया तो पाया कि कमरे की छत पर लगी बांस की पाटन पर इलेक्ट्रिक वायर बांधकर आनंद ने फांसी लगाई थी। पुलिस ने घटना स्थल की आवश्यक कागजी कार्यवाही और पंचनामा तैयार करने के बाद शव को फंदे से नीचे उतरवाया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए उपस्वास्थ्य केंद्र रामपायली पोस्टमार्टम गृह भेजा गया। दोपहर को डॉक्टरों की टीम द्वारा शव का पोस्टमार्टम किए जाने के बाद उसे अंतिम संस्कार के लिए शोकाकुल परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में फिलहाल मर्ग कायम कर जांच कर रही है मृत्यु का कारण अज्ञात है।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि सुबह 7 बजे थाने में सूचना मिली की लालपुर में कोई व्यक्ति फांसी पर लटका है। मौके पर जाकर देखो तो आनंद पिता नारायण लांजेवार उम्र 42 वर्ष का शव फांसी पर लटका हुआ था। वह अकेला घर में रहता था पत्नी से तलाक हो चुका है इलेक्ट्रिक वायर के माध्यम से उसने फांसी लगाई थी। घटना में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी गई है मौत का कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा।

धानेश्वर अमूले
प्रधान आरक्षक थाना रामपायली

नासा और इसरो एजुकेशन टूर में चयनित विद्यार्थियों का विधायक पटेल ने किया सम्मान

हमारा उध्देश्य छात्र छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रेरित करना है-विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सांदीपनी शासकीय टिहलीबाई उ'चतर माध्यमिक विद्यालय वारासिवनी के नासा और इसरो एजुकेशन टूर मे वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र के 13 प्रतिभावानशाली छात्र छात्राओं के चयन पर गर्व की अनुभूति करते हुए विधायक विवेक पटेल ने जनसंपर्क कार्यालय में सभी छात्र छात्राओं व स्कूल के शिक्षकों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया है। और उन्हें बधाई प्रेरित की । इस दौरान विधायक प्रतिनिधि सुदेश गुड्डु सोनी,पूर्व सरपंच राजा अली, सोनू पटले,संदीपनी विद्यालय के प्राचार्य हुमराज पटले,लखन रिनायत, श्याम वड़ीचार, प्रवीण राणा,कमल टेंभरे,राजेश सोनकर, श्रीमती वंदना शर्मा, सपना रूसिया,वर्षा तिवारी मौजूद रहे। इसरो टूर में चयनित अस्मि बिसेन ने बताया कि हम सबसे पहले भोपाल गए थे। रात्रि में होटल में रहने के बाद दूसरे दिन बेंगलुरु गए। वहां प्रदेश के अलग अलग जिलों के छात्र छात्राएं पहुंचे थे जहां हमें नई नई मशीन वाहनों के पुराने पार्ट्स सहित बहुत कुछ दिखाया गया। हमने आज तक अपने लाइफ में नहीं देखे थे वहां हमने नए नए लोगों से मुलाकात भी की हमे बहुत कुछ सीखने को मिला। नासा टूर के लिए चयनित छात्र मयंक मात्रे ने बताया कि इंटरनेशनल स्पेस साइंस 2026 में ऑल इंडिया में प्रथम रैंक हासिल किया है। मुझे फ्री नासा जाने का मौका मिल रहा है नासा का अध्ययन करना मुझे कुछ नया सीखने मिलेगा। यह टूर लगभग 11 दिनों का रहेगा। जिसमें नासा स्पेस, केनिडी स्पेस सेंटर,थीम पार्क का नि:शुल्क भ्रमण करवाया जाएगा। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि इसके पहले भी मेरे द्वारा कक्षा 10 वीं और 12 क्लास के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया है। लगातार हमारे क्षेत्र में टॉपर विद्यार्थियों की संख्या बढ़ती जा रही है। हमारे शिक्षक ब'चों को बेहतर शिक्षा प्रदान कर रहे है जिसका परिणाम भी सफल आ रहा है। हमारा उदेस्य छात्र छात्राओं को विज्ञान के प्रति रुचि जारी रखने के लिए प्रेरित करना है। मैं हमेशा विजेताओं का सम्मान करता हु लेकिन जो छात्र सफल नहीं हो पाते है। वे और कड़ी मेहनत करे जरूर सफलता मिलेगी। यह चयन आमतौर पर रा'य स्तरीय विज्ञान प्रतियोगिताओं अंतरिक्ष सामान्य ज्ञान परीक्षाओं या नासा के द्वारा मान्यता प्राप्त रोवर चुनौतियों के माध्यम से होता है। छात्राओं को अंतरिक्ष विज्ञान स्टेम शिक्षा इंजीनियर के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

रेत संकट से वारासिवनी में पीएम आवास और विकास कार्य ठप-सरिता दांदरे

नपा अध्यक्ष सरिता दांदरे ने जिला कलेक्टर को लिखा पत्र, शीघ्र आपूर्ति की मांग

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। नगर पालिका परिषद वारासिवनी क्षेत्र में पिछले कई दिनों से रेत की भारी किल्लत के कारण प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों सहित नगरीय क्षेत्र के तमाम विकास कार्य पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। आगामी जून माह में मानसून के आगमन की संभावना को देखते हुए आम जनता और हितग्राहियों की चिंताएं बढ़ गई हैं। इस गंभीर समस्या को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने जिला कलेक्टर बालाघाट को पत्र लिखकर वारासिवनी क्षेत्र के लिए तत्काल रेत उपलब्ध कराए जाने की पुरजोर मांग की है। नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता दांदरे ने कलेक्टर को भेजे गये पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत गरीब परिवारों के मकानों का निर्माण कार्य रेत ना मिलने से पूरी तरह रुकने की कगार पर पहुंच गया है। जून में मानसून सक्रिय हो जाने के बाद नदियों से रेत निकलना बंद हो जाएगा। जिससे बारिश के चार महीनों में हितग्राहियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ेगा। मकान अधूरे रहने की आशंका से हितग्राहियों के बीच चिंता और असंतोष का माहौल निर्मित हो रहा है। पत्र में नपा अध्यक्ष ने बताया कि रेत की अनुपलब्धता का असर केवल निजी आवासों पर ही नहीं बल्कि नगर के बुनियादी विकास कार्यों पर भी पड़ रहा है। वर्तमान में नगर पालिका क्षेत्र के भीतर संचालित मुख्यमंत्री अधोसंरचना स्व' छ भारत मिशन के तहत लिगेसी वेस्ट का निपटान और सबसे महत्वपूर्ण वर्षा ऋतु में जलभराव को रोकने के लिए वर्षा पूर्व आरसीसी नाली निर्माण एवं सीसी रोड़ जैसे कई आवश्यक कार्य रेत ना होने से कछुआ गति से चल रहे हैं या बंद पड़े हैं। श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने जनहित और नगर के विकास को सर्वोपरि बताते हुए जिला प्रशासन से मांग की है कि वारासिवनी क्षेत्र में रेत की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं। ताकि पीएम आवास के हितग्राहियों सहित सभी शासकीय निर्माण कार्य समय सीमा में और सुचारू रूप से पुन: प्रारंभ हो सकें।

गर्मी में योग : स्वस्थ जीवन, शांत मन और सशक्त शरीर का आधार

आज का मनुष्य समस्याओं, तनाव, भागदौड़ और मानसिक अशान्ति से घिरा हुआ है। जीवन की गति इतनी तेज हो चुकी है कि व्यक्ति स्वयं से ही दूर होता जा रहा है। कभी आर्थिक समस्या, कभी पारिवारिक तनाव, कभी शारीरिक रोग तो कभी मानसिक बेचैनी—मनुष्य हर क्षण किसी न किसी चिंता में उलझा रहता है। विशेषकर गर्मी के मौसम में यह स्थिति और अधिक कठिन हो जाती है। तीखी धूप, बढ़ता तापमान, शरीर में पानी की कमी, थकान, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा और मानसिक तनाव व्यक्ति को कमजोर बना देते हैं। ऐसे समय में यदि कोई उपाय शरीर और मन दोनों को संतुलित कर सकता है, तो वह है योग। योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि यह सम्पूर्ण जीवन को संतुलित करने की एक वैज्ञानिक पद्धति है। यह शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। योग मनुष्य को केवल रोगमुक्त ही नहीं बनाता, बल्कि उसे भीतर से शक्तिशाली, शांत और प्रसन्न भी बनाता है। वर्तमान समय में योग की उपयोगिता पूरे विश्व में स्वीकार की जा रही है। भारत की यह प्राचीन धरोहर आज विदेशों तक पहुँच चुकी है और करोड़ों लोग इसे अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं। गर्मी के मौसम में योग का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस मौसम में शरीर जल्दी थक जाता है, पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है और मन बेचैन रहने लगता है। लगातार पसीना निकलने से शरीर में ऊर्जा की कमी महसूस होती है। ऐसे में योग शरीर को नई ऊर्जा प्रदान करता है। प्राणायाम और ध्यान शरीर को ठंडक पहुँचाते हैं तथा मन को शांत बनाते हैं। योग करने से शरीर में रक्तसंचार ठीक रहता है और शरीर का तापमान संतुलित बना रहता है। इससे गर्मी का प्रभाव कम महसूस होता है। गर्मी में योग करने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह शरीर को अंदर से शीतलता प्रदान करता है। शीतली प्राणायाम, शीतकारी प्राणायाम और अनुलोम-विलोम जैसे योगाभ्यास शरीर की गर्मी को कम करते हैं। ये मन को शांत करते हैं और तनाव दूर करते हैं। जो लोग गर्मी में बेचैनी, घबराहट और चिड़चिड़ापन महसूस करते हैं, उनके लिए योग किसी औषधि से कम नहीं है। योग करने से मानसिक स्थिरता बढ़ती है और व्यक्ति सकारात्मक सोचने लगता है। आज अनेक बीमारियों का मूल कारण असंतुलित जीवनशैली और मानसिक तनाव है। गर्मी के दिनों में रक्तचाप, डिहाइड्रेशन, सिरदर्द, अनिद्रा, थकान और त्वचा संबंधी समस्याएँ अधिक बढ़ जाती हैं। योग इन सभी समस्याओं से बचाने में सहायक सिद्ध होता है। नियमित योगाभ्यास से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और व्यक्ति जल्दी बीमार नहीं पड़ता। योग शरीर को लचीला बनाता है तथा मांसपेशियों को मजबूत करता है। इससे शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से योग अत्यन्त आवश्यक बन गया है। आधुनिक जीवन में मनुष्य मशीनों पर निर्भर होता जा रहा है। शारीरिक श्रम कम हो गया है और मानसिक तनाव बढ़ गया है। ऐसे समय में योग ही वह साधन है जो शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रख सकता है। योग के माध्यम से व्यक्ति स्वयं को अनुशासित बनाना सीखता है। यह केवल रोगों का उपचार नहीं करता, बल्कि रोगों को होने से भी रोकता है। योग का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह मनुष्य को मानसिक शाँति प्रदान करता है। आज लोग धन और सुख-सुविधाएँ तो प्राप्त कर रहे हैं, परन्तु शाँति उनसे दूर होती जा रही है। योग मन की चंचलता को नियंत्रित करता है और व्यक्ति को आत्मिक सुख का अनुभव कराता है।

पेपर लीक प्रकरण- केमिस्ट्री, बायोलॉजी टीचरों सहित पूर्व टीचर कोचिंग संस्थान का मालिक गिरफ्तार

घर का भेदी लंका ढाए से कोचिंग उद्योग की काली अर्थव्यवस्था तक -भारती,य परीक्षा प्रणाली के सामने सबसे बड़ा संकट

वैश्विक स्तरपर भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाला देश है। करोड़ों विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से अपने भविष्य का निर्माण करना चाहते हैं।डॉक्टर, इंजीनियर,प्रशासनिकअधिकारी वैज्ञानिक और प्रोफेशनल बनने के सपने लेकर युवा वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं। लेकिन जब किसी राष्ट्रीय परीक्षा का प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले बाजार में बिकता हुआ दिखाई देता है,जब पुलिस और जांच एजेंसियां केमिस्ट्री टीचर,कोचिंग संस्थान संचालकों, तकनीकी विशेषज्ञों और परीक्षा तंत्र से जुड़े लोगों को गिरफ्तार करती हैं, तब केवल एक परीक्षा नहीं टूटती बल्कि देश की मेरिट आधारित व्यवस्था पर जनता का विश्वास भी दरकने लगता है। हाल के वर्षों में बार-बार सामने आए पेपर लीक मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत में परीक्षा प्रणाली अब केवल प्रशासनिक चुनौती नहीं रह गई है, बल्कि यह एक संगठित आर्थिक अपराध, तकनीकी अपराध और नैतिक पतन का संयुक्त संकट बन चुका है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि आज स्थिति यह है कि पेपर लीक प्रकरणों को लेकर आम नागरिकों के बीच यह धारणा बनने लगी है कि घर का भेदी लंका ढाए। अर्थात यदि प्रश्नपत्र लीक हो रहा है तो यह केवल बाहरी अपराधियों का काम नहीं हो सकता। इसके पीछे कहीं न कहीं सिस्टम के भीतर बैठे लोग,संवेदनशील डेटा तक पहुंच रखने वाले कर्मचारी, प्रिंटिंग प्रेस से जुड़े तत्व, डिजिटल सर्वर संभालने वाले तकनीकी विशेषज्ञ, परिवहन श्रृंखला से जुड़े लोग अथवा परीक्षा केंद्रों से जुड़े अधिकारी शामिल हो सकते हैं। यही वह बिंदु है जहां भारतीय परीक्षा प्रणाली की सबसे बड़ी कमजोरी उजागर होती है, सुरक्षा तंत्र बाहर से कम और भीतर से अधिक टूट रहा है। अभी हाल ही में नीट यूजी परीक्षा लीक प्रकरण केस में दिनांक 18 में 2026 तक रसायन और जीव शास्त्र विषय के टीचरों व नामी कोचिंग क्लास संस्थान के मलिक जो पूर्व में टीचर भी था सहित अनेक राज्यों से 10 से अधिक लोगों की सटीक गिरफ्तारी हो चुकी है।

साथियों, पिछले कुछ वर्षों में मेडिकल, इंजीनियरिंग, शिक्षक भर्ती, पुलिस भर्ती, रेलवे भर्ती और राज्य स्तरीय भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक के अनेक मामले सामने आए। कई मामलों में जांच एजेंसियों ने पाया कि प्रश्नपत्र परीक्षा से कई घंटे पहले व्हाट्सऐप, टेलीग्राम या गुप्त डिजिटल नेटवर्क के माध्यम से प्रसारित किए गए। कहीं प्रिंटिंग प्रेस से कॉपी बाहर निकाली गई, कहीं एन्क्रिप्टेड फाइल तक अवैध पहुंच बनाई गई, तो कहीं परीक्षा केंद्रों पर ब्लूटूथ डिवाइस, माइक्रो ईयरफोन और सॉल्वर गैंग सक्रिय पाए गए। यह पूरा नेटवर्क दर्शाता है कि परीक्षा अपराध अब स्थानीय स्तर का धोखा नहीं, बल्कि अत्यंत संगठित एग्जाम माफिया इकोसिस्टम बन चुका है।भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव असाधारण है। एक सीट के लिए हजारों से लेकर लाखों उम्मीदवार प्रतिस्पर्धा करते हैं।मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं में तो स्थिति और अधिक तनावपूर्ण है।सीमित सरकारी सीटें, अत्यधिक फीस वाले निजी कॉलेज, परिवारों की अपेक्षाएं और सामाजिक प्रतिष्ठा का दबाव विद्यार्थियों को मानसिक रूप से अत्यंत संवेदनशील बना देता है। ऐसे माहौल में यदि कोई गिरोह रैंक दिलाने या पेपर उपलब्ध कराने का दावा करता है, तो कुछ लोग लालच, भय या निराशा में उसके जाल में फंस जाते हैं। यही वह सामाजिक मनोविज्ञान है जिसका फायदा अपराधी सटीक रूप से नेटवर्क उठाते हैं। साथियों कोचिंग उद्योग का विस्तार इस पूरे संकट का एक महत्वपूर्ण आयाम है। भारत में कोचिंग अर्थव्यवस्था हजारों करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है। राजस्थान का कोटा, दिल्ली का मुखर्जी नगर, पटना, हैदराबाद, पुणे, इंदौर और कई अन्य शहर शिक्षा आधारित व्यावसायिक केंद्रों में बदल चुके हैं। यहां लाखों विद्यार्थी तैयारी के लिए आते हैं। अधिकांश कोचिंग संस्थान ईमानदारी से शिक्षा प्रदान करते हैं और छात्रों की मेहनत को दिशा देते हैं। लेकिन इसी विशाल उद्योग के भीतर कुछ लालची तत्वों पर यह आरोप लगता रहा है कि उन्होंने शिक्षा को रैंक खरीदो मॉडल में बदलने की कोशिश की। जब सफलता को उत्पाद और रैंक को व्यापारिक ब्रांड बना दिया जाता है,तब नैतिक सीमाएं कमजोर पड़ने लगती हैं।कुछ जांचों में यह आरोप सामने आया कि कुछ कोचिंग संचालकों ने अपने संस्थान की सफलता दर बढ़ाने के लिए अवैध नेटवर्क से संपर्क बनाए। यदि किसी संस्थान के छात्र बड़ी संख्या में शीर्ष रैंक प्राप्त करते हैं, तो अगले वर्ष उस संस्थान में प्रवेश लेने वालों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। फीस बढ़ती है, ब्रांड वैल्यू बढ़ती है और निवेशकों का विश्वास मजबूत होता है। ऐसे में कुछ भ्रष्ट मानसिकता वाले लोग शिक्षा को सेवा नहीं बल्कि शुद्ध व्यवसाय मानकर किसी भी हद तक जाने को तैयार हो जाते हैं। यही वह बिंदु है जहां शिक्षा का पवित्र क्षेत्र अपराध और लालच की प्रयोगशाला बनने लगता है। घर का भेदी लंका ढाए वाली कहावत यहां पूरी तरह लागू होती है। प्रश्नपत्र निर्माण से लेकर परीक्षा केंद्र तक की पूरी प्रक्रिया में कई स्तर शामिल होते हैं पेपर सेटिंग, मॉडरेशन, प्रिंटिंग, पैकेजिंग, ट्रांसपोर्टेशन, डिजिटल स्टोरेज, परीक्षा केंद्र वितरण और मूल्यांकन। यदि इनमें से किसी भी स्तर पर कोई व्यक्ति भ्रष्ट हो जाए, तो पूरा सिस्टम खतरे में पड़ जाता है। यही कारण है कि केवल बाहरी सुरक्षा बढ़ा देने से समस्या समाप्त नहीं होती। असली सटीक चुनौती इनसाइडर थ्रेट यानें भीतर बैठे खतरे से निपटना है। साथियों डिजिटल युग ने परीक्षा सुरक्षा को जितना मजबूत किया है, उतना ही जटिल भी बना दिया है। पहले पेपर फोटोकॉपी या फैक्स के माध्यम से लीक होते थे, अब एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप, क्लाउड स्टोरेज, स्क्रीन शेयरिंग और डार्क वेब जैसी तकनीकों का उपयोग होने लगा है। साइबर अपराधियों और तकनीकी विशेषज्ञों की संलिप्तता ने जांच एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। कई बार प्रश्नपत्र का स्क्रीनशॉट कुछ ही मिनटों में हजारों लोगों तक पहुंच जाता है। यह डिजिटल स्पीड प्रशासनिक प्रतिक्रिया से कहीं अधिक तेज होती है।पेपर लीक का सबसे बड़ा नुकसान उन करोड़ों ईमानदार छात्रों को होता है जो वर्षों की मेहनत के बाद परीक्षा में बैठते हैं। जब परीक्षा रद्द होती है, तो छात्रों की मानसिक स्थिति पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। पुनर्परीक्षा का तनाव, आर्थिक बोझ, तैयारी की अनिश्चितता और भविष्य को लेकर भय विद्यार्थियों को अंदर तक तोड़ देता है। कई छात्रों के परिवार कर्ज लेकर कोचिंग और हॉस्टल का खर्च उठाते हैं। ऐसे में परीक्षा रद्द होना केवल प्रशासनिक घटना नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक त्रासदी भी बन जाती है। साथियों यह समस्या केवल भारत तक सीमित नहीं है। चीन, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और अफ्रीकी देशों में भी परीक्षा धोखाधड़ी के मामले सामने आए हैं। चीन में गाओकाओ जैसी कठिन परीक्षा के दौरान ड्रोन, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और हाईटेक चीटिंग रोकने के लिए अत्यंत कड़े कदम उठाए जाते हैं। दक्षिण कोरिया में विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा के दिन पूरे देश की यातायात व्यवस्था तक नियंत्रित की जाती है ताकि परीक्षा प्रक्रिया प्रभावित न हो। कई देशों में प्रश्नपत्र निर्माण और वितरण के लिए सैन्य स्तर की सुरक्षा प्रणाली अपनाई जाती है। भारत को भी अब पारंपरिक प्रशासनिक मॉडल से आगे बढ़कर नेशनल एग्जाम सिक्योरिटी आर्किटेक्चर विकसित करना होगा।भारत में पेपर लीक केवलअपराध नहीं बल्कि लोकतांत्रिक समानता पर हमला है।प्रतियोगी परीक्षाएं समाज के गरीब और मध्यम वर्ग के लिए अवसर का सबसे बड़ा माध्यम होती हैं। गांव का छात्र भी परीक्षा के माध्यम से डॉक्टर, इंजीनियर या अधिकारी बन सकता है। लेकिन यदि परीक्षा प्रणाली भ्रष्ट हो जाए तो सामाजिक गतिशीलता रुक जाती है और प्रतिभा की जगह पैसे तथा संपर्क का प्रभाव बढ़ने लगता है। इससे युवाओं में निराशा और व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है। साथियों जांच एजेंसियों की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हाल के मामलों में पुलिस, साइबर सेल और केंद्रीय एजेंसियों ने कई राज्यों में छापेमारी कर शिक्षकों, तकनीकी विशेषज्ञों और कोचिंग संचालकों को गिरफ्तार किया। कई बार करोड़ों रुपए के लेनदेन फर्जी बैंक खातों और हवाला नेटवर्क तक के संकेत मिले। इससे यह स्पष्ट होता है कि पेपर लीक अब लो-लेवल करप्शन नहीं बल्कि हाई-वैल्यू ऑर्गेनाइज्ड क्राइम का स्वरूप ले चुका है।सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि क्या केवल गिरफ्तारियों से समस्या समाप्त हो जाएगी ? उत्तर है, नहीं। यदि सिस्टम की संरचनात्मक कमजोरियों को नहीं सुधारा गया तो नए गिरोह पुराने गिरोहों की जगह ले लेंगे। भारत को परीक्षा सुरक्षा के लिए बहुस्तरीय सुधारों की आवश्यकता है। प्रश्नपत्र निर्माण और वितरण में ब्लॉकचेन आधारित ट्रैकिंग, एआई आधारित मॉनिटरिंग, सीमित एक्सेस कंट्रोल, बायोमेट्रिक सत्यापन और रियल टाइम साइबर निगरानी जैसे उपाय अपनाने होंगे। साथ ही प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही तय करनी होगी। साथियों कोचिंग उद्योग के लिए भी स्पष्ट नियामक ढांचा आवश्यक है। वर्तमान में अनेक कोचिंग संस्थान विशाल कारोबारी नेटवर्क बन चुके हैं, लेकिन उनकी निगरानी सीमित है। यदि किसी संस्थान का नाम बार-बार अनियमितताओं में आता है, तो उसकी वित्तीय और प्रशासनिक जांच अनिवार्य होनी चाहिए। शिक्षा मंत्रालय और राज्य सरकारों को कोचिंग रेगुलेटरी अथॉरिटी जैसी संस्थाओं पर विचार करना चाहिए जो पारदर्शिता, फीस, विज्ञापन दावों और परीक्षा संबंधित आचरण की निगरानी करें।मीडिया की भूमिका भी दोधारी है। एक ओर मीडिया पेपर लीक मामलों को उजागर कर व्यवस्था पर दबाव बनाता है, दूसरी ओर कई बार टॉपर कल्चर और अवास्तविक सफलता कथाओं को बढ़ावा देकर सामाजिक दबाव बढ़ा देता है। जब हर सफलता को करोड़ों के पैकेज और रैंक की भाषा में प्रस्तुत किया जाता है, तब शिक्षा का मूल उद्देश्य पीछे छूटने लगता है। समाज को भी यह समझना होगा कि सफलता का एकमात्र रास्ता मेडिकल या इंजीनियरिंग परीक्षा नहीं है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियाँ

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे ब?ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है।

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे ब?ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है।

विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास ब?ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में लागत घट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि दोनों महाशक्तियाँ वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुसार तय करने लगें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कहीं आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में ‘जी-2’ यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्व धीरे-धीरे बहुध्रुवीय व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़ सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि भारत हमेशा से बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है।

भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेमे में है और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्वाड जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है। दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन की बढ़ती निकटता भारत के लिए केवल बाहरी घटना नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का विषय है। भारत और चीन की तुलना करें तो चीन ने पिछले तीन दशकों में विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत संरचना और तकनीकी उत्पादन के माध्यम से स्वयं को वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित किया। चीन की आर्थिक नीति केंद्रीकृत और तीव्र निर्णय क्षमता वाली रही है। इसके विपरीत भारत का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संस्थागत संतुलन पर आधारित रहा है। भारत की शक्ति उसकी युवा आबादी, लोकतंत्र, सेवा क्षेत्र और डिजिटल क्षमता में निहित है, जबकि चीन की शक्ति विनिर्माण, निर्यात और पूंजी निवेश में रही है। अमेरिका के साथ चीन के संबंधों में सुधार होने की स्थिति में भारत के सामने यह चुनौती होगी कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक उपयोगिता को और अधिक प्रभावशाली बनाए।

भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर चाइना प्लस वन रणनीति में निहित है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पिछले वर्षों में चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास किए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ चीन के विकल्प के रूप में भारत, वियतनाम और अन्य देशों की ओर बढ़ी हैं। भारत यदि अपनी औद्योगिक नीतियों, आधारभूत संरचना, श्रम सुधार और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है तो वह वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है। किंतु यदि भारत आवश्यक गति से सुधार नहीं कर पाया तो यह अवसर अन्य देशों के पास चला जाएगा। तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका-चीन संबंधों का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और रेयर अर्थ मिनरल्स नई शक्ति राजनीति के केंद्र बन चुके हैं। अमेरिका तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना चाहता है जबकि चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारत इन दोनों के बीच एक तीसरे विकल्प के रूप में उभर सकता है, लेकिन इसके लिए अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। भारत के पास प्रतिभा है, लेकिन प्रतिभा को वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि चाहिए। भू-राजनीतिक दृष्टि से भी यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है। ताइवान, दक्षिण चीन सागर, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकटों पर अमेरिका और चीन की भूमिका निर्णायक है। यदि दोनों देशों के बीच समझ बढ़ती है तो सैन्य टकरावों की आशंका कम हो सकती है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर होंगे और तेल की कीमतों में राहत मिल सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह अत्यंत लाभकारी स्थिति होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियाँ अपने प्रभाव विस्तार के लिए संकटों का उपयोग करती हैं तो विश्व अस्थिरता और बढ़ सकती है। भारत की विदेश नीति के लिए यह समय अत्यंत निर्णायक है। भारत को अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखते हुए चीन के साथ व्यावहारिक संबंधों का संतुलन बनाना होगा। साथ ही उसे वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों के नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका और मजबूत करनी होगी। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर की अवधारणा प्रस्तुत की थी, वह भविष्य की विश्व व्यवस्था का वैकल्पिक मॉडल बन सकती है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो अमेरिका और चीन जहाँ शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, वहीं भारत सहअस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की नीति पर चल रहा है। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा शक्ति प्रदर्शन पर आधारित है जबकि भारत का दृष्टिकोण विकास, मानवीय मूल्यों और वैश्विक साझेदारी पर केंद्रित रहा है। यही भारत की विशिष्टता और शक्ति है।

आज दुनिया में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि क्या अमेरिका और चीन मिलकर दुनिया को पुनः अपने प्रभाव क्षेत्र में बाँटने का प्रयास करेंगे? क्या छोटे देशों की भूमिका सीमित हो जाएगी? क्या फिर वही स्थिति बनेगी जब महाशक्तियाँ विश्व राजनीति को अपनी उँगलियों पर नचाती थीं? इन प्रश्नों के उत्तर भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन इतना निश्चित है कि आज की दुनिया शीत युद्ध काल की दुनिया नहीं है। भारत, जापान, यूरोपीय संघ, ब्राजील, आसियान और अफ्रीकी देशों का ब?ता प्रभाव विश्व व्यवस्था को बहुध्रुवीय बनाए रखने में सक्षम है। भारत को इस बदलती परिस्थिति में अपने संकल्पों को सुदृढ़ करना होगा, विकास के नए मानक गढ़ने होंगे और अपनी रणनीतिक क्षमता को विस्तार देना होगा। क्योंकि बदलती दुनिया में प्रश्न यह नहीं है कि अमेरिका और चीन क्या करेंगे, बल्कि यह है कि भारत स्वयं को किस ऊँचाई पर स्थापित करेगा।

-ललित गर्ग

कृषि आधारित उद्योग है मधुमक्खी पालन

-संजय गोस्वामी

विश्व मधुमक्खी दिवस हर साल 20 मई को मनाया जाता है? इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण, खाद्य सुरक्षा और जैव विविधता को बनाए रखने में मधुमक्खियों और अन्य परागणकों के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना हैमधुमक्खी एक सामाजिक कीट का सबसे अच्छा उदाहरण है जो शहद इकट्ठा करती है और अपने परिवार का भरण-पोषण करती है। यह कीट हाइमनोप्टेरा गण के एपिस परिवार के अंतर्गत आता है। भारत में मधुमक्खियों की तीन प्रजातियाँ पाई जाती हैं, भारतीय मधुमक्खी (एपिस इंडिका), रॉक शहद मधुमक्खी (एपिस डोरसोटा) और छोटी शहद मधुमक्खी (एपिस फ्लोरिया)। एक विदेशी शहद मधुमक्खी (एपिस मेलिफेरा) जिसे इटालियन या यूरोपीय शहद मधुमक्खी कहा जाता है, अब भारत में स्थापित हो गई है और इसका उपयोग व्यावसायिक मधुमक्खी पालन के लिए किया जा रहा

है। मधुमक्खियों के प्रकार - मधुमक्खियों की उपरोक्त चार प्रजातियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी इस प्रकार है - (1) भारतीय शहद मधुमक्खी (एपिस सेराना इंडिका) - यह शहद मधुमक्खी पूरे भारत में पाई जाती है। यह पीले भूरे रंग की होती है। यह पुरानी इमारतों, जंगलों, पेड़ों की खोखली दीवारों, गुफाओं आदि जैसे अंधेरे स्थानों में 6-8 समानांतर छत्ते बनाती है। ये मधुमक्खियां स्वभाव से कोमल और शांत होती हैं और इन्हें आसानी से पाला जा सकता है। मधुमक्खी पालक इन्हें प्राकृतिक घरों से पकड़ते हैं और मधुमक्खी के बक्सों में पालते हैं। यह एक उद्यमी मधुमक्खी है तथा अच्छी मात्रा में शहद एकत्रित करती है। औसतन प्रति वर्ष एक कॉलोनी से 2-3 किलोग्राम शहद प्राप्त होता है। (2) रॉक मधुमक्खी (एपिस डोरसाटा)- इस मधुमक्खी को भौंरा या भौंरा भी कहते हैं। यह सम्पूर्ण भारत में पाई जाती है। पहाड़ी क्षेत्रों में यह समुद्र तल से 1000 मीटर की ऊँचाई तक पाई जाती है। इसकी कॉलोनियाँ कम तापमान पर एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाती हैं। ये मधुमक्खियाँ एक ही छत्ता बनाती हैं जो लगभग 1.5 से 2.1 मीटर चौड़ा तथा 0.6 से 1.2 मीटर लंबा होता है। इनका छत्ता आमतौर पर चट्टानों पर लटका होता है। ये मधुमक्खियाँ बहुत आक्रामक स्वभाव की होती हैं तथा परेशान करने पर मनुष्यों का पीछा कर उन पर हमला कर देती हैं। ये बड़ी मात्रा में शहद एकत्रित करती हैं। ये अपना काम सुबह जल्दी शुरू कर देती हैं। प्रति वर्ष एक छत्ते से 40 किलोग्राम तक शहद प्राप्त होता है। शहद आमतौर पर छत्ते के अगले भाग में मिलता है। (3) छोटी मधुमक्खी -एपिस फ्लोरिया) - यह मधुमक्खी पूरे देश में पाई जाती है लेकिन समुद्र तल से 335 मीटर की ऊंचाई पर बहुत कम पाई जाती है। यह बार-बार अपना स्थान बदलती रहती है तथा इसकी कॉलोनी एक छत्ते पर 5 महीने से अधिक नहीं रहती। यह मधुमक्खी एक छत्ता बनाती है जिसका आकार हथेली के बराबर होता है। यह अपना छत्ता शाखाओं, बाड़ों, पेड़ों, गुफाओं, घरों की चिमनियों, खाली बक्सों, लकड़ियों के ढेर आदि पर बनाती है। इसकी रानी सुनहरे भूरे रंग की होती है। मधुमक्खी पालन एक कृषि आधारित उद्योग है, जिसकी जानकारी बहुत सरल है। इसमें लागत कम, आमदनी अधिक तथा कम समय में अधिक लाभ प्राप्त होता है। गांवों में आर्थिक विकास के लिए मधुमक्खी पालन से अच्छा कोई घरेलू रोजगार नहीं है। जानकारी की सहजता के कारण कम पढ़ा-लिखा व्यक्ति भी इस व्यवसाय को कुशलता से कर सकता है। गरीब, भूमिहीन भी 5 से 10 मधुमक्खी बक्सों की कम पूंजी से यह व्यवसाय शुरू कर 3 साल के भीतर 50-100 बक्सों का मालिक बन सकता है तथा मधुमक्खियां, मोम व शहद बेचकर सालाना लाखों रुपए कमा सकता है। चूंकि इस काम में ज्यादा शारीरिक मेहनत की जरूरत नहीं होती, इसलिए ग्रामीण महिलाएं और बच्चे अपने घरेलू कामों के साथ इसे आसानी से कर सकते हैं। चूंकि इसमें ज्यादा पूंजी की जरूरत नहीं होती, इसलिए बेरोजगार युवा भी इसे अपने रोजगार का जरिया बना सकते हैं। मधुमक्खी पालन से गांवों में मधुमक्खी के बक्से और अन्य उपकरण बनाने वाले छोटे उद्योगों को भी बढ़ावा मिलता है। स्वरोजगार और अतिरिक्त आय के लिए यह एक बेहतरीन घरेलू उद्योग है। मधुमक्खियां सामाजिक कीट हैं, जिनके परिवार में एक मां मधुमक्खी या रानी मधुमक्खी होती है जो सिर्फ अंडे देती है, दूसरा सदस्य नर मधुमक्खी होता है जो सिर्फ गर्भाधान की प्रक्रिया करता है। ये आकार में बड़ी, डंक रहित और पेट के आखिरी हिस्से पर घने बाल वाली होती हैं और काले रंग की होती हैं। तीसरा सदस्य श्रमिक मधुमक्खी होती है, जो संख्या में सबसे ज्यादा होती है। एक अच्छी मधुमक्खी कॉलोनी में इनकी संख्या 30000-500000 तक हो सकती है। ज्यादातर काम श्रमिक मधुमक्खियां ही करती हैं। अंडे से रानी को वयस्क बनने में 15-16 दिन, श्रमिक मधुमक्खी को 20-21 दिन और नर मधुमक्खी को 23-24 दिन लगते हैं। वयस्क होने के लगभग तीन सप्ताह की आयु तक श्रमिक मधुमक्खी घर के अन्दर के कार्य जैसे सफाई, रानी और बच्चों को खिलाना और सुरक्षा देना, छत्ते बनाना, शहद तैयार करना आदि करती है। अपना घर बनाने के लिए मधुमक्खी अपने उदर ग्रन्थियों से मोम बनाती है और अपने भोजन के लिए फूलों से रस और रस एकत्रित करती है। मधुमक्खी के सेल में दो भाग होते हैं, ब्रूड सेक्शन और शहद सेक्शन। ब्रूड सेक्शन में मधुमक्खी वंश का प्रजनन चलता है और शहद सेक्शन में शहद एकत्रित किया जाता है। ब्रूड सेक्शन में मूल वंश को रखा जाता है और आवश्यकतानुसार उसे ब्रूड चैम्बर में रखा जाता है और फ्रेम में मोमी अटैचमेंट लगाकर सुपर किया जाता है। इससे मधुमक्खी अपने स्वभाव के अनुसार छत्ते बनाती है। जब मधुमक्खियां छत्तों में शहद जमा कर देती हैं और लगभग तीन चौथाई सेल पर कैप लगा देती है तो शहद निकालने वाली मशीन से छत्तों को घुमाकर शहद निकाला जाता है। इस प्रक्रिया में न तो मधुमक्खियों के बच्चे मरते हैं और न ही छत्ता नष्ट होता है।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। ताजा लेवाली से मंगलवार को अनाज मंडी में चना उछाल पर रहा। तुअर व मूंग में बाजार बने रहे। खाद्य तेलों में सुर्खी रही। तिलहनों में सरसो बाजार चढ़े। रायड़ा भी मजबूत रहा। किराना जिंसों में शक्कर बाजार सुर्ख हुए। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार ताजा लेवाली से चने में बाजार उछाल पर रहे। तुअर व मूंग में बाजार मजबूत रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। किन्तु भावों में तेजी आयी। तिलहनों में सरसो चढ़ गया। रायडा भी पूछपरख से सुर्ख रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में लेवाली रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4180-4250, खोपरा गोला 340-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 225-250, ऊंझा हल्का 250-280, बेस्ट 270-290, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, बाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2500-2550, (200) 2500-2550, (250) 2750-2800

तेल- सींगदाना 1580-1600, मुम्बई 1610, राजकोट तेलिया 2505, सोया साल्वेंट 1420-1425, सोया रिफाइंड 1485-1490, कपास्या 1460-1470, धूलिया 1470, कड़ी 1470,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1550, मुम्बई पाम 1480, मुम्बई सोया 1490,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7700-8000, रायडा 6600-6800, सोयाबीन 7000-7200, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5600-5700, विशाल 5950-6000, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7700-7800, मूंग पुराना बोल्ड 8500-8800, मीडियम 7800-7900, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2525, लोकवन एवरेज 2550-2600, बेस्ट 2700-3000, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2000-2025, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 340 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को विदेशी बाजारों की अगुवाई में दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 260000, चाँदी (99) 259500, टंच 259100, सिक्का 2700, सोना 10 ग्राम 152000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 45 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.65 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 18 पैसे टूटकर 96.38 प्रति डॉलर पर आ गया। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से बाजार की भावनाएं लगातार कमजोर हो रही हैं। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से निर्यात और खाड़ी देशों से आयात में बाधा आने के कारण रुपये की स्थिति अब भी नाजुक बनी हुई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.38 पर खुला जो पिछले बंद भाव से 18 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को अब तक के सबसे निचले स्तर 96.20 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलावार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला पर बाजार बंद होने से कुछ ही समय पहले इसमें गिरावट आने लगी । अंतिम घंटे में बैंक, वित्तीय और धातु शेयरों में गिरावट से बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 114.19 अंक टूटकर 75,200.85 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 31.95 अंक फिसलकर 23,618 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। कोटक महिंद्रा के अलावा टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, सन फार्मा, अडानी पोर्ट्स, इंडिगो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस के शेयरों भी गिरावट रही जबकि

इन्फोसिस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, टीसीएस के शेयर उछले। निफ्टी पर टाइटन कंपनी, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स में सबसे ज्यादा गिरावट रही। ब्रॉडर मार्केट्स में निफ्टी मिडकैप में 0.91 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 1.17 फीसदी बढ़त रही। वहीं निफ्टी प्राइवेट बैंक में सबसे ज्यादा गिरावट आई। निफ्टी बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर भी गिरे। निफ्टी आईटी, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी केमिकल में भी तेजी रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह निफ्टी 87 अंक की बढ़त के साथ 23,726.6 के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह, सेंसेक्स भी 320.09 अंक की तेजी के साथ 75,651.53 पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि अन्य पश्चिम एशियाई देशों के अनुरोध के बाद एक प्रस्तावित सैन्य कार्रवाई को रोक दिया गया है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि क्षेत्र में ऐसा समझौता संभव है जो अमेरिका और अन्य देशों के लिए स्वीकार्य होगा और जिसमें परमाणु हथियारों को शामिल नहीं किया जाएगा।

देश का खाद्य तेल आयात 2025-26 में तीन प्रतिशत बढ़ा-उद्योग निकाय

नई दिल्ली। एजेंसी। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का खाद्य तेल आयात तीन प्रतिशत बढ़कर 166.51 लाख टन तक पहुंच गया है। उद्योग निकाय सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने बताया कि नेपाल से शुल्क-मुक्त आयात में हुई भारी वृद्धि इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण रही, जिसने पिछले वर्ष के 161.82 लाख टन के आंकड़े को पार कर लिया। एसईए के अनुसार दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (एसएएफटीए) के तहत शून्य-शुल्क पहुंच का लाभ उठाते हुए नेपाल ने इस अवधि में भारत को 7.36 लाख टन खाद्य तेल निर्यात किया, जो वित्त वर्ष 2024-25 के 3.45 लाख टन से 113 प्रतिशत अधिक है। नेपाल से परिष्कृत सोयाबीन तेल का सबसे अधिक आयात हुआ, जिसने कुल आयात वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। संघ ने स्पष्ट किया कि यदि एसएएफटीए व्यवस्था न होती तो आयात पिछले स्तर से कम रह सकता था। भारत अब भी अपनी खाद्य तेल आवश्यकता का लगभग 60 प्रतिशत आयात पर निर्भर है। तिलहन की कम पैदावार, खंडित भूमि जोत, सीमित सिंचाई और गेहूं-चावल केंद्रित कृषि नीति घरेलू उत्पादन में बाधा डाल रही है। एसईए ने दीर्घकालिक आयात निर्भरता घटाने के लिए तिलहन उत्पादकता बढ़ाने और घरेलू मूल्य संवर्धन को प्रोत्साहित करने के उपाय सुझाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खाद्य तेल उपभोग को नियंत्रित करने की हालिया अपील का जिक्र करते हुए एसईए ने कहा कि घरेलू उत्पादन वृद्धि और अत्यधिक उपयोग पर नियंत्रण से आयात निर्भरता कम होगी तथा विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव घटेगा।

बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा का मजबूत सहारा, पोस्ट ऑफिस की सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम

नई दिल्ली। एजेंसी। रिटायरमेंट के बाद वित्तीय सुरक्षा हर व्यक्ति की प्राथमिकता होती है। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए पोस्ट ऑफिस की सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम (एससीएसएस) एक बेहद भरोसेमंद और लोकप्रिय विकल्प बनकर उभरी है। यह योजना विशेष रूप से 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए डिज़ाइन की गई है, ताकि वे अपनी सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर रह सकें और नियमित आय का आनंद ले सकें। एससीएसएस को भारत सरकार द्वारा समर्थित किया जाता है, जिससे इसमें निवेश किया गया पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है और जोखिम लगभग शून्य हो जाता है। वर्तमान में, यह योजना सालाना 8.2 फीसदी की आकर्षक ब्याज दर प्रदान करती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि एक बार निवेश करने के बाद यह ब्याज दर पूरी 5 साल की अवधि के लिए तय रहती है, भले ही भविष्य में बाजार दरों में उतार-चढ़ाव आए। ब्याज का भुगतान हर तीन महीने में सीधे निवेशक के खाते में किया जाता है, जिससे नियमित आय सुनिश्चित होती है। इस योजना में न्यूनतम 1,000 रुपए से निवेश शुरू किया जा सकता है। व्यक्तिगत खाते के लिए अधिकतम निवेश सीमा 15 लाख रुपए और जॉइंट खाते के लिए 30 लाख रुपए है। सामान्यत: 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के व्यक्ति इसमें खाता खोल सकते हैं, जबकि कुछ विशेष परिस्थितियों में 50 या 55 वर्ष से अधिक आयु के रिटायर्ड कर्मी भी पात्र होते हैं। योजना की अवधि 5 साल है, जिसे 3 साल के लिए और बढ़ाया जा सकता है। इसमें आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत 1.5 लाख रुपए तक की टैक्स छूट का लाभ भी मिलता है। जो लोग अधिकतम निवेश का विकल्प चुनते हैं, उन्हें इसका अच्छा फायदा मिलता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई वरिष्ठ नागरिक एससीएसएस में अधिकतम 30 लाख रुपए का निवेश करता है, तो 8.2 फीसदी सालाना ब्याज दर के हिसाब से उन्हें लगभग 2,46,000 रुपए प्रति वर्ष का ब्याज मिलता है।

मेष- आज का दिन कभी खुशी तो कभी चिंता वाला एहसास दे सकता है। दूर रहने वाले किसी रिश्तेदार से मिली खबर मन को थोड़ा उदास कर सकती है। बिजनेस में नई पार्टनरशिप आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी और पुरानी योजनाओं से अच्छा लाभ मिलने के संकेत हैं। खर्चों पर लगाम लगाना जरूरी होगा, वरना बजट बिगड़ सकता है। मौसम का असर सेहत पर पड़ सकता है, इसलिए आराम और सावधानी दोनों जरूरी रहेंगे।

वृषभ- आज घर में रौनक और खुशियों का माहौल बना रहेगा। रिश्तेदारों का आना-जाना दिन को खास बना देगा और किसी शुभ कार्य की तैयारी उत्साह बढ़ाएगी। ऑफिस में आपकी मेहनत और ईमानदारी बॉस का दिल जीत लेगी। बैंकिंग या फाइनेंस से जुड़े लोगों को निवेश के अच्छे मौके मिल सकते हैं। नए घर या प्रॉपर्टी से जुड़ा काम शुरू करने का सपना भी गति पकड़ सकता है।

मिथुन- आज आपकी वाणी ही आपकी सबसे बड़ी ताकत और कमजोरी दोनों बन सकती है। मनमौजी स्वभाव परिवार वालों को थोड़ा परेशान कर सकता है। घर में नए मेहमान के आने की खुशखबरी माहौल को खुशनुमा बना सकती है। अचानक धन लाभ मिलने से खुशी दोगुनी हो जाएगी। किसी को निजी जानकारी देने से बचें, क्योंकि वही बात आगे परेशानी का कारण बन सकती है। बिजनेस में नए बदलाव सफलता की राह खोल सकते हैं।

कर्क- आज हर कदम सोच-समझकर बढ़ाने की जरूरत होगी। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें। संतान के साथ बिताया गया समय रिश्तों में प्यार और अपनापन बढ़ाएगा। पुराने प्यार से अचानक मुलाकात दिल की धड़कन बढ़ा सकती है, लेकिन भावनाओं में बहने से रिश्तों में तनाव आ सकता है। समझदारी और संयम ही आज आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी।

सिंह- आज विद्यार्थियों के लिए खुशखबरी वाला दिन साबित हो सकता है। परीक्षा के परिणाम मन मुताबिक आने के संकेत हैं। ऑफिस में बॉस आपके काम और सुझावों से बेहद प्रभावित रहेंगे। धन और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। अपनी कमजोरियों को पहचानकर सुधारेंगे तो सफलता और तेजी से मिलेगी। पड़ोस या आसपास के विवादों से दूरी बनाए रखना ही बेहतर रहेगा।

कन्या- आज उन्नति और नए अवसरों का दिन है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को मनचाहा मौका मिल सकता है। घर के लिए नया इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने का योग बन रहा है। परिवार में चल रही कलह को सुलझाने की जिम्मेदारी आपको निभानी पड़ सकती है। किसी रिश्तेदार के घर दावत या खुशी के मौके पर जाने से मन हल्का और खुश रहेगा।

तुला- आज मेहनत आपका सबसे बड़ा हथियार साबित होगी। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में बड़ा पद मिलने से सम्मान बढ़ सकता है। परिवार के बड़े सदस्यों के साथ बैठकर अहम फैसले लेने का मौका मिलेगा। संतान की ओर से कोई अच्छी खबर दिल को खुश कर सकती है। ऑनलाइन शॉपिंग में सावधानी रखें, क्योंकि नुकसान होने की संभावना है। बच्चों की सेहत को लेकर भागदौड़ बनी रह सकती है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए खास और लाभदायक साबित हो सकता है। नए लोगों से मुलाकात भविष्य में बड़े फायदे का कारण बनेगी। बिजनेस में अच्छा मुनाफा मिलने के संकेत हैं। जरूरत पड़ने पर धन भी आसानी से मिल सकता है। संतान के लिए नया वाहन खरीदने का योग बन रहा है। लाइफस्टाइल में बदलाव और नई खरीदारी आपको उत्साहित करेगी।

धनु- आज भागदौड़ ज्यादा रहेगी, लेकिन मेहनत रंग भी लाएगी। आय बढ़ाने के नए रास्तों पर आपका पूरा ध्यान रहेगा। संतान के भविष्य को लेकर किसी कोर्स या पढ़ाई के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। माता-पिता के आशीर्वाद से रुका हुआ काम पूरा होगा। सेहत को नजरअंदाज करना परेशानी बढ़ा सकता है। ऑफिस में लापरवाही करने पर बॉस की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है। राजनीति में हर कदम सोच-समझकर रखें।

मकर- आज एक साथ कई जिम्मेदारियाँ आपके सामने आ सकती हैं, लेकिन आपकी समझदारी हर काम को सही दिशा देगी। नए काम की शुरुआत के लिए परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा। पुराने दोस्त से मुलाकात पुरानी यादों को ताज़ा कर सकती है। यात्रा की योजना फिलहाल टालना बेहतर रहेगा। सही फैसले आज आपको भविष्य में बड़ा फायदा दिला सकते हैं।

कुंभ- आज सकारात्मक ऊर्जा और अच्छे परिणाम आपके साथ रहेंगे। यात्रा या घूमने के दौरान कोई खास जानकारी मिल सकती है। जिम्मेदारियों को हल्के में लेने से बचें। बिजनेस में रुका हुआ काम पूरा होने की उम्मीद है। किसी को उधार देने से पहले अच्छी तरह सोच लें, क्योंकि पैसा वापस आने में परेशानी हो सकती है। घर में धार्मिक या शुभ कार्यक्रम का आयोजन माहौल को पवित्र और खुशनुमा बना देगा।

मीन- आज कुछ चुनौतियाँ आपका धैर्य परख सकती हैं, लेकिन समझदारी से आप हर मुश्किल से बाहर निकल आएंगे। जीवनसाथी आपकी किसी बात से नाराज हो सकते हैं, इसलिए शब्दों का चुनाव सोच-समझकर करें। संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना जरूरी होगा। दूसरों की बातों में आकर फैसला लेने से बचें। परिवार की समस्याओं को घर के भीतर ही सुलझाना बेहतर रहेगा, वरना बाद में पछताना पड़ सकता है।

शब्दजाल - 8264

सा	द	गा	वि	ग	म	हे	श	भू	प	ति
दें	नि	ल	क	श्व	दों	अं	जु	जॉ	र्ज	ड़
क	स	या	ल	र्म	ना	स	या	दी	ख	क
ध	न	रा	ज	पि	ल्लै	थ	र	ल	श	गो
क	री	दो	ग	क	बा	र	आ	ज	झ	पी
जी	श्री	ना	थ	इ	इ	उ	द्रा	नं	घ	चं
ज	दा	ल	बुं	सं	धुं	म	र	कौ	द	द
क	ही	ग	र	मे	ज	क	फ	या	श	फु
क	द	र	प	न	भू	स	रा	औ	प	ले
क	र	ल	खा	व	टि	ना	चि	ओ	प	ला
क	क	ल	प	न	या	स	व्य	न	प	या

शब्द जाल में 10 खिलाड़ियों के नाम ढूंढिए, नाम उपर से नीचे, नीचे से उपर एवं तिरछे भी हैं.

सानिया, अंजु जॉर्ज, धनराज पिल्लै, सचिन, बाइचुंग भूटिया, गोपीचंद फुलेला, विश्वनाथ आनंद, श्रीनाथ, जहीर खान, महेश भूपति.

शब्दजाल - 8263 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7208

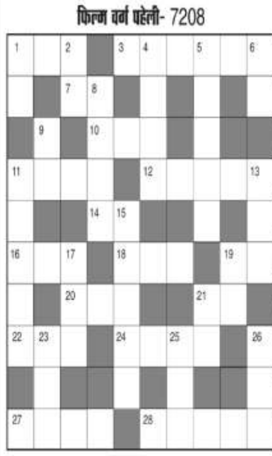

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अमित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो पर्दा कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रेन चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फराह की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है?-२
२२. संजयदत्त, फराह की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

फिल्म वर्ग पहेली- 7207

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

20 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

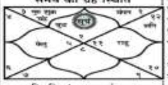

बुधवार 2026 वर्ष का 140 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शाक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष शुक्ल
तिथि चतुर्थी 11.07 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 06.12 बजे तदनन्तर पुनर्वसु 04.12 बजे रात्रि को समाप्त।
योग शूल 14.10 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 11.07 बजे तदनन्तर बव 21.43 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 3.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 56'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872715
जूलियन दिन 2461180.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिलहेज तारीख 03
विशेष वरदा चतुर्थी।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	वृष में	वृष	04.59 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मिथुन	07.01 बजे से
मंगल	मेष में	कर्क	09.15 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	11.31 बजे से
गुरू	मिथुन में	कन्या	13.43 बजे से
शुक्र	मिथुन में	तुला	15.54 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.06 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	20.24 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	22.29 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		कुंभ	00.16 बजे से
		मीन	01.49 बजे से
		मेष	03.19 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर... Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: वशीकरण मंत्र

एक शिष्य अपने गुरु के पास जाकर विनीत भाव से बोला- गुरुदेव ! आप मुझे ऐसा मंत्र दें ताकि देवता मेरे वश में हो जाएं। गुरु ने कहा- जरूर दे दूंगा, पर पहले यह बताओ कि क्या तुम्हारे घर के नौकर-चाकर वश में है। वह बोला- वे तो सब कामचोर हैं। काम न करने का बहाना ढूंढते रहते है। क्या परिवार वाले तुम्हारे वश में हैं? नहीं, सब स्वार्थी हैं। तुम्हारी पत्नी तो तुम्हारे वश में है? कहां है गुरुदेव ! मैंने अपनी पत्नी से कहा- एक हफ्ते बाद पीहर चली जाना। मगर मेरे मना करने पर भी कल अपनी मां से मिलने चली गई। चलो, सबको जाने दो। मुझे यह बताओ कि तुम्हारा अपना मन तो तुम्हारे वश में होगा ही। नहीं गुरुदेव ! मन वश में कहां है। यह तो बड़ा चंचल है। एक स्थान पर स्थिर होता ही नहीं है। गुरु ने कहा- अरे भाई ! जब परिवार, नोकर, पत्नी तेरे मन भी तेरे वश में नहीं है तो देवता तुम्हारे वश में कैसे होंगे? सबसे पहले तुम अपने मन को वश में करों। मन जिसके वश में हो जाता है, देवता भी उसको नमन करते है।

सूडोकु नवताल- 7517

★★★★★ कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7516 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8732

बाएँ से दाएँ

1. पैगंबर, खुदाई रहनुमा-4
4. कारगुजारी, करिश्मा-4
7. दौड़ना (अंग्रेजी -2)
8. पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
9. गहराई-2
10. राय, वोट-2
12. आलीशान, उदार-3
14. नकारना, इंकार करना-2,3
15. चोरी करना-2,3
17. राशन, खाद्य सामग्री-3
19. गन्ना-2
21. हर रोज, प्रतिदिन-2
23. वाद्य बजाने वाला-3
24. शारीरिक ऊंचाई-2
25. जहां ताजिए दफन करते हैं-4
26. महीन व मूल्यवान कपड़ा-4

ऊपर से नीचे

1. हमेशा, हर पल, सदैव-4
2. जनता, लोक-2
3. द्रव पदार्थ-3
4. नागपुर के पास का एक कस्बा जहां जापान के सहयोग से भव्य बौद्ध मंदिर बना है-4
5. और, एवं-2
6. मन भटकाना-4
11. झगड़ा, कहासुनी-4
13. कोमलता-4
14. राजी करना-3
15. सहखिलाड़ी-4
16. चौकीदार, प्रहरी-4
18. कीचड़ -4
20. नगद राशि-3
22. पानी से सराबोर-2
24. थोड़ा, जरा-2

शब्द पहेली -8731 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सांसद भारती पारधी की पहल पर करोड़ों के निर्माण कार्य स्वीकृत, सड़क, पुलिया, सभामंच और स्कूलों के होंगे कायाकल्प

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी को मिली विकास की बड़ी सौगात

बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लांजी विकासखंड के लिए विकास की नई इबारत लिखी जाने जा रही है। क्षेत्रीय सांसद भारती पारधी की अनुशंसा पर 'आर.सी.पी.एल.डब्ल्यू.ई.ए.' योजना अंतर्गत करोड़ों रुपये की लागत से अनेक विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है। इन कार्यों में ग्रामीण संपर्क मार्ग, पुलिया निर्माण, सभामंच, पंचायत भवन, स्कूल बाउंड्रीवाल तथा नाली निर्माण जैसे जनसुविधा से जुड़े महत्वपूर्ण प्रकल्प शामिल हैं। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्रमांक-02 बालाघाट द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार लांजी तहसील के सुदूर एवं संवेदनशील ग्रामों में आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से त्वरित कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर स्थल निरीक्षण कर प्राक्कलन एवं आवश्यक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि निर्माण कार्यों की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ हो सके।

ग्रामीण अंचलों में सड़कों का विस्तार, आवागमन होगा आसान

क्षेत्र के कई गांवों में वर्षों से सड़क सुविधा की मांग उठ रही थी, जिसे अब स्वीकृति मिल गई है। ग्राम कलपाथरी में बाजारटोला सभा मंच से रमपुरा नाले तक सीमेंट कंक्रीट सड़क बनाई जाएगी। घोटी घुसमारा में लांजी-गोंदिया प्रगति हाईवे से गांव तक पक्के मार्ग का निर्माण होगा, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिलेगी। झिंगुटोला (पाथरगांव) में मुख्य नहर से कुम्हारी खुर्द पहुंच मार्ग तक सीसी रोड निर्माण स्वीकृत हुआ है। लाड़सा में पीडब्ल्यूडी सड़क से बड़ादेव मार्ग तक सड़क एवं पुलिया निर्माण किया जाएगा। सांवरी, अमेड़ा, देवगांव और बिंझलगांव में भी सीसी सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों को मंजूरी दी गई है।

बरसात के दौरान संपर्क टूटने की समस्या से जूझ रहे ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पुलिया और जल संरचना निर्माण को प्राथमिकता दी गई है। घोटी घुसमारा में दो स्थानों पर पक्की पुलियाओं का निर्माण होगा। लाड़सा-मुंडीपार्क मार्ग पर बड़ी बाघ नदी पर पुलिया निर्माण से क्षेत्र का संपर्क वर्षभर बना रहेगा। वहीं किरनापुर-लांजी सीमा अंतर्गत अकोला क्षेत्र में गाडवी नाला पर डेम सह पुलिया निर्माण प्रस्तावित किया गया है, जिससे जल संरक्षण और आवागमन दोनों को लाभ मिलेगा।

सभामंच और पंचायत भवनों से ग्रामीण सुविधाओं को मिलेगा विस्तार

ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं मांगलिक गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए कई स्थानों पर नवीन सभामंच स्वीकृत किए गए हैं। लांजी मुख्यालय के राजा भोज चौक रोड पर आधुनिक सभामंच का निर्माण होगा। केरेगांव, बड़गांव, मोहगांव कलां, उमरी

और भानेगांव सहित विभिन्न ग्रामों में भी नए सभामंच बनाए जाएंगे। भानेगांव स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में सभामंच के साथ गोदाम निर्माण भी प्रस्तावित है। इसके अलावा देवगांव एवं पाथरगांव में नवीन ग्राम पंचायत भवनों का निर्माण किया जाएगा, जिससे ग्रामीण प्रशासनिक व्यवस्थाओं को मजबूती मिलेगी।

शिक्षा और सुरक्षा को प्राथमिकता

विद्यालय परिसरों की सुरक्षा और सौंदर्यीकरण के लिए भी विशेष कार्य स्वीकृत हुए हैं। केरेगांव की कन्या शाला तथा पाथरगांव के माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में मजबूत बाउंड्रीवाल बनाई जाएगी। इसी प्रकार पौसेरा के फुन्दरईटोला प्राथमिक शाला और बम्हनवाड़ा के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में भी लंबी बाउंड्रीवाल निर्माण की मंजूरी दी गई है, जिससे छात्र-छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग द्वारा उपसंभाग लांजी के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि सभी प्रस्तावित स्थलों का शीघ्र निरीक्षण कर विस्तृत प्राक्कलन तैयार किया जाए। विभागीय स्तर पर टेंडर प्रक्रिया में तेजी लाकर निर्माण कार्यों को जल्द धरातल पर उतारने की तैयारी की जा रही है।

एक साथ बड़ी संख्या में विकास कार्यों की स्वीकृति मिलने से लांजी क्षेत्र के ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों में उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि इन निर्माण कार्यों से वर्षों पुरानी मूलभूत समस्याओं का समाधान होगा तथा सुदूर गांवों में विकास की नई तस्वीर दिखाई देगी। क्षेत्रवासियों ने सांसद भारती पारधी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई है कि इन योजनाओं के पूर्ण होने से लांजी क्षेत्र विकास की नई दिशा में आगे बढ़ेगा।

47 प्रतिशत लोग रूफटॉप सोलर पैनल से अनजान

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार लगातार लोगों को सोलर रूफ टॉप लगाने के लिए प्रेरित कर रही है लेकिन हैरानी की बात है कि प्रदेश के 47 प्रतिशत लोग सोलर रूफ टॉप के बारे में नहीं जानते। मध्य प्रदेश में हुए एक सर्वे में ये खुलासा हुआ है, जिसके बाद सरकार ने सोलर रूफ टॉप की जानकारी देने के लिए चैटबॉट लॉन्च किया है। काउंसिल ऑन एनर्जी एनवायरमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) द्वारा मध्यप्रदेश में किए गए सर्वे में ये जानकारी सामने आई है। सर्वे में ये भी पता चला है कि 17 फीसदी लोग रूफटॉप सोलर पैनल लगवाना तो चाहते हैं, लेकिन इसकी प्रक्रिया ही उन्हें पता ही नहीं है। ऐसे में सर्वे के बाद अब लोगों को रूफटॉप सोलर पैनल की जानकारी देने के लिए ऊर्जा विकास निगम ने एक चैटबॉट लॉन्च किया है।

एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल भानेगांव की छात्रा अस्मिता ठावरे का ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय रांझी में चयन

पद्मेश न्यूज। लांजी। एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल भानेगांव में अध्ययनरत छात्रा अस्मिता ठावरे का कक्षा छठवीं में प्रतिष्ठित ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय शारदा नगर रांझी, जबलपुर में चयन होने पर क्षेत्र में हर्ष का वातावरण निर्मित हो गया है। छात्रा ने अप्रैल माह में आयोजित प्रवेश परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। जानकारी के अनुसार, 19 अप्रैल 2026 को बालाघाट परीक्षा केंद्र में आयोजित प्रवेश परीक्षा में जिले भर से अनेक छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए थे। यह परीक्षा विशेष रूप से कक्षा 5वीं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जाती है, जिसके माध्यम से चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 6वीं में प्रवेश प्रदान किया जाता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस प्रवेश प्रक्रिया में अनुसूचित जाति वर्ग हेतु 70 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति वर्ग हेतु 20 प्रतिशत तथा अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु 10 प्रतिशत सीटों का प्रावधान रखा गया था। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच अस्मिता ठावरे ने सफलता अर्जित कर अपने माता-पिता एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। किरनापुर विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पारडी निवासी अस्मिता ठावरे, पिता दीपक ठावरे एवं माता अनामिका ठावरे की सुपुत्री हैं। वे वर्तमान में एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल भानेगांव में अध्ययनरत थीं। छात्रा की इस सफलता पर परिवारजनों, शिक्षकों एवं ग्रामवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। क्षेत्र के शिक्षाविदों का कहना है कि ग्रामीण अंचल से निकलकर इस प्रकार की उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनती हैं। छात्रा की मेहनत, लगन एवं परिवार के सहयोग का ही परिणाम है कि उसने प्रतिष्ठित आवासीय विद्यालय में स्थान प्राप्त किया।

लांजी की ऐतिहासिक धरोहरों को सहेजने बड़ी पहल

पुरातत्व विशेषज्ञों ने किया ऐतिहासिक स्थलों का निरीक्षण, संरक्षण एवं पर्यटन विकास का बनेगा प्रस्ताव

पद्मेश न्यूज। लांजी। इतिहास की अमूल्य विरासत को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट की टीम ने मंगलवार 19 मई को लांजी क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थलों का व्यापक निरीक्षण किया। संग्रहाध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र सिंह गहरवार के नेतृत्व में सुबह 6 बजे से दोपहर 3 बजे तक चले इस विशेष निरीक्षण अभियान में क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहरों का बारीकी से अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान टीम ने कोटेश्वर महादेव मंदिर, लांजी किला, काली मंदिर तथा लंजकाई मंदिर सहित विभिन्न स्थलों का दौरा कर वहां बिखरे पड़े प्राचीन पुरातात्विक अवशेषों, खंडित प्रतिमाओं एवं ऐतिहासिक धरोहरों का अध्ययन किया। टीम ने इन स्थलों की ऐतिहासिक महत्ता को देखते हुए तत्काल संरक्षण एवं जीर्णोद्धार की आवश्यकता जताई। साथ ही पूरे क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने की बात कही गई।

पुरातत्व विशेषज्ञों ने लांजी किले के भीतर स्थापित पुरातत्व संग्रहालय का भी निरीक्षण किया। संग्रहालय में सुरक्षित प्रतिमाओं एवं पुरावशेषों को व्यवस्थित ढंग से पीलरों पर स्थापित करने, उनकी पहचान सुनिश्चित करने तथा उनके काल निर्धारण की प्रक्रिया प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। इससे आने वाले समय में शोधार्थियों एवं पर्यटकों को क्षेत्र के इतिहास को समझने में विशेष सहायता मिलेगी।संग्रहाध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र सिंह गहरवार ने कहा कि लांजी- किरनापुर क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण पुरातात्विक धरोहरें बिखरी हुई हैं, जिनका संरक्षण एवं पंजीयन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि जिन प्रतिमाओं एवं अवशेषों को स्थानीय स्तर पर सुरक्षित एवं व्यवस्थित रखना संभव नहीं होगा, उन्हें संरक्षण हेतु बालाघाट पुरातत्व संग्रहालय में सुरक्षित रखा जाएगा। निरीक्षण के दौरान डॉ. रामविजय शर्मा, सेवानिवृत्त तहसीलदार राजेन्द्र कुमार ब्रम्हे, इतिहासकार एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण नागपुर से सेवानिवृत्त अधिकारी, समाजविद् दिनेश कुमार नेमा, उमेश सैय्याम, विजय कुमार, हिरेश वाग सहित अनेक स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आरोह 2026 समर कैंप का हुआ औचक निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। लांजी। खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित आरोह 2026 ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत विकासखंड लांजी में रानी अवंती बाई खेल परिसर एवं शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान में निरंतर वा ॅ ली बा ॅ ल कबड्डी एवं एथलेटिक्स प्रशिक्षण का आयोजन संचालित किया जा रहा है। इसी दौरान गत दिवस जिला खेल अधिकारी खेल और युवा कल्याण विभाग राहुल बारेसा द्वारा विकासखंड लांजी में संचालित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का निरीक्षण किया गया। जिला खेल अधिकारी ने ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में चल रही विभिन्न खेल गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए खिलाड़ियों से संवाद किया एवं खिलाड़ियों के अनुभव एवं सुझाव सुने साथी उपस्थित खिलाड़ियों की समस्याओं का समाधान भी किया इस दौरान जिला खेल अधिकारी के द्वारा बताया गया कि शिविर का उद्देश्य जिले ब्लॉक के युवाओं एवं विद्यार्थियों में खेल कौशल,शारीरिक फिटनेस और व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना है खेलों के साथ-साथ युवाओं में नेतृत्व क्षमता बढ़ाने नशे से दूर रहने एवं मोबाइल फोन को अपने से दूर कैसे रखें इसके सुझाव दिए। यह शिविर ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों की प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है इसलिए सभी अधिक से अधिक लोगों इसमें शामिल होकर अपने आप को स्वस्थ बनाने के साथ आसपास के वातावरण को सुंदर बनाएं। साथ ही विकासखंड युवा समन्वयक प्रज्ञात वासनिक ने बताया कि इस ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में लगातार खिलाड़ियों की संख्या में वृद्धि हो रही है एवं सभी खिलाड़ी सुबह 5ः30 बजे से 8ः00 बजे एवं शाम 5ः00 बजे से 8ः00 तक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही खिलाड़ियों को अंकुरित अनाज सुबह के समय वितरित किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा, विधायक जिला पंचायत विधायक प्रतिनिधि गौरव बैस, विकासखंड समन्वयक लांजी प्रज्ञात वासनिक,विकासखंड समन्वयक बालाघाट लव पटेल नगपुरे, खेल प्रशिक्षक नवीन मात्रे, भगवन्ति खान, एवं सभी सीनियर खिलाडी उपस्थित रहे।

37 वीं जिलास्तरीय तैराकी प्रतियोगिता 24 को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला तैराकी संघ बालाघाट के प्रवक्ता संजीव चीनू जैन ने प्रेसविज्ञप्ति जारी कर बताया कि जिला तैराकी संघ बालाघाट के तत्वाधान में दिनांक 24 मई दिन रविवार को, 37 वीं जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल डोंगरिया के स्वीमिंग पूल में प्रातः 7 बजे से आयोजित की जाएगी । तैराकी प्रतियोगिता विभिन्न विधाओं में फ्री स्टाईल, बैक स्टोक, ब्रेस्ट स्टोक एवं बटर फ्लाई तथा रेले जो कि बालक - बालिका जूनियर ग्रुप एवं सब जूनियर ग्रुप और सीनियर खिलाडी की उम्र अनुसार ग्रुप ,सीनियर आयु 17 से 18 वर्ष, ग्रुप।। - आयु 15 से 16 वर्ष, ग्रुप।।। आयु13 से 14 वर्ष एवं ग्रुप - आयु 11 से 12 वर्ष ग्रुप- आयु 9 से 10 वर्ष में भाग ले सकेंगे। समस्त तैराकी प्रतियोगिताएं जबलपुर से आए एन.आई.एस. तैराकी कोच प्रशांत कुशवाहा, योगेन्द्र सिंह ठाकुर, कु अनिता पन्द्राम के मार्गदर्शन में सम्पन्न होगी। तैराकी प्रतियोगिताएं 25 मीटर, 50 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर में होगी तथा बालक-बालिकाओं के सभी आयु वर्गो में आयोजित होगी। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बालक-बालिका अपने नाम एवं इवेंट आयु अनुसार आयु सत्यता हेतु जन्म प्रमाण पत्र, अंक सूची की मुल प्रति के साथ अंतिम तिथि 21 मई सायं 7 बजे तक तैराकी संघ के कार्यालय धनराज कॉम्प्लेक्स अथवा प्रातः बजरंग घाट में पंजीयन करा लें उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी / तैराक इस वर्ष रीवा शहर में स्थित मिहिर सेन तरण ताल सिविल लाईन्स रीवा में दिनांक 30 मई से 03 जून तक आयोजित 54 वीं राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता/चैम्पियनशिप 2026 में बालाघाट टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे एवं राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे तैराकी संघ के अध्यक्ष संजीव अग्रवाल भाउ, सचिव महेन्द्र सुराना उपाध्यक्ष नितेन्द्र श्रीवास्तव, शिव मुनेश्वर, लक्ष्मी नागेश्वर, संदीप सिंह चंदेल, सुरेश रंगलानी राजेश वर्मा, कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रवाल, उत्पान सिंह ठाकुर, संजय भोयरकर सुनिल सुनहरी, मनोहर इसरानी, ज्ञानीराम बाहे, संजीव चीनू जैन, विनोद तेजवानी मनीष सोनी, मोती दत्ता, रामप्रसाद डहरिया, महेन्द्र रामटेककर, दीपक कसार, श्रीमती सुषमा नाविक, श्रीमती ज्योति रहांगडाले, श्रीमती स्वाती टेम्भरे ने तैराकों से अधिक से अधिक संख्या में जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की है।

सरकारी कर्मचारियों की छुट्टी के नए नियम तय

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों के अवकाश (छुट्टी) स्वीकृत करने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने के लिए नए नियमों का निर्धारण किया है। 'मध्य प्रदेश सिविल सेवा अवकाश नियम' के अंतर्गत वित्त विभाग द्वारा इस संबंध में एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया गया है। नए दिशा-निर्देशों के तहत अब तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों से लेकर प्रथम और द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों तक की छुट्टी मंजूर करने का क्राइटेरिया पूरी तरह तय कर दिया गया है।

कलेक्टर और कार्यालय प्रमुखों को मिले नए अधिकार

नए नियमों के अनुसार, शासन ने विकेंद्रीकरण की नीति अपनाते हुए स्थानीय स्तर पर छुट्टी मंजूर करने के अधिकार सौंपे हैं। तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के अवकाश स्वीकृत करने का पूरा अधिकार अब संबंधित कार्यालय प्रमुख के पास होगा। वे नियमों के दायरे में रहकर अपने स्तर पर ही छुट्टी मंजूर कर सकेंगे। अधिकतम अवधि नए क्राइटेरिया के तहत कर्मचारी एक बार में अधिकतम 120 दिनों तक का अवकाश ले सकेंगे। शासकीय सेवा के द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को अवकाश की अनुमति देने का अधिकार अब सीधे जिला कलेक्टर को सौंप दिया गया है।

वित्त विभाग के आदेश के मुताबिक, उच्च पदस्थ अधिकारियों की छुट्टियों के लिए प्रक्रिया को और अधिक स्पष्ट किया गया है। प्रथम श्रेणी अधिकारी- प्रथम श्रेणी के अधिकारियों को अवकाश की स्वीकृति अब संबंधित विभागाध्यक्ष कार्यालय द्वारा दी जाएगी। संचनालय और कोष स्तर- संचालनालय स्तर पर व्यवस्था को मजबूत करते हुए कार्यालय प्रमुख, संचालक और कोष आयुक्त को उनके अधीनस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों के अवकाश स्वीकृत करने के विशेष अधिकार दिए गए हैं। इस नए नियम और क्राइटेरिया के लागू होने से अब शासकीय विभागों में छुट्टियों को लेकर होने वाली फाइलों की देरी पर लगाम लगेगी और प्रशासनिक कामकाज में तेजी आएगी।

किराए की आंगनवाडियां बंद होंगी...

भोपाल। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित आंगनवाड़ी केंद्रों को लेकर बड़ा प्रशासनिक बदलाव सामने आया है। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में निजी भवनों में चल रही आंगनवाड़ियों को अब सरकारी स्कूलों के खाली कमरों में स्थानांतरित करने की तैयारी शुरू हो गई है। प्रदेशभर में ऐसे आंगनवाड़ी केंद्रों को चिन्हित किया गया है जिनका हर महीने सरकार को किराया चुकाना पड़ता है। एक तरफ तो सरकार सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में लाइट, पानी, वाटर प्यूरीफायर, आरओ, टीवी आदि लगाने के निर्देश दे रही है, वहीं दूसरी तरफ निजी खातों में जा रहे फंड को बचाने की भी कवायद की जा रही है। ऐसी आंगनवाड़ियां, जो निजी घरों में संचालित हो रही हैं, उन्हें अब शिफ्ट किया जाएगा।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

आज तबादला नीति 2026 को मिलेगी मंजूरी

मोहन यादव कैबिनेट बैठक में तबादलों की लिमिट और अवधि पर होगी चर्चा

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार की वर्ष 2026 की नई तबादला नीति को बुधवार को डॉ. मोहन यादव कैबिनेट मंजूरी देगी। इसका ड्राफ्ट सामान्य प्रशासन विभाग ने तैयार कर लिया है और मुख्यमंत्री सचिवालय को भेज दिया गया है। ड्राफ्ट के प्रस्तावों पर मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के बीच चर्चा के बाद इसे कैबिनेट में लाने के लिए प्रस्तावित किया जाएगा। मंत्रियों की सहमति मिलने के बाद इसे स्वीकृति दी जाएगी। इसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग आदेश जारी करेगा। इस तबादला नीति में स्वैच्छिक और प्रशासनिक तबादलों की लिमिट अलग-अलग रखी जा सकती है।

इससे पहले 11 मई को हुई कैबिनेट बैठक के दौरान मंत्री विजय शाह ने स्वैच्छिक तबादलों की लिमिट न रखने का आग्रह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से किया था। इस पर सीएम ने विचार करने की बात कही थी। साथ ही अगली कैबिनेट बैठक में तबादला नीति का प्रस्ताव रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए थे। पूर्व में कैबिनेट बैठकसोमवार को प्रस्तावित थी, लेकिन मंत्रियों की परफॉर्मेंस रिव्यू मीटिंग और निगम-मंडल अध्यक्ष-उपाध्यक्षों की ट्रेनिंग के चलते बैठक टाल दी गई। मंगलवार को सीएम दिनभर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा ली जाने वाली क्षेत्रीय परिषद की बैठक में व्यस्त रहे। इस कारण मंगलवार को भी कैबिनेट बैठक नहीं हो सकी। अब बुधवार को सुबह 11 बजे से मंत्रालय में कैबिनेट बैठक होगी, जिसमें अन्य एजेंडों के साथ तबादला नीति का प्रस्ताव भी लाया जाएगा।

प्रशासनिक और स्वैच्छिक तबादले अलग

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, अब तक जारी होने वाली तबादला नीति में स्वैच्छिक और प्रशासनिक तबादलों की लिमिट तय रहती थी। कुल कार्यरत कर्मचारियों के 10 से 15 फीसदी तबादलों को ही अनुमति दी जाती थी। इस व्यवस्था में स्वैच्छिक और आपसी (म्युचुअल) तबादले भी इसी कोटे का हिस्सा होते थे। इससे प्रशासनिक आधार पर जरूरी फेरबदल की गुंजाइश कम बचती थी। ऐसे में जहां वास्तव में कर्मचारियों की जरूरत होती थी, वहां ट्रांसफर नहीं हो पाते थे। अब प्रशासनिक तबादले अधिक हो सकेंगे। बुधवार को आने वाली तबादला नीति में स्वैच्छिक और प्रशासनिक तबादलों के लिए अलग-अलग व्यवस्था होने की उम्मीद है।

हर बार की तरह स्कूल शिक्षा की पॉलिसी अलग

तबादलों के लिए सभी विभाग ऑनलाइन आवेदन जमा कराएंगे। यह प्रस्ताव भी है कि स्कूल शिक्षा विभाग की तबादला नीति हर साल की तरह इस साल भी अलग रहेगी। इसके अलावा जनजातीय कार्य, राजस्व विभाग और ऊर्जा विभाग जैसे कुछ अन्य विभाग भी अपनी अलग ट्रांसफर पॉलिसी जारी कर सकते हैं, लेकिन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी तबादला नीति के मूल तत्वों से अलग कोई विभाग नीति नहीं बना सकेगा।

जिलों में प्रभारी मंत्री और कलेक्टर को पावर

तबादला नीति के प्रस्तावों में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को जिले के भीतर प्रभारी मंत्रियों और कलेक्टरों के जरिए स्थानांतरित किया जाएगा। प्रभारी मंत्री के अनुमोदन के बाद कलेक्टर तबादला सूची जारी करेंगे। वहीं प्रथम श्रेणी के अधिकारियों के तबादले के लिए मुख्यमंत्री की मंजूरी अनिवार्य होगी। प्रस्तावित नीति में पिछले एक वर्ष के भीतर स्थानांतरित किए गए कर्मचारियों का सामान्य परिस्थितियों में दोबारा तबादला नहीं किया जाएगा।

पेट्रोल और डीजल पर टैक्स में कमी कर 10 रुपए प्रति लीटर की राहत दे राज्य सरकार- कमलनाथ

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने प्रदेश सरकार से पेट्रोल डीजल पर लगने वाले टैक्स में कटौती करने की मांग की है।

कमलनाथ ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर लिखा है कि एक हफ्ते के भीतर पेट्रोल और डीज़ल की क़ीमतों में दुबारा वृद्धि की गई है। पेट्रोल और डीजल आज मंगलवार से 90 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया है। सरकार पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत में वृद्धि के पीछे अंतरराष्ट्रीय कारण बता रही है लेकिन सचाई यह है कि मध्य प्रदेश की जनता के लिए बाहरी कारणों की तुलना में राज्य सरकार के टैक्स कीमत वृद्धि का सबसे बड़ा कारण है। मध्य प्रदेश में उत्तर प्रदेश की तुलना में पेट्रोल की कीमत औसतन 13 रुपए और डीजल की कीमत 4 रुपए प्रति लीटर अधिक है।

मध्य प्रदेश सरकार पेट्रोल पर 29 वैट + 2.5 रुपए + 1 सेस ले रही है, वहीं डीजल पर मध्य प्रदेश सरकार 19 वैट + 1.5 रुपए + 1 सेस ले रही है।

स्पष्ट है कि मध्य प्रदेश के नागरिक पेट्रोल पर 30 रुपए से अधिक और डीजल पर 20 रुपए से अधिक टैक्स के रूप में राज्य सरकार को दे रहे हैं। इस टैक्स का अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों से कोई संबंध नहीं है।

इस कारण भोपाल में एक लीटर पेट्रोल 110.75 रुपए और डीजल 95.91 रुपए का हो गया है। इंदौर-जबलपुर में प्रति लीटर पेट्रोल के नए रेट 110.79 रुपए, ग्वालियर में 110.69 रुपए और उज्जैन में 111.27 रुपए हो गए हैं। वहीं, उज्जैन में डीजल 96.40 रुपए में मिलेगा। यह भोपाल में 95.91 रुपए, इंदौर में 95.97 रुपए, जबलपुर में 95.98 रुपए और ग्वालियर में 95.86 रुपए प्रति लीटर में मिलेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने माँग की है कि मध्य प्रदेश सरकार तत्काल इस टैक्स में कटौती करे ताकि मध्य प्रदेश की जनता को सबसे महँगा डीजल और पेट्रोल नहीं ख़रीद पड़े। मध्य प्रदेश सरकार तत्काल डीजल और पेट्रोल की कीमतों में 10 रुपए प्रति लीटर की कमी करे।

उन्होंने कहा कि टैक्स कम करने से ना सिर्फ़ जनता को फ़ायदा होगा बल्कि सरकार को भी नुकसान नहीं होगा। डीजल महँगा होने की वजह से ट्रक और अन्य भारी वाहन प्रदेश की तुलना में अन्य राज्यों से तेल भरवाना बेहतर समझ रहे हैं। इसके अलावा सीमावर्ती जिला के लोग अन्य प्रदेश से ईंधन ले रहे हैं। इससे मध्य प्रदेश को राजस्व नुकसान हो रहा है।

पेट्रोल-डीजल पर तुरंत वेट में कटौती करे- उमंग सिंघार

देश भर में पेट्रोल डीजल के दाम में बढ़ोत्तरी का विरोध करते हुए मप्र विधान सभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मप्र सरकार से पेट्रोल-डीजल पर लगने वाला टैक्स कम करने की मांग की है ताकि जनता को राहत मिल सके। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आज देश के बड़े शहरों में भोपाल सबसे महंगे पेट्रोल वाले शहरों में शामिल है। दिल्ली में पेट्रोल लगभग रू98.67 प्रति लीटर है, जबकि भोपाल में वही पेट्रोल रू110.70 प्रति लीटर बिक रहा है। यानी मध्यप्रदेश की जनता हर लीटर पर दिल्ली से लगभग रू12 ज्यादा चुका रही है।

मप्र में 70 हजार अतिथि शिक्षकों की भर्ती शुरू

बिना वेरिफिकेशन नहीं मिलेगा मौका, 28 मई तक प्रोफाइल अपडेट और आईडी मर्ज होगी

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में नए शैक्षणिक सत्र से पहले अतिथि शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। स्कूल शिक्षा विभाग ने जीएफएमएस पोर्टल पर प्रोफाइल अपडेट और दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार इस बार प्रदेशभर में करीब 70 हजार अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति होनी है। हालांकि विभाग ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि बिना मूल दस्तावेजों के सत्यापन के किसी भी अभ्यर्थी का स्कोर कार्ड जनरेट नहीं होगा।

बता दें कि स्कूल शिक्षा विभाग ने पोर्टल में कई नए बदलाव किए हैं। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कार्य कर चुके अभ्यर्थी जुलाई 2025 से मार्च 2026 तक का अनुभव पोर्टल 3.0 पर दर्ज कर सकेंगे। विभाग ने बोर्ड और यूनिवर्सिटी का नाम दर्ज करना भी अनिवार्य कर दिया है। जिन अभ्यर्थियों की एक से अधिक आईडी बनी हुई हैं, वे 22 मई से 28 मई 2026 तक उन्हें मर्ज कर सकेंगे। इसी अवधि में प्रोफाइल लॉक कराने और संकुल प्राचार्य से सत्यापन की प्रक्रिया भी पूरी करनी होगी।

नो वेरिफिकेशन, नो स्कोर कार्ड की सख्ती

विभाग ने इस बार चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। अभ्यर्थियों को दस्तावेज अपलोड करने के बाद संकुल प्राचार्य से भौतिक सत्यापन कराना अनिवार्य होगा। प्राचार्य मूल दस्तावेजों से मिलान कर जानकारी की पुष्टि करेंगे। गलत जानकारी या अपूर्ण योग्यता पाए जाने पर आवेदन तत्काल निरस्त कर दिया जाएगा। वहीं हायर सेकंडरी के कला संकाय में भूगोल विषय वाले अभ्यर्थियों को आर्ट विद ज्योग्राफी विकल्प चुनने के निर्देश दिए गए हैं।

इन विषयों में सबसे ज्यादा रिक्तियां

विभाग की विषयवार सूची के अनुसार माध्यमिक शिक्षक वर्ग में अंग्रेजी, गणित और संस्कृत विषयों में सबसे अधिक पद खाली हैं। वहीं नियमित शिक्षकों की कमी के चलते इन विषयों में पढ़ाई भी प्रभावित हो रही थी। इसी वजह से विभाग समय रहते भर्ती प्रक्रिया पूरी करने में जुटा है। इधर दूसरी ओर अतिथि शिक्षक नियमितीकरण और 62 वर्ष तक सेवा करने समेत अन्य मांगे भी शासन से कर रहे हैं। बता दें कि 16 जून से स्कूल खुलने के बाद अतिथि शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में तेजी आएगी, जबकि 1 जुलाई से स्कूलों में अतिथि शिक्षकों की पदस्थापना का लक्ष्य रखा गया है।

वन विभाग के प्रतिनिधि मंडल ने एमडी लघु वनोपज संघ को सोपा ज्ञापन

भोपाल । मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच वन विभाग के प्रतिनिधि मंडल ने आज मध्य प्रदेश राज्य लघु वनोपज संघ के प्रबंध संचालक कमालिका मोहंता को ज्ञापन सौपा । प्रबंध संचालक ने एक माह में मांगों का परीक्षण करके निराकरण करके आश्वासन दिया। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच वन विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि सर्वोच्च न्यायालय एवं शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के स्पष्ट आदेश होने के बाद भी राज्य लघु वनोपज संघ का प्रशासन वाहन चालक दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को 10 साल की सेवा पूर्ण होने के बाद भी नियमित कारण का लाभ नहीं दे रहा है जिस कारण वाहन चालकों को आर्थिक नुकसान हो रहा है और वाहन चालक दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त हो गया है। पांडे ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने उमा देवी बानाम कर्नाटक सरकार के मामले में स्पष्ट आदेश पारित करा है कि 10 साल की सेवा पूर्ण कर चुके दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को विभाग में रिक्त पदों पर नियमित किया जाए जिसके परिपेक्ष में सामान्य प्रशासन विभाग मध्य प्रदेश शासन ने भी स्पष्ट आदेश जारी कर चुका है 10 साल की सेवा पूर्ण कर चुके दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को विभाग के रिक्त पदों पर नियमित किया जाए लेकिन राज्य लघु वनोपज संघ का प्रशासन वाहन चालक के पद रिक्त होने के बादजूद भी राज्य लघु वनोपज संघ में कार्यरत वाहन चालक दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित नियुक्ति देने का आदेश जारीनहीं कर रहा है जो कि न्यायालय आदेश की अब मानना है आज संगठन ने प्रबंध संचालक को ज्ञापन के माध्यम से स्पष्ट अवगत करा दिया है कि यदि एक माह में वाहन चालक दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को रिक्त वाहन चालक के पदों पर नियमित नहीं किया गया तो संगठन वाहन चालक दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के नियमित करण के विषय को लेकर राज्य उच्च न्यायालय जबलपुर में याचिका दायर करेगा।

प्रदेश में अगले साल प्रस्तावित पंचायत-निकाय चुनाव की तैयारी तेज

- मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए प्रेक्षक नियुक्त

भोपाल। प्रदेश में अगले साल प्रस्तावित पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों की तैयारियां तेज हो गई हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायतों और नगरीय निकायों की मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत कई जिलों के लिए प्रेक्षकों की नियुक्ति कर दी है। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 18 जून को किया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार मतदाता सूची पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए सेवानिवृत्त आईएएस और राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आयोग का उद्देश्य है कि चुनाव से पहले मतदाता सूची को पूरी तरह अद्यतन और त्रुटिरहित बनाया जा सके। आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि इंदौर, ग्वालियर, रीवा, शहडोल, नर्मदापुरम, बैतूल, रायसेन, सीधी, डिंडोरी और अन्य जिलों के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। वहीं कटनी, सतना, शिवपुरी, देवास, सागर, दमोह और दतिया सहित कई जिलों में सेवानिवृत्त राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक प्रेक्षक मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की निगरानी करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल हों तथा किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो। माना जा रहा है कि पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों को देखते हुए सरकार और निर्वाचन आयोग दोनों स्तर पर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। प्रदेश में पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव अगले वर्ष होने हैं, ऐसे में मतदाता सूची का पुनरीक्षण चुनावी प्रक्रिया का अहम हिस्सा माना जा रहा है। राजनीतिक दल भी अब ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में अपनी सक्रियता बढ़ाने लगे हैं।

रिटायर्ड कर्नल का परिचित बनकर सायबर ठग ने लगाई डेढ़ लाख की चपत

भोपाल। कोलार इलाके में रहने वाले 81 साल के सेवानिवृत्त कर्नल को सायबर ठग ने परिचित बनकर कॉल लगाते हुए अपने चचेरे भाई के दिल में स्टंट डलने में मदद मांगते हुए करीब डेढ़ लाख रुपए की चपत लगा दी। आरोपी ने खुद को फरियादी के अफसर का मित्र बताकर एक फर्जी डॉक्टर के नंबर पर रकम ट्रांसफर करा ली। आरोप है कि ठग ने उनका मोबाइल हैक कर लिया था। पुलिस के मुताबिक साईं हिल्स कॉलोनी कोलार निवासी अरुण कुमार सिंह परमार (81) सेना के रिटायर्ड कर्नल हैं। बीती 14 मई की रात करीब 11 बजे उनके मोबाइल पर अज्ञात व्यक्ति ने कॉल कर कहा कि वह उनके पूर्व सेना अधिकारी का दोस्त गुलशन है।

नगर निगमों को मिलेगी फ्री बिजली

भोपाल। राज्य सरकार द्वारा बनाई जा रही योजना के अनुसार अब नगर निगमों के लिए जबलपुर में बिजली बनेगी। इस योजना में प्रदेश का सबसे बड़ा 220 मेगावाट का सोलर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जाएगा। इस संयंत्र की लागत 500 करोड़ रुपए होने की संभावना है। अब अर्बन डेवलपमेंट कंपनी द्वारा इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया गया है। प्रदेश के नगरीय प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे द्वारा रुचि लिए जाने के कारण प्रदेश में अपने तरह का पहला प्रोजेक्ट तैयार किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत प्रदेश के सभी नगर निगम के लिए राज्य सरकार द्वारा एक स्थान पर सोलर प्लांट लगाकर बिजली बनाई जाएगी। यह बिजली इस प्लांट से बिजली कंपनी को दे दी जाएगी और जितनी बिजली दी जाएगी उतनी बिजली का बिल संबंधित नगर निगम का माफ हो जाएगा। पहली बार राज्य सरकार द्वारा 220 मेगावाट का बड़ा सोलर प्लांट जबलपुर के कठौंदा में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए जमीन के चयन का काम पूरा हो गया है। इस प्लांट की स्थापना पर मोटे तौर पर 500 करोड़ रुपए का खर्च आने की उम्मीद है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए राज्य सरकार द्वारा पुल ग्रीन बांड जारी कर पावर प्लांट की स्थापना के लिए पैसे की व्यवस्था की जाएगी। अब पूरे प्रदेश के नगर निगमों के लिए जबलपुर में संयंत्र लगाने की दिशा में पहल शुरू हो गई है। इसके लिए अब राज्य सरकार द्वारा पहले तो डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करवाने का काम किया जाएगा। इसके बाद फिर बांड के माध्यम से राशि जुटाई जाएगी और यह पावर प्लांट लगाया जाएगा।

आज बंद रहेंगे मप्र के मेडिकल स्टोर्स

- भोपाल में 3 हजार दुकानों पर असर; दवा की ऑनलाइन बिक्री का विरोध

भोपाल। मध्य प्रदेश में बुधवार को दवा दुकानों की हड़ताल रहेगी। भोपाल में 3 हजार से ज्यादा मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स ने ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में यह बंद बुलाया है। भोपाल केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र धाकड़ ने बताया कि जिले के सभी रिटेल और थोक दवा व्यवसायी इस बंद का समर्थन करेंगे और 20 मई को अपनी दुकानें बंद रखेंगे। एसोसिएशन का कहना है कि यह मुद्दा सीधे आम लोगों की सेहत से जुड़ा है। घर-घर पहुंच रही ऑनलाइन दवाओं की गुणवत्ता और निगरानी को लेकर अभी स्पष्ट सिस्टम नहीं है, जो गंभीर चिंता का विषय है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष धाकड़ ने बताया कि ऑनलाइन दवा व्यापार की आड़ में नकली, एक्सपायरी एवं गलत दवाओं के वितरण की संभावनाएं बढ़ रही हैं, जिससे मरीजों की जान जोखिम में पड़ सकती है। उन्होंने भोपाल की जनता से इस बंद के कारण होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है तथा नागरिकों से अपील की है कि वे 20 मई से पूर्व ही अपनी नियमित उपयोग की आवश्यक दवाओं का संग्रह कर लें। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि अस्पतालों के अंदर संचालित मेडिकल स्टोर्स को इस बंद से मुक्त रखा गया है, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

एसआईआर के बाद भी वोटर लिस्ट में गड़बड़ी बरकरार

भोपाल। मध्यप्रदेश में मतदाता सूची की शुद्धता को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्पेशल समरी रिवीजन (एसआईआर) के बाद भी राज्य की वोटर लिस्ट में बड़ी खामियां सामने आई हैं। विधानसभा चुनावों और स्थानीय निकायों की मतदाता सूचियों के बीच करीब 58 लाख मतदाताओं का अंतर दर्ज किया गया है। डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम हटाए गए पर अभी भी उनके नाम मौजूद होने का दावा किया जा रहा है।

आंकड़ों के अनुसार, केंद्रीय चुनाव आयोग की विधानसभा वार सूची में राज्य में कुल 5 करोड़ 39 लाख मतदाता दर्ज हैं, जबकि राज्य निर्वाचन आयोग की नगरीय निकाय और पंचायत सूचियों में यह संख्या बढ़कर 5 करोड़ 97 लाख तक पहुंच रही है। यह अंतर तब सामने आया है जब अगले वर्ष जून-जुलाई में प्रदेश में 413 नगरीय निकायों और लगभग 23 हजार ग्राम पंचायतों के चुनाव होने हैं।

जानकारी के मुताबिक, एसआईआर प्रक्रिया में जिन डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम हटाए गए थे, उनमें से कई नाम अब भी स्थानीय निकायों की मतदाता सूचियों में मौजूद होने की आशंका है। राज्य निर्वाचन आयोग ने अपडेटेड सूची प्राप्त करने के लिए केंद्रीय चुनाव आयोग को पांच बार रिमाइंडर भेजा, लेकिन सूची उपलब्ध नहीं कराई गई। इसके बाद आयोग ने 22 अप्रैल से जिला स्तर पर अलग से मतदाता सूचियों की जांच और अपडेट की प्रक्रिया शुरू की। इस दौरान यह भी सामने आया कि बड़ी संख्या में मतदाता एक से अधिक स्थानों पर दर्ज हैं या फिर गांव से शहरों में स्थानांतरित होने के बावजूद उनका नाम पंचायत सूची से नहीं हटाया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि आयोग ने एसआईआर के बाद की अपडेटेड सूची मांगी थी, लेकिन उपलब्ध न होने पर अब जिला स्तर पर पुन: सत्यापन किया जा रहा है। पड़ताल में मुख्य रूप से तीन तरह की गड़बड़ियां सामने आई हैं— डुप्लीकेट मतदाता, एक से अधिक निकायों में दर्ज नाम, और शिफ्टेड वोटर जिनका स्थान परिवर्तन होने के बाद भी पुराने रिकॉर्ड में नाम बरकरार है।

बाघों की कब्रगाह बना कान्हा नेशनल पार्क!

- एक और टाइगर की मौत, पिछले एक महीने में 8 मौतें

भोपाल। कान्हा टाइगर रिजर्व में बाघों की मौत का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार सुबह एक और टाइगर की मौत हो गई। खापा रेंज के पास गश्त दल को जंगल में एक बाघ का शव पड़ा मिला है। बताया जा रहा है कि आपसी संघर्ष में बाघ की मौत हुई है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही बाघ की मौत के कारणों की पुष्टि हो पाएगी। महावीर(बाघ) की उम्र लगभग 5 से 6 साल थी और रूक्क- 3 बाघिन का बेटा था। मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध कान्हा नेशनल पार्क में लगभग एक माह मे 8 बाघों की मौत हो चुकी है। इनमें एक बाघिन समेत उसके 4 शावकों की मौत भी शामिल है। लेकिन टाइगर रिजर्व में बाघों की मौत का सिलसिला जारी है। 21 अप्रैल को अमाही नाला के पास 16 महीने के एक नर शावक का शव बरामद हुआ। पोस्टमार्टम में पाया गया कि शावक का पेट पूरी तरह खाली था, जिससे भूख से मौत की आशंका जताई गई। इसके दो दिन बाद 23 अप्रैल को एक अन्य नर शावक की मौत की खबर सामने आई। डॉग स्क्वॉड और हाथियों की मदद से क्षेत्र में व्यापक अभियान चलाया गया, लेकिन मौत के स्पष्ट कारण सामने नहीं आ सके।

मप्र की राजनीति में भाजपा नेताओं के नए विवाद का तूफान

मंत्री संपतिया और नागर सिंह के बीच बढ़ा टकराव

भोपाल। मप्र की राजनीति में अक्सर विवादों का मौसम बना रहता है, लेकिन हाल ही में दो वरिष्ठ मंत्रियों के बीच एक ऐसा तूफान आया है, जिसने राज्य के राजनीतिक गलियारों को हिला दिया। मामला मंत्री संपतिया उइके और मंत्री नागर सिंह चौहान के बीच सीधे टकराव का है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब राज्य की महिला एवं स्वास्थ्य मंत्री संपतिया उइके ने वन-टू-वन बैठक के दौरान अपने कैबिनेट सहयोगी और वरिष्ठ मंत्री नागर सिंह चौहान के शराब कारोबार पर सवाल उठाए। यह टिप्पणी न सिर्फ मंत्रियों के बीच तनातनी का कारण बनी, बल्कि मीडिया और राजनीतिक गलियारों में भी इसका बड़ा असर पड़ा।

मप्र की राजनीति में यह विवाद सिर्फ दो मंत्रियों के बीच नहीं, बल्कि पूरे संगठन की कार्यप्रणाली, अनुशासन और सार्वजनिक छवि पर असर डाल रहा है। मंत्री संपतिया और नागर सिंह चौहान के टकराव ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। संगठन और वरिष्ठ नेताओं के सामने चुनौती यह है कि वे इस विवाद को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाएं और भविष्य में ऐसे टकरावों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएं। राजनीतिक विश्लेषक इसे मप्र में सत्ता संघर्ष, व्यक्तिगत हितों और संगठनात्मक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन का एक महत्वपूर्ण मामला मानते हैं। यह विवाद यह भी दिखाता है कि प्रदेश की राजनीति में विवादों और आरोपों की कोई कमी नहीं है, लेकिन संगठन की क्षमता और निर्णय लेने की तत्परता ही यह तय करेगी कि विवाद कितने समय तक चलता है और इसका राजनीतिक असर कितना गहरा होगा।

संपतिया उईके अज्ञातवास में

मंत्री संपतिया उइके और मंत्री नागर सिंह चौहान दोनों ही प्रदेश की राजनीति में अपने विवादित बयानों और निर्णयों के लिए जाने जाते हैं। संपतिया उइके, जिनके नेतृत्व में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में करोड़ों की गड़बड़ियों का मामला सामने आया था, को पहले भी विधानसभा में जवाब देना पड़ा और केंद्र सरकार को मप्र के हिस्से की राशि रोकनी पड़ी थी। ऐसे में उनका सवाल उठाना कि किसी मंत्री का शराब कारोबार चल रहा है, और उसके आधार पर समन्वय असंभव है, न केवल राजनीतिक रूप से संवेदनशील था, बल्कि यह सीधे संगठन की भी चिंता का विषय बन गया। नागर सिंह चौहान ने इस आरोप पर गुस्सा जताया और कहा कि मंत्री संपतिया के इस बयान से उनके खिलाफ षड्यंत्र रचा जा रहा है। विवाद की गंभीरता को देखते हुए मंत्री संपतिया ने मीडिया से संपर्क करना बंद कर दिया और कथित तौर पर भूमिगत हो गई हैं।

संगठन ने किया तत्काल हस्तक्षेप

भाजपा संगठन के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय महामंत्री शिवप्रकाश तथा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने इस विवाद को सुलझाने के लिए तत्काल हस्तक्षेप किया। दो दिन तक वन-टू-वन बैठक आयोजित की गई, जिसमें मंत्रियों को उनके विभागों और कार्यप्रणाली पर सवालों का सामना करना पड़ा। इनमें मंत्री राकेश सिंह, तुलसीराम सिलावट, चैतन्य काश्यप, प्रतिमा बागरी समेत 12 अन्य मंत्रियों ने भी रिपोर्ट कार्ड पेश किया। संगठन ने मंत्रियों से कहा था कि किसी भी वार्ता का कोई अंश बाहर नहीं जाना चाहिए, लेकिन इसके बावजूद मंत्री संपतिया और नागर सिंह चौहान के विवाद ने मीडिया में जगह बना ली। नागर सिंह चौहान ने संगठन के सामने स्पष्ट रूप से अपनी आपत्ति दर्ज कराई और कहा कि उनके खिलाफ प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। वन-टू-वन बैठक में संगठन ने कई मंत्रियों को यह स्पष्ट कर दिया था कि किसी भी बातचीत का कोई भी अंश बाहर न जाए। बावजूद इसके, विवाद सार्वजनिक हो गया। नागर सिंह चौहान ने पूरे दिन उखड़े हुए व्यवहार का प्रदर्शन किया और संगठन से स्पष्ट कार्रवाई की मांग की। उनका कहना था कि मंत्री संपतिया के हवाले से उनके खिलाफ जो प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, उसे समाप्त किया जाए। संगठन के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण है। एक ओर वरिष्ठ मंत्री संपतिया ने आरोप लगाए हैं, वहीं दूसरी ओर संगठन को अपने अनुशासन और गोपनीयता की बातों का पालन भी करना है। इस विवाद से न केवल मंत्रियों के बीच टकराव बढ़ा है, बल्कि पार्टी की छवि और संगठनात्मक साख पर भी सवाल उठे हैं।

विवादित मंत्रियों की लंबी सूची

मप्र में विवादित नेताओं की लंबी सूची रही है, लेकिन कार्रवाई बहुत कम ही हुई। राजेंद्र शुक्ल, डिप्टी सीएम, कफ सिरप से मौतों के मामले में विवादों में आए, लेकिन उन्हें क्लीनचिट मिली। मंत्री विजय शाह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विवादित टिप्पणी की थी, जबकि कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर के दूषित जल कांड पर मीडिया से अशिष्टता दिखाई। इंदर सिंह परमार ने समाज सुधारक राजा राममोहन राय को अंग्रेजों का दलाल कहा और बाद में खेद जताया। एदल सिंह कंधाना ने मुरैना में अवैध रेत खनन मामले में विवादित बयान दिया। प्रतिमा बागरी और नरेंद्र शिवाजी पटेल भी विवादों से घिरे रहे। यह सूची स्पष्ट करती है कि प्रदेश में विवाद और आरोपों की कोई कमी नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह विवाद मप्र की राजनीति में शक्ति संतुलन और व्यक्तिगत हितों के टकराव को उजागर करता है। मंत्री संपतिया ने न केवल नागर सिंह चौहान के खिलाफ सवाल उठाए, बल्कि संगठन के सामने स्पष्ट कर दिया कि शराब कारोबार के कारण कोई समन्वय संभव नहीं है। यह बयान न केवल व्यक्तिगत आरोपों को दर्शाता है, बल्कि यह संगठनात्मक निर्णयों और विभागीय सहयोग पर भी सवाल उठाता है।

प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी केकेआर

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम बुधवार को यहां अपने घरेलू मैदान ईडन गार्डन में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज कर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी। इस मैच में अगर केकेआर हारती है तो वह टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। आजिंक्य रहाणे की कप्तान में उतरी केकेआर की राह आसान नहीं होगी क्योंकि मुम्बई की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है और अब वह बिना किसी दबाव के निडर होकर खेलेगी। मुम्बई इस मैच को जीतकर टूर्नामेंट का अपना सफर सम्मानजनक तरीके से समाप्त करना चाहेगी। उसके पास खोने को कुछ नहीं है, ऐसे में इस मैच में पूरा दबाव केकेआर पर रहेगा।

अगर इस मैच में केकेआर हार जाती है, तो रहाणे के नेतृत्व में लगातार दूसरे सत्र में वह प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायेगी हालांकि मुंबई के खिलाफ जीत भी केकेआर के लिए पर्याप्त नहीं होगी। प्लेऑफ के लिए उसे लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच होने वाले मैच के परिणान पर भी नजर रखनी होगी। अगर पंजाब वह मैच जीत जाता है तो केकेआर प्लेऑफ से बाहर हो जाएगी। ऐसे में वह चाहेगी कि सुपर जायंट्स ये मैच जीते।

केकेआर की बल्लेबाजी कप्तान रहाणे, फिन एलन अंगकृष रघुवंशी और कैमरन पर निर्भर है। एलन ने अपनी पिछली तीन पारियों में एक शतक और 93 रन की तूफानी पारी खेली है। अंगकृष और ग्रीन ने भी अच्छा खेला है। रिंकू सिंह ने अब तक मध्यक्रम को अच्छे तरीके से संभाला है। गेंदबाजी की जिम्मेदारी मथीशा पथिराना और वरुण चक्रवर्ती पर रहेगी। टीम के लिए हालांकि चिन्ता की बात वरुण की फिटनेस रहेगी। वरुण अगर इस मैच में नहीं खेलते तो ये टीम के लिए झटका होगा।

वहीं दूसरी ओर कप्तान हार्दिक पंड्या लीग के इस अंतिम मैच में जीत के साथ ही टीम का मनोबल बढ़ना चाहेंगी। वह चोट के कारण पिछले तीन मैच नहीं खेल पाए थे पर उनके इस मैच में खेलने की पूरी संभावना है। हार्दिक का प्रदर्शन हालांकि अबतक गेंद और बल्ले से अच्छा नहीं रहा है। वह आठ पारियों में केवल 146 रन बना पाये हैं। गेंदबाज में केवल चार विकेट ले पाये हैं। बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और उनका भी लक्ष्य इस मैच में बड़ी पारी खेलना होगा। टीम की गेंदबाजी ट्रेंट बोल्ट, कॉर्बिन बॉश के पास रहेगी।

आंकड़ों पर नजर डाले तो अब तक दोनो के बीच 36 मैच हुए हैं। जिसमें से 25 मुम्बई और 11 केकेआर ने जीते हैं।

कोलकाता ने पांच जीत और एक मैच का परिणम नहीं निकलने के कारण 11 अंक हासिल किये हैं और वह अंकतालिका में आठवें नंबर पर है। वहीं मुम्बई ने चार मैच जीतकर आठ अंक हासिल किये हैं और वह नौवें स्थान पर है।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह -

कोलकाता नाइट राइडर्स - अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, सुनील नरेन, अनुकूल रॉय, वरुण चक्रवर्ती, सौरभ दुबे, कार्तिक त्यागी

इम्पैक्ट प्लेयर- मथीशा पथिराना

मुंबई इंडियंस - हार्दिक पंड्या (कप्तान), रायन रिकेल्टन (विकेटकीपर), नमन धीर, तिलक वर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, विल जैक्स, कॉर्बिन बॉश, दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, रघु शर्मा

इम्पैक्ट प्लेयर- रोहित शर्मा

अगले सत्र में बेहतर होकर आयेंगे - रुतुराज गायकवाड़

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ आईपीएल के 19 वें सत्र में अपनी टीम के कमजोर प्रदर्शन से निराश हैं। टीम को अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों मिली हार से भी करारा झटका लगा है क्योंकि इस हार से टीम तकरीबन प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। इसका कारण है कि अब सीएसके अधिकतम 14 अंकों तक ही पहुंच सकती है। वहीं तीन अन्य टीमें 15 या इससे अधिक अंक हासिल कर सकती हैं। गायकवाड़ ने कहा कि सनराइजर्स के खिलाफ करीबी मुकाबले में उनकी टीम ने अंत तक संघर्ष किया जिसपर उन्हें गर्व है।

कप्तान ने कहा कि अब अगले सत्र के लिए टीम को और बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा, हाँ, बिल्कुल। हम टीम बना रहे हैं। सच कहूं तो, मुझे लगता है कि इसमें बहुत सारी सकारात्मक बातें हैं। उन्होंने युवा प्रतिभाओं की सराहना की साथ ही कहा कि संजू सैमसन के आने से टीम की बल्लेबाजी बेहतर हुई है। वह हमारे लिए बहुत अच्छा खेल रहे हैं। युवा कार्तिक शर्मा से भी काफी उम्मीदें हैं। गायकवाड़ ने माना है कि कुछ प्रमुख खिलाड़ी जो अंतिम 12 का हिस्सा थे, वे टीम से बाहर हो गए हैं, और अब उनके सही विकल्प तलाशने होंगे।

दुनिया भर में फैले सीएसके प्रशंसकों के लिए संदेश देते हुए, कप्तान ने उनके लगातार समर्थन के लिए आभार जताया है। उन्होंने कहा, दुनिया भर में हमारे जो प्रशंसक हैं, वे आते हैं और हर अच्छे-बुरे समय में हमारा साथ देते हैं। साथ ही कहा, मुझे लगता है, पिछले साल की तुलना में, हम इस साल बहुत बेहतर थे और निश्चित रूप से अगले साल यहां और बेहतर होकर उतरेंगे।

सीएसके के खिलाफ जीत के बाद आरसीबी, गुजरात के बाद सनराइजर्स भी प्लेऑफ में पहुंची

चेन्नई । सनराइजर्स हैदराबाद ने यहां हुए आईपीएल 2026 के मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को हराकर प्लेऑफ में जगह बना ली है। इस मैच में

सनराइजर्स हैदराबाद की जीत के साथ ही अंक तालिका में काफी बदलाव आया है। आरसीबी की टीम 18 अंकों के साथ पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में सफल रही है। वहीं गुजरात टाइटंस 16 अंकों के साथ क्वालीफाई कर लिया है और सनराइजर्स हैदराबाद भी 16 अंकों के साथ क्वालीफाई कर चुकी है। पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है और राजस्थान रॉयल्स 12 अंकों के साथ पांचवें नंबर पर है। वहीं, सीएसके की टीम के भी 12 अंक हैं और वह छठवें स्थान पर बनी हुई है। दिल्ली कैपिटल्स के भी अब 12 अंक हैं और वह सातवें स्थान पर है। वहीं केकेआर 11 अंकों के साथ आठवें नंबर पर है। अंक तालिका में पहले ही मुंबई इंडियंस बाहर हो गयी है और वह आठ अंकों के साथ नवे स्थान पर है, वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स भी 8 अंकों के साथ ही कम रन रेट के कारण दसवें स्थान पर है।

हेनरिक क्लासेन ऑरेंज कैप की रेस में नंबर वन बने

सीएसके के खिलाफ 47 रनों की पारी के साथ ही हेनरी क्लासेस कुल 555 रन बनाकर ऑरेंज कैप की रेस में नंबर ए पर पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की रेस में अभी भी भुवनेश्वर कुमार शीर्ष पर बने हुए हैं।

ऑरेंज कैप की सूची

बल्लेबाज	मैच	पारियां	रन	औसत	स्ट्राइक रेट	चौके	छक्के
हेनरिक क्लासेन	13	13	555	50.45	155.90	44	25
साई सुदर्शन	13	13	554	46.17	157.83	55	25
शुभमन गिल	12	12	552	46.00	160.47	50	27
विराट कोहली	13	13	542	54.20	164.74	57	21
केएल राहुल	13	13	533	44.42	171.94	51	27
अभिषेक शर्मा	13	13	507	42.25	201.99	46	38
ईशान किशन	13	13	490	37.69	179.49	49	26
वैभव सूर्यवंशी	12	12	486	40.50	234.78	43	43
संजू सैमसन	13	13	477	47.70	166.20	53	24
कूपर कोनोली	13	12	473	47.30	162.54	39	32

पर्पल कैप सूची

गेंदबाज	मैच	ओवर	गेंदें	विकेट	औसत	रन दिए	चार विकेट हॉल
भुवनेश्वर कुमार	13	51.0	306	24	16.38	393	1
कगिसो रबाडा	13	50.0	300	21	21.95	461	0
अंशुल कंबोज	13	46.2	278	20	23.70	474	0
जोफ्रा आर्चर	12	44.0	264	17	23.53	400	0
ईशान मलिंगा	13	46.2	278	17	25.53	434	1
प्रिंस यादव	12	45.0	270	16	24.00	384	0
राशिद खान	13	45.5	275	16	24.94	399	1
कार्तिक त्यागी	12	43.0	258	16	25.38	406	0
मोहम्मद सिराज	13	48.0	288	14	29.43	412	0
जेमी ओवर्टन	10	28.0	168	14	17.79	249	1

आईपीएल प्लेऑफ - चौथे स्थान के लिए रॉयल्स सहित पांच टीमों में है टक्कर

मुम्बई । आईपीएल 2026 का लीग चरण अब समाप्त होने जा रहा है और तीन टीमें अपने चरम पर है और प्लेऑफ की दौड़ अब बेहद रोमांचक मोड़ पर आ गई है। जहां तीन टीमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और गुजरात टाइटन्स (जीटी) प्लेऑफ में पहुंच गयी हैं। ऐसे में बचे हुए एक स्थान के लिए पांच टीमों में टक्कर है। ऐसे में अब बचे हुए मैचों में हार-जीत के परिणाम से इस टीम का फैसला होगा।

चौथे और अंतिम स्थान के लिए पंजाब किंग्स, राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मुकाबला होना है। ऐसे में हर टीम की नजर न सिर्फ अपने प्रदर्शन पर है, बल्कि दूसरी टीमों के परिणामें पर भी लगी हैं।

इन पांच टीमों में राजस्थान रॉयल्स की दावेदारी सबसे मजबूत है। उसके अभी दो मैच बचे हैं, और संयोग से वे दोनो ही ऐसी टीमों से हैं जो प्लेऑफ से बाहर हो गयी हैं। अगर राजस्थान रॉयल्स अपने इन दोनों मुकाबलों में जीत दर्ज कर लेती है, तो वह आसानी से 16 अंकों के साथ प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। यह एकमात्र टीम है जो अपने बल पर क्वालीफाई कर सकती है और उसे किसी और के प्रदर्शन पर निर्भर नहीं रहना होगा।

वहीं राजस्थान अगर एक भी मैच हारती है, तो हालता बदल जाएंगे और पंजाब किंग्स व कोलकाता नाइट राइडर्स की राह बन जाएगी। पंजाब किंग्स इस समय अंक तालिका में चौथे स्थान पर है और बचे हुए मैच को जीतकर भी अधिकतम 15 अंकों तक ही पहुंच सकती है। उनका एक मैच लखनऊ के खिलाफ बाकी है। उधर, कोलकाता नाइट राइडर्स को भी अपने दो मैच खेलने हैं। उसके मुंबई इंडियंस से और दिल्ली कैपिटल्स से खेलना है। अगर केकेआर अपने दोनों मैच जीत जाती है, तो उनके भी 15 अंक हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में नेट रन रेट (एनएनआर) निर्णायक भूमिका निभाएगा, जहां पंजाब किंग्स का पलड़ा थोड़ा भारी है।

दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स और मौजूदा चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स की भी अभी कुछ उम्मीदें बची हैं पर उनके लिए रास्ता काफी कठिन है। उन्हें न सिर्फ अपने बचे हुए सभी मैच जीतने होंगे, बल्कि उन्हें यह भी उम्मीद करनी होगी कि पंजाब और केकेआर अपने बचे हुए मैचों में से कम से कम एक-एक मैच हार जाये। यह स्थिति उनके क्वालीफाई करने के लिए कठिन समीकरणों पर निर्भर करती है। ऐसे में अब एक भी गलती इन टीमों को बाहर करने के लिए पर्याप्त है।

फीफा विश्वकप के लिए ब्राजील की 26 सदस्यीय टीम घोषित, नेमार भी शामिल

रियो डि जेनेरो। ब्राजील ने अगले माह होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम में स्टार खिलाड़ी नेमार की वापसी हो गयी है। नेमार चोटिल होने के कारण पिछले काफी समय से टीम से बाहर थे, अब उनकी वापसी से प्रशंसकों को राहत मिली है। टीम के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने विश्वकप के लिए 26 सदस्यीय टीम की घोषणा करते हुए कहा कि नेमार की वापसी से टीम में उत्साह है। नेमार के विश्वकप खेलने को लेकर अबतक संदेह जताया जा रहा था। नेमार ने आखिरी बार अक्टूबर 2023 में ब्राजील के लिए मुकाबला खेला था। उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में उन्हें गंभीर चोट लगी थी। जिसके बाद से ही वह खेल से बाहर थे। इस चोट से उबरने के बाद यह पहली बार है जब वह राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बने हैं। फिलहाल वह अपने क्लब सैंटोस एफसी के लिए खेल रहे हैं।

रैना को अगले साल भी धोनी के आईपीएल खेलने की उम्मीदें

नई दिल्ली । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पांच बार खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी आईपीएल के 19 वें सत्र में आखिरकार पहली बार 18 मई को चेपॉक स्टेडियम में नजर आये। धोनी का आना प्रशंसकों और और टीम के लिए एक भावुक पल रहा। धोनी इस सत्र में फिट नहीं होने से कारण अब तक बाहर थे। यह सीएसके का अपने घरेलू मैदान पर अंतिम मैच था, इसलिए ये भी कहा जाने लगा कि अब धोनी अगले सत्र में नहीं दिखेंगे। जिस प्रकार से धोनी ने टीम के अन्य खिलाड़ियों के साथ मैदान का चक्कर लगाकर अपने प्रशंसकों का अभिवादन किया। उससे भी इस बात को बल मिला कि उनकी आईपीएल से विदायी हो गयी है हालांकि सीएसके में उनके साथी रहे सुरेश रैना को ऐसा नहीं लगता। रैना के भरोसे की वजह ये है कि धोनी ने आधिकारिक तौर पर संन्यास की घोषणा नहीं की है। रैना अभी आईपीएल में कमेंट्री पैनल का हिस्सा हैं। उनकी और धोनी की एक साथ मौजूदगी ने सीएसके फैंस में जबरदस्त जोश भर दिया था। इसी दौरान , रैना ने धोनी के संन्यास को लेकर खुलासा किया । उन्होंने बताया, मैंने उनसे कहा कि आईपीएल 2024 केवल एक मिस्ड कॉल था, जिसे मैं नहीं गिनता। आपको अगले साल फिर से वापस आना होगा। रैना के अनुसार, धोनी ने जवाब में कहा, मेरा शरीर अब थोड़ा कमजोर पड़ रहा है। इस पर रैना ने कहा, हम सब इसमें विश्वास नहीं रखते हैं। आपको अगले साल खेलना ही होगा। रैना ने इस बातचीत को सकारात्मक बताया और कहा कि उन्हें लगा कि धोनी की तरफ से यह एक अच्छा संकेत था। उन्होंने आगे कहा कि पूरी टीम भी यही चाहती है कि वह अगले साल मैदान पर उतरें। रैना के इस खुलासे ने करोड़ों सीएसके प्रशंसको में नई उम्मीद जगा दी है, जो अपने चहेते कप्तान को एक

लामिछाने ने स्टार्क का रिकार्ड तोड़ा

सबसे कम मैचों में 150 विकेट लेने का विश्व रिकॉर्ड बनाया

काठमांडू । नेपाल क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर संदीप लामिछाने ने स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले के दौरान तीन विकेट लेते ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक नया विश्व रिकार्ड अपने नाम किया है। अब लामिछाने सबसे कम मैचों में 150 विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये हैं। लामिछाने ने ये उपलब्धि केवल 73 एकदिवसीय मैचों में ही हासिल कर ली है। वहीं इससे पहले मिचेल स्टार्क के नाम ये रिकार्ड था। स्टार्क ने ये उपलब्धि 77 मैचों में हासिल की थी। लामिछाने ने यह आंकड़ा उनसे चार मैच पहले ही हासिल कर लिया है। स्टार्क ने हालांकि ये रिकार्ड भारत, इंग्लैंड, पाकिस्तान जैसी दुनिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलते हुए बनाया था। वहीं लामिछाने ने मुख्य रूप से एसोसिएट देशों के खिलाफ खेलते हुए इतने

सिंधु बीडब्ल्यूएफ के 15-अंक के नये प्रारुप को लेकर खुश नहीं

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अगले साल से लागू होने वाले विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) बैडमिंटन के नए 15-अंक के प्रारुप को लेकर उत्साहित नहीं हैं। सिंधु का मानना है कि ये थकानभरा और चुनौतीपूर्ण साबित होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु के अनुसार ये नया प्रारुप आक्रामक खिलाड़ियों के लिए ही लाभदायक रहेगा पर इससे खेल में शारीरिक और मानसिक थकान बढ़ जाएगी। गौरतलब है कि बीडब्ल्यूएफ ने हाल ही में 15 अंक वाले तीन गेम को

आउट दिये जाने के बाद सैमसन को जश्न मनाता देख भड़के क्लासेन

चेन्नई । सनराइजर्स हैदराबाद ने यहां हुए आईपीएल के 63 वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को हराकर प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ाया। इस रोमांचक मुकाबले में सनराइजर्स की जीत में ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन की अहम भूमिका रही। इन दोनो की शानदार पारियों से टीम ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच में आकर्षण का केन्द्र हेनरिक क्लासेन का विकेट रहा। क्लासेन आउट दिये जाने पर

देखकर नाराज हो गेय और उनकी सैमसन से तीखी बहस भी हुई। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने 20 ओवरों में 180 रन बनाये। इससे के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने एक ओवर पहले ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस मैच के 15वें ओवर में सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाज

रहे। ऐसे में विकेटकीपर संजू सैमसन ने उन्हें स्टंप करने में कोई गलती नहीं की पर रीप्ले में दिखा कि क्लासेन का पैर पॉपिंग क्रीज के अंदर था पर जिस क्षण सैमसन ने बेल्स गिराई, उनका पैर हवा में था, जिसके कारण तीसरे अंपायर ने उन्हें आउट दे दिया। सैमसन ने क्लासेन को स्टंप करते ही जश्न मनाना शुरू कर दिया, जिससे क्लासेन भड़क गये। थर्ड अंपायर के फैसले के बाद जब क्लासेन पवेलियन लौट रहे थे, तो उन्होंने सैमसन की ओर कुछ

बस्तर से तय हुआ 4 राज्यों का सुरक्षा फॉर्मूला, क्राइम कंट्रोल, महिला सुरक्षा, कुपोषण दूर करने का एक्शन प्लान बना, शाह बोले

नक्सल उन्मूलन अभियान में कांग्रेस सरकार ने नहीं की मदद

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर में पहली बार मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक हुई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में जगदलपुर में हुई इस बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल हुए। बैठक में राज्यों के विकास के साथ-साथ गंभीर सामाजिक और सुरक्षा मुद्दों पर कड़े फैसले लिए गए हैं। बैठक में चारों राज्यों में अपराध नियंत्रण, विशेषकर महिलाओं के उत्पीड़न और रेप जैसे मामलों पर जल्द फैसले लेने पर चर्चा की गई। बैठक के बाद प्रेस कॉफ्रेंस में गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, बस्तर में अब भय का माहौल समाप्त हो चुका है। हर जगह उत्साह, विश्वास नजर आ रहा है। हम सबके लिए गर्व का विषय है कि बस्तर अब नक्सल मुक्त हो गया है। उन्होंने कहा, नक्सल उन्मूलन अभियान में ढेर सारी नॉन बीजेपी सरकारों ने हमारा सहयोग किया है, लेकिन छत्तीसगढ़ की कांग्रेस (भूपेश) सरकार ने हमारा सहयोग नहीं किया। प्रेसवार्ता में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम एवं गृहमंत्री विजय शर्मा मौजूद थे।

इससे पहले मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में राज्यों के बीच आपसी समन्वय, कानून व्यवस्था, सीमा विवाद, परिवहन, बिजली, जल संसाधन और आंतरिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। नक्सल प्रभावित रहे इलाकों में संयुक्त रणनीति और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल पर भी फोकस रहा। अमित शाह ने कहा कि जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं तो पता चलता है कि बस्तर में विकास नहीं पहुंचने का कारण नक्सलवाद ही था। देश में कई सारे हिस्से ऐसे थे, जो नक्सल प्रभावित क्षेत्र से भी ज्यादा पिछड़े हुए थे पर वहां नक्सलवाद नहीं था। वो क्षेत्र धीरे-धीरे आगे बढ़ गए मगर हमारा बस्तर जस का तस रहा। 19 मई 2026 को ये तिथि है, जहां से नक्सल प्रभावित क्षेत्र में संपूर्ण विकास की परिकल्पना को लॉन्च किया जा रहा है। बस्तर को अब देश का सबसे विकसित आदिवासी संभाग बनाया जाएगा।

अब तेजी से होगा बस्तर का विकास

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा, नक्सलवाद के कारण पूरा क्षेत्र विकास से कोसों दूर रह गया था। रोजगार की दूर-दूर तक नामोनिशान नहीं था। न गांव में बिजली पहुंची न पानी पहुंचा। अब सारी व्यवस्था सेवा डेरा के माध्यम से पूरे बस्तर में होगी। हमारे जवानों की साहस, बलिदान के कारण बस्तर अब नक्सल मुक्त हो चुका है। अब तेजी से बस्तर का विकास होगा। इसके पहले भी प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में बस्तर के विकास के लिए कई सारे काम कर चुके हैं।

अमित शाह ने कहा, हमने 20 हजार 557 करोड़ की लागत से 12 हजार 211 किलोमीटर सड़क का निर्माण पूरा कर दिया है। टोटल 13 हजार मोबाइल टावर का प्लानिंग किया है, जिसमें से 5 हजार मोबाइल टावर नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र में लग चुके हैं। 1804 बैंक की शाखाएं खुली है। 1321 एटीएम खुल चुके हैं और 800 पोस्ट ऑफिस खोलने का काम भी समाप्त हो चुका है। 259 एकलव्य स्कूल, 46 आईटीआई, 49 स्कील डेवलपमेंट सेंटर बस्तर में खुल चुके हैं। युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ा जा रहा है। 240 बिस्तर वाला हॉस्पिटल जगदपुर में खुलेगा, जिसका भूमिपूजन कल किया गया। अब बस्तरवासियों को भय से जीने की जरूरत नहीं है। विकास का रास्ता प्रशस्त हो रहा है।

खेलों से जोड़ने बस्तर ओलंपिक का हो रहा आयोजन

अमित शाह ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में आदिवासी संस्कृति को बचाने के लिए बस्तर पंडुम का आयोजन किया जा रहा है। खेलों से जोड़ने बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है। दूसरी बार आयोजि बस्तर ओलंपित में 3 लाख 64 हजार खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। इसमें आत्मसमर्पित नक्सलियों ने भी भाग लिया था।

मेरी गैरमौजूदगी को चुप्पी न समझा जाए, मैं जल्द लौटूंगी अपने देश

नई दिल्ली,। मेरी गैरमौजूदगी को चुप्पी न समझा जाए। मैं जल्द अपने देश वापस लौटूंगी। यह कहना है बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना का। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि लगातार अपने देश और लोकतंत्र की बहाली के लिए संघर्ष कर रही हैं। फिलहाल वो भारत में अपना समय बिता रहीं हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शेख हसीना ने कहा कि 17 मई 1981 उनके जीवन का बेहद भावुक दिन था, जब वह छह साल के निर्वासन के बाद भारत से बांग्लादेश लौटी थीं। उन्होंने कहा कि उस समय भी उनके खिलाफ साजिशें हुई थीं, मुकदमे दर्ज किए गए थे और जान का खतरा था, लेकिन जनता के प्यार और समर्थन ने उन्हें वापस लौटने की ताकत दी।

उन्होंने कहा कि इस बार उनकी वापसी किसी तय तारीख पर निर्भर नहीं है, बल्कि बांग्लादेश में लोकतांत्रिक माहौल, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, राजनीतिक अधिकारों और कानून के शासन की बहाली पर निर्भर करेगी। हसीना ने दावा किया कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक और कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि 19 बार हत्या की कोशिशों से मैं बच चुकी हूं। जब तक अल्लाह ने मुझे जिंदा रखा है, मैं बहुत जल्द

बांग्लादेश की धरती पर लौटूंगी।

पूर्व पीएम हसीना ने कहा कि अवामी लीग कोई ऐसी पार्टी नहीं है, जिसे बंद किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह जनता की पार्टी है, आम लोगों की पार्टी है और इसे कागज पर लिखे प्रतिबंध से खत्म नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सत्ता अवामी लीग से डरता है, क्योंकि अगर पार्टी को लोकतांत्रिक तरीके से काम करने दिया गया तो सरकार की 'राष्ट्र विरोधी गतिविधियां' उजागर हो जाएंगी। उन्होंने साफ कहा कि पार्टी को तोड़ने की साजिशें सफल नहीं होंगी और सुधार का फैसला पार्टी के आंतरिक लोकतांत्रिक ढांचे के तहत ही होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक शेख हसीना ने इंटरव्यू में बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति पर भी गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि देश फिर से 2001 से 2006 के उस दौर की ओर बढ़ सकता है, जब कट्टरपंथ और उग्रवादी ताकतें मजबूत हुई थीं। हसीना ने आरोप लगाया कि अंतरिम सरकार के नेतृत्व में अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों के खिलाफ 'खामोश राजनीतिक नरसंहार' चलाया गया। उनके मुताबिक करीब 600 नेताओं और कार्यकर्ताओं की हत्या की गई, जबकि डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों को झूठे मामलों में गिरफ्तार किया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि पार्टी नेताओं के घरों और कारोबारों को निशाना बनाया गया और समर्थकों में डर का माहौल पैदा किया गया।

स्वंयभू बाबा अशोक खरात पर ईडी का शिकंजा कसा

नासिक। नासिक के कथित स्वंभू बाबा अशोक खरात के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कार्रवाई तेज कर दी है। महिलाओं के यौन शोषण, धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों में ईडी ने खरात को अपनी कस्टडी में लेकर मुंबई रवाना कर दिया है। अब उससे मुंबई स्थित ईडी कार्यालय में विस्तृत पूछताछ की जाएगी।

जानकारी के अनुसार, ईडी ने अशोक खरात को अपने कब्जे में लेने के लिए नासिक में न्यायालयीन प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद केंद्रीय एजेंसी ने नासिक के मध्यवर्ती कारागृह से उसे हिरासत में लिया और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मुंबई के लिए रवाना हो गई।

सूत्रों के मुताबिक, खरात को पीएमएलए कोर्ट में पेश किया जाएगा। ईडी उससे उसकी कथित बेनामी संपत्तियों, आलीशान बंगलों, महंगी गाड़ियों, बैंक लॉकरों, सोने और अन्य निवेशों को लेकर पूछताछ करेगी। एजेंसी यह भी जांच कर रही है कि उसके पास मौजूद संपत्ति का स्रोत क्या है और कहीं अवैध धन को वैध बनाने का प्रयास तो नहीं किया गया।

बताया जा रहा है कि अशोक खरात को प्रोडक्शन वारंट के तहत ईडी की कस्टडी में लिया गया है। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि पूछताछ के दौरान कई बड़े खुलासे हो सकते हैं। इसी कारण पुलिस ने उसके ट्रांजिट के दौरान भारी सुरक्षा बंदोबस्त किया है। ईडी की इस कार्रवाई को लेकर नासिक और आसपास के क्षेत्रों में काफी चर्चा है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में जांच एजेंसी खरात के नेटवर्क, आर्थिक लेन-देन और उससे जुड़े अन्य लोगों पर भी शिकंजा कस सकती है।

सरकार ने सीएए नियम किए और सख्त, नागरिकता पाना होगा कठिन

-पाकिस्तान-बांग्लादेश से आने वाले हिंदुओं पर कड़ी निगरानी

नई दिल्ली,। केंद्र सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के तहत भारतीय नागरिकता हासिल करने की प्रक्रिया को और अधिक सख्त बना दिया है। गृह मंत्रालय ने सोमवार को जारी नई अधिसूचना में पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आए धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए अतिरिक्त खुलासे अनिवार्य कर दिए हैं। नए नियमों के तहत अब आवेदकों को यह बताना होगा कि उनके पास संबंधित देशों का कोई वैध या एक्सपायर्ड पासपोर्ट है या नहीं।

सरकार के अनुसार, यदि किसी आवेदक के पास पाकिस्तान, बांग्लादेश या अफगानिस्तान का पासपोर्ट है, तो उसे उसकी पूरी जानकारी देनी होगी। इसमें पासपोर्ट नंबर, जारी होने की तारीख, जारी करने का स्थान और एक्सपायरी डेट शामिल होगी। साथ ही भारतीय नागरिकता मिलने के 15 दिनों के भीतर उस पासपोर्ट को संबंधित देश के दूतावास या अधिकृत संस्था के पास जमा करना अनिवार्य होगा।

गृह मंत्रालय का कहना है कि यह फैसला सीएए प्रक्रिया में पारदर्शिता और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से लिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक हाल के समय में ऐसे कई मामले सामने आए, जिनमें कुछ आवेदकों के पास पुराने या अमान्य विदेशी पासपोर्ट पाए गए। चूंकि भारतीय कानून दोहरी नागरिकता और दो पासपोर्ट रखने की अनुमति नहीं देता, इसलिए सरकार अब नागरिकता मिलने के बाद विदेशी पहचान दस्तावेजों के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक सुनिश्चित करना चाहती है।

शपथ पत्र देना होगा अनिवार्य

नई अधिसूचना के मुताबिक हर आवेदक को शपथ पत्र देकर यह घोषित करना होगा कि उसके पास संबंधित देशों द्वारा जारी कोई वैध या एक्सपायर्ड पासपोर्ट नहीं है। यदि ऐसा दस्तावेज मौजूद है, तो उसकी पूरी जानकारी आवेदन के दौरान देना जरूरी होगा। नियमों का पालन नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई भी हो सकती है। दरअसल, वर्ष 2019 में पारित नागरिकता संशोधन कानून का उद्देश्य पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न का सामना कर भारत आए छह अल्पसंख्यक समुदायों—हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई—को भारतीय नागरिकता देने की प्रक्रिया आसान बनाना था। केंद्र सरकार ने 2024 में इस कानून के नियम लागू किए थे और अब उन्हीं में संशोधन कर यह नई शर्त जोड़ी गई है।

सरकार का मानना है कि कई मामलों में आवेदक भारतीय नागरिकता प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद विदेशी दस्तावेज अपने पास रखते हैं, जिससे पहचान, यात्रा और कानूनी स्थिति को लेकर भ्रम पैदा हो सकता है।

तेलंगाना सीएम रेड्डी भी सुवेंदु अधिकारी की राह पर? बीजेपी सांसद ने छेड़ी नई अटकल

हैदराबाद। सोमवार को तेलंगाना की राजनीति में एक नई अटकल को बल मिला, जब भाजपा सांसद धर्मपुरी अरविंद ने ये कहकर हलचल मचा दी कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी अंततः कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने संभावित राजनीतिक बदलाव की तुलना पश्चिम बंगाल के घटनाक्रम से की, जहां सुवेंदु अधिकारी 2020 में तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे और बाद में एक प्रमुख प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरे।

निज़ामाबाद से बीजेपी सांसद अरविंद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व ने रेवंत रेड्डी को मुख्यमंत्री नियुक्त करके एक बड़ी गलती की है, खासकर उन वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी कर जिन्होंने पार्टी में दशकों बिताए हैं। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी भी सुवेंदु अधिकारी की तरह ही अपने राजनीतिक भविष्य के लिए समान राह चुन सकते हैं। तेलंगाना में कांग्रेस के भविष्य को लेकर अपनी भविष्यवाणी कर अरविंद ने कहा कि पार्टी को 2028-29 में अभूतपूर्व हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने 1985 और 1994 में मिली हार का जिक्र कर कहा, 2028-29 में, रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, कांग्रेस पार्टी को एक

झारखंड में करोड़ों का वेतन घोटाला एसआईटी ने फ्रीज किए सैकड़ों बैंक खाते, जांच में तेजी

रांची। झारखंड में जिलों के कोषागार से करोड़ों रुपये के अवैध वेतन निकासी घोटाले की जांच कर रही सीआईडी की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने अब तक बोकारो और हजारीबाग जिलों के 850 बैंक खातों की जानकारी जुटाई है, जिन्हें जांच के दायरे में लिया गया है। इसमें बोकारो के 600 और हजारीबाग के 250 बैंक खाते शामिल हैं। जांच के दौरान जैसे-जैसे सरकारी खातों से हुई अवैध निकासी के मामले उजागर हो रहे हैं, एसआईटी तेजी से संबंधित बैंक खातों को फ्रीज करा रही है। अब तक बड़ी संख्या में संदिग्ध खातों को फ्रीज किया जा चुका है। इतना ही नहीं एसआईटी ने खाताधारकों को

मणिपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध : 5 दिन से जीवनरेखा ठप, हजारों फंसे

इंफाल। मणिपुर की लाइफलाइन कहे जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 2 पर बीते पांच दिनों से यातायात पूरी तरह से ठप्प है। कुकी इन्पी संगठन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंपे गए मांग पत्र पर कोई प्रगति न होने और सेनापति से अगवा किए गए 14 कुकी नागरिकों को छुड़ाने में सरकार की विफलता के विरोध में यह बंद प्रशासन की ओर से व्यापक राहत सामग्री नहीं पहुंचने के कारण कई लोगों को भूखा रहना पड़ रहा है, जबकि मोबाइल नेटवर्क की कमी के कारण वे अपने परिवारों से भी संपर्क नहीं कर पा रहे हैं।

इस बंद का असर पूरे राज्य में महसूस हो रहा है, जहां सैकड़ों तेल और एलपीजी टैंकरों के रास्ते में फंसे होने के कारण कई नेताओं की हत्या और नोनी जिले में एक आम नागरिक की हत्या के बाद अपहृत किए गए लोग भी शामिल हैं। हालांकि, कुल 38 लोगों में से 31 को रिहा किया गया है, जिसमें 14 नगा और 16 कुकी शामिल हैं, लेकिन कुकी इनपी मणिपुर के अनुसार अभी भी 14 कुकी सदस्य और छह नगा नागरिक नगा गुटों की कैद में हैं।

केजरीवाल-सिसोदिया पर चुनाव लड़ने से रोक की मांग, दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल हुई जनहित याचिका

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय में आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल, वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक को चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित करने की मांग को लेकर जनहित याचिका दाखिल की गई है। इस याचिका में आरोप लगाया गया है कि इन नेताओं ने कथित रूप से न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा का नाम एक घोटाले से जोड़कर उन्हें विवाद में घसीटने का प्रयास किया।

याचिका में यह भी मांग की गई है कि भारतीय चुनाव आयोग आम आदमी पार्टी का पंजीकरण रद्द करे। मामले में दिल्ली हाई कोर्ट बुधवार को सुनवाई करेगा। इस याचिका ने राजधानी की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। दरअसल, दिल्ली हाई कोर्ट की न्यायाधीश स्वर्ण कांता शर्मा ने हाल

बालाघाट
बुधवार 20 मई 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

आम खाने गए बच्चे को चोर समझकर बेरहमी से की पिटाई - घायल बालक निजी अस्पताल में भर्ती खेत मालिक आरोपी दामेंद्र ठाकरे पर केस दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम खारा में आम खाने गए 3 बच्चों को चोर समझकर खेत मालिक ने अश्लील गालियां देते हुए, एक बच्चे को बेरहमी से मारपीट कर दिया। घायल बालक साहिल पिता अनिल बोपचे को बालाघाट के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने खेत मालिक दामेंद्र ठाकरे के खिलाफ मारपीट, गाली गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 मई को दोपहर करीब 12:30 बजे ग्राम खारा निवासी तीन लड़के सुशील बोपचे, अक्ष बोपचे और शाहिल बोपचे अपने गांव के ही दामेंद्र ठाकरे के खेत व उनके पुराने मुर्गी फार्म के तरफ आम खाने गए थे। इसी दौरान दामेंद्र ठाकरे वहां पहुंचा और तीनों बच्चों पर मुर्गी फार्म से कबाड़ चोरी करने का आरोप लगाने लगा। बच्चों ने बताया कि वे सिर्फ आम खाने आए हैं। चोरी करने नहीं। इस बात पर दामेंद्र ठाकरे भड़क गया और बच्चों को अश्लील गालियां देने लगा। और उसने शाहिल बोपचे को हाथ-मुक्कों से बेरहमी से मारपीट कर दिया। जिससे शाहिल घायल होकर खेत की बंधी में गिर गया था। मारपीट के बाद दामेंद्र ठाकरे ने तीनों बच्चों को दोबारा खेत में आने पर जान से खत्म करने की धमकी भी दी।घटना की सूचना मिलने पर शाहिल के दादा पृथ्वीपाल बोपचे मौके पर पहुंचे और घायल नाती शाहिल को उठाकर घर लाए। गंभीर हालत देखते हुए उसे बालाघाट के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पृथ्वीपाल बोपचे 51 वर्ष की रिपोर्ट पर किरनापुर पुलिस ने आरोपी दामेंद्र ठाकरे ग्राम खारा निवासी के विरुद्ध मारपीट, अश्लील गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध कायम कर जांच शुरू कर दी है।

आग का गोला बनी एम्बुलेंस, जिंदा जलने से चालक की मौत

परसवाड़ा से मंडला रोड़ ग्राम खर्रा के समीप हुआ हादसा, नागपुर से मरीज को छोड़कर वापस जा रहा था वाहन चालक

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज, बालाघाट।

परसवाड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम खर्रा के समीप मंगलवार की अल-सुबह उस वक्त चीख पुकार मच गई, जब नागपुर से मरीज को छोड़ने आई एक एंबुलेंस वापस जाते समय अचानक से पलट गई। जिससे एंबुलेंस में आग लग गई, वही देखते ही देखते एम्बुलेंस आग के गोले में तब्दील हो गई।उधर एम्बुलेंस में आग लगने से वाहन चालक की मौके पर जिंदा जलकर मौत हो गई मृतक वाहन चालक का नाम महाराष्ट्र नागपुर अजनी थाना कौशल्या नगर निवासी 56 वर्षीय माइकल अंतुने मोरिस बताया गया है जिसके शव को पुलिस ने बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया है तो वही मृतक के पास से मिले मोबाइल के आधार पर मृतक के परिजनों को मामले की सूचना दी गई है। बताया गया कि परिजनों की उपस्थिति में शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा।

मरीज को छोड़ने नागपुर से परसवाड़ा के सन्तरीटोला आया था माइकल

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना अजनी, कौशल्या नगर निवासी माइकल अंतुने मोरिस पेशे से वाहन चालक था, जो एंबुलेंस वाहन चलाता था, बताया गया कि माइकल सोमवार की शाम नागपुर से किसी मरीज को लेकर परसवाड़ा के सन्तरी टोला में छोड़ने आया था, जहां कुछ देर विश्राम करने के बाद वह एंबुलेंस में सवार होकर पुनः नागपुर जाने के लिए निकला था।तभी वह परसवाड़ा के मंडला रोड़ ग्राम खर्रा के पास पहुँचा ही था कि तभी तेज रफ्तार के कहर से यह हृदयविदारक घटना घटित हो गई।

वाहन पलटने से फंसा चालक, आग लगने से मौत

पूरी घटना परसवाड़ा थाना अंतर्गत ग्राम खर्रा के समीप की है। घटना सुबह तकरीबन 4 से 5 बजे के बीच की बताई जा रही है। जहां ओमनी(एम्बुलेंस) में सवार व्यक्ति मण्डला की ओर जा रहा था, ग्राम खर्रा के समीप ओमनी पलट गई, और आग का गोला बन गई। वहीं वाहन के पलटने से उसमे सवार चालक फंस गया, और आग की चपेट में आने से वह भी जिंदा जल गया। उधर बालाघाट मण्डला रोड पर ग्राम खर्रा के समीप जलती हुई मारुति ओमनी, और उसमें जिंदा जलते हुए वाहन चालक को राहगीरों ने देखा, जिसकी सूचना परसवाड़ा पुलिस को दी गई। हालांकि जब तक काफी देर हो चुकी थी और वाहन में फंसे चालक की जलने से मौके पर ही मौत हो गई।

नींद के झोंके में पेड़ से टकराकर वाहन पलटने की कही जा रही बात

हालांकि यह घटना कैसे हो गई फिलहाल इसकी जानकारी किसी के पास नहीं है लेकिन प्रथम दृष्टया घटना, वाहन के तेज गति से चलने के कारण प्रतीत हो रही है, घटनास्थल पर दूर तक घसीटती गई मारुति ओमनी के निशान मिले है वही वाहन पेड़ से टकराने के बाद पलटने और उसमें आग लगने की बात कही जा रही है।आशंका जताई जा रही है कि, वाहन तेज गति में रहा होगा, वहीं कयास ये भी लगाए जा रहे हैं, कि सम्भवतः नींद के झोंके के चलते यह घटना घटित हुई होंगी।

ढेड़ माह के भीतर दूसरी बड़ी घटना

ज्ञात हो कि आज से करीब डेढ़ महिने पहले भी एक ऐसी ही घटना समाने आई थी।कार से जलने की यह दूसरी बड़ी घटना है, इससे पूर्व 27 मार्च की रात, एक ही परिवार के तीन सदस्यों की कार पलटने से उसमें लगी आग में जिंदा जलने से ससुर, बहु और पोता जिंदा जल गए थे।जिसमे उनकी मौत हो गई थी

मामले की जांच में जुटी पुलिस

उधर मामले की जानकारी मिलने पर मौका स्थल पर पहुंची परसवाड़ा पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से वाहन में लगी आग पर काबू पाया।जहां मृतक के पास से मिले मोबाइल के आधार पर मृतक की पहचान कर घटना की जानकारी उनके परिजनों को दी।वही आवश्यक कार्यवाही कर शव को जप्त कर पोस्टमार्टम के लिए परसवाड़ा अस्पताल पहुंचाया है।जहां परिजनों की उपस्थिति में शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किए जाने की बात कही गई है। वहीं पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

एम्बुलेंस चालक घर पर सोया हुआ था, कब उठकर गया पता नही-कमलेश

इस पूरे मामले को लेकर की गई औपचारिक चर्चा के दौरान सन्तरीटोला निवासी कमलेश कुशरे ने बताया कि उनके साथी का नागपुर में एक्सीडेंट हो गया था, जिसे लेकर सोमवार को वे लोग, इसी एम्बुलेन्स से ग्राम सन्तरीटोला आए थे।तकरीबन 2 बजे रात्रि में वे घर पहुँचे थे, जिसके बाद एम्बुलेन्स चालक भी घर पर ही सो गया, किन्तु वहा कब उठकर निकल गया, पता नही चला, हमे सुबह इस हादसे की जानकारी मिली है।

हट्टा में घरेलू विवाद- पति ने मोबाइल मारकर पत्नी का सर फोड़ा,- पुलिस ने दर्ज किया अपराध

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के हट्टा वार्ड नंबर 15 में 19 मई को दोपहर 3 बजे घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। 10 दिन बाद घर लौटे पति मंसाराम सुलाखे ने अपनी 50 वर्षीय पत्नी सुशीला सुलाखे के साथ मारपीट की और घर से न निकलने पर जान से मारने की धमकी दी। घायल महिला की शिकायत पर हट्टा पुलिस ने आरोपी पति मंसाराम सुलाखे के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुशीला सुलाखे घरेलू काम करती हैं। परिवार में पति मंसाराम और तीन बेटे हैं। मंसाराम का धारापुरी के पास ढाबा है। पति-पत्नी के बीच काफी समय से घरेलू विवाद चल रहा था।9 मई को मंसाराम बिना बताए घर से चला गया था। 10 दिन बाद 19 मई को दोपहर करीब 3 बजे मंसाराम अचानक घर लौटा। घर में मौजूद पत्नी सुशीला से उसने कहा कि घर से निकल जाने कहा। इस पर सुशीला ने जवाब दिया कि तुम्हारा यहां कुछ भी नहीं है। तुम यहां क्यों आए हो। इसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी तेज हो गई।

मोबाइल से सिर पर वार- फिर पेट में मुक्के मारे

विवाद बढ़ने पर मंसाराम आवेश में आ गया और सुशीला को गालियां देने लगा। सुशीला के मना करने पर उसने हाथ में रखे मोबाइल से पत्नी के सिर पर हमला कर दिया। हमले से सुशीला का सिर फट गया। मंसाराम यहीं नहीं रुका, उसने हाथ और मुक्कों से सुशीला के पेट में भी वार किए। साथ ही घर से नहीं निकलने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। यह पूरी घटना मोहल्ले के लोगों के सामने हुई। मारपीट में घायल सुशीला अपने बेटे रज्जू सुलाखे के साथ हट्टा पुलिस थाने पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कराई। हट्टा पुलिस ने घायल सुशीला का तत्काल इलाज और मेडिकल मुलाहिजा करवाया। महिला की शिकायत पर आरोपी पति मंसाराम पिता बकाराम सुलाखे के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि मंसाराम और सुशीला के बीच लंबे समय से अनबन चल रही थी। मंसाराम का धारापुरी के पास ढाबा है और वह अक्सर घर से बाहर रहता था। 10 दिन तक गायब रहने के बाद लौटते ही उसने यह हिंसक कदम उठाया।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में आज जिलेभर की मेडिकल दुकानें रहेंगी बंद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में बालाघाट केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने 20 मई को जिलेभर में एक दिवसीय हड़ताल का ऐलान किया है। संगठन के आह्वान पर जिले की थोक और चिल्लर मेडिकल दुकानें पूरे दिन बंद रहेंगी। संगठन का कहना है कि लगातार बढ़ रही ऑनलाइन दवाओं की बिक्री से स्थानीय मेडिकल व्यवसाय प्रभावित हो रहा है और दवा वितरण व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। हड़ताल को लेकर संगठन के पदाधिकारी प्रियंक वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में संगठन द्वारा पहले ही एडवाइजरी जारी कर जिलेभर के दवा विक्रेताओं और मेडिकल संचालकों को सूचित कर दिया गया है। प्रियंक वर्मा ने बताया कि 20 मई को सुबह 11 बजे शहर के कालीपुतली चौक में जिले के थोक और चिल्लर दवा विक्रेता, मेडिकल संचालक और मेडिकल दुकानों में कार्यरत कर्मचारी एकत्रित होंगे। इसके बाद सभी लोग रैली के रूप में कलेक्टर कार्यालय पहुंचेंगे, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। संगठन का कहना है कि ऑनलाइन दवा बिक्री के चलते स्थानीय मेडिकल व्यवसायियों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। साथ ही बिना उचित निगरानी के ऑनलाइन माध्यम से दवाओं की उपलब्धता स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए भी चिंता का विषय बनती जा रही है। इसी को लेकर संगठन लंबे समय से विरोध दर्ज करा रहा है। एसोसिएशन ने बताया कि केवल जिला मुख्यालय ही नहीं, बल्कि तहसील स्तर पर भी संगठन के पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपेंगे। हड़ताल के दौरान जिलेभर की अधिकांश दवा दुकानें बंद रखने का निर्णय लिया गया है। हालांकि संगठन ने यह भी स्पष्ट किया है कि हड़ताल के बावजूद आपातकालीन सेवाओं को प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा। यदि कहीं गंभीर मरीज या इमरजेंसी की स्थिति बनती है तो आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि आम जनता को किसी प्रकार की गंभीर परेशानी का सामना न करना पड़े। हड़ताल के ऐलान के बाद जिले के मेडिकल व्यवसायियों में भी तैयारियां शुरू हो गई हैं। वहीं आम लोगों से भी आवश्यक दवाइयां पहले से लेने की अपील की जा रही है, ताकि हड़ताल के दौरान उन्हें असुविधा न हो।

पत्नि ने हैदराबाद मजदूरी करने जाने से मना की तो पति ने लोहे की सरिया से मारकर किया घायल- दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाने के ग्राम पौनी में हैदराबाद मजदूरी पर साथ चलने से इनकार करने पर एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को लोहे की सरिया से बेरहमी से मारपीट कर घायल कर दिया । और हैदराबाद नहीं चलने पर उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। मलाजखंड पुलिस ने महिला की शिकायत पर उसके पति के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। ग्राम पोनी निवासी 30 वर्षीय संतोषी शिव अपने पति मनोज शिव, दो बच्चों और सास लक्ष्मी के साथ रहती है। पति मनोज अक्सर किसी न किसी बात पर संतोषी से झगड़ता और मारपीट करते रहता था। 17 मई की सुबह 10:30 बजे मनोज ने पत्नी संतोषी से कहा कि हमको परिवार सहित हैदराबाद कमाने चलना है। संतोषी ने हैदराबाद जाने से मना करते हुए कही तुम हैदराबाद अकेले चले जाओ। तुम यहां भी मुझसे झगड़ा करते रहते हो।हैदराबाद ले जाकर भी मुझे लड़ाई झगड़ा मारपीट करते रहोगे। यह सुनते ही मनोज आगबूला हो गया। गाली-गलौज करने लगा। संतोषी के घर के अंदर से बाहर आंगन में आते ही मनोज ने उसे पर लोहे की सरिया उठाकर उस पर हमला कर दिया। संतोषी के चिल्लाने पर सास लक्ष्मी, चाचा ससुर मच्चू सिंह, जेठ दिनेश शिव और पड़ोसियों ने बीच-बचाव कर उसे बचाया। बीच-बचाव के बाद मनोज ने संतोषी को धमकाते हुये बोला आज तो ये इन लोंगो ने बचा लिए। इसके बाद मनोज सिंह ने अपनी पत्नी संतोषी को अगली बार हैदराबाद जाने से मना करने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी।मारपीट में घायल संतोषी दिनभर बुआ सास कौशल्या के घर रही। बाद में उनके साथ मलाजखंड थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। मलाजखंड पुलिस ने घायल संतोषी का बिरसा अस्पताल में इलाज कराया। संतोषी की रिपोर्ट पर आरोपी पति मनोज शिव के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट